रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:90 शनिवार,06 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट का न्योता

संवाददाता

रांची : रांची : तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर विक्रमार्क ने मुख्यमंत्री सोरेन को आगामी 8-9 दिसंबर को हैदराबाद में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुलाकात के दौरान तेलंगाना और झारखंड के बीच आपसी सहयोग के विभिन्न विषयों पर भी सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। इस बैठक में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी उपस्थित रहे।

झारखंड विधानसभा में अभिनेता धर्मेंद्र को किया गया याद

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन की कार्यवाही शोकप्रकाश के बाद स्थगित हो गई. शोकप्रकाश के दौरान पिछले मानसून सत्र से अबतक दिवंगत हुई अलग-अलग क्षेत्र की हस्तियों और असमय काल के गाल में समाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी गई.

स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी सिनेमा के ही-मैन कहे जाने वाले अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को हो गया. उन्हें

वर्ष 2012 में पद्मभूषण और 1997 में फिल्म फेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था. धर्मेंद्र अपनी सादगी, विनम्रता और बहुआयामी अभिनय से असंख्य लोगों के दिल में अपनी छाप छोड़ी है. कुछ व्यक्तित समय का हिस्सा नहीं हेते वे समय को ही अपना हिस्सा बना लेते हैं. इसके अलावा राजनेता सतपाल मलिक, सलाउदीन अंसारी, पूर्व केंद्रीय

मंत्री प्रकाश जायसवाल, मेघालय के पूर्व सीएम रहे जी.डी. लापांग, जनजातीय नेता जॉर्ज तिर्की, काली प्रसाद पांडेय, बेंजामिन लकड़ा, उद्योगपति रामचंद्र रुंगटा, हिन्दूजा ग्रुप

के चेयरमैन गोपीचंद हिंदूजा, पंडित छन्नुलाल मिश्रा, गोवर्धन असरानी, कामिनी कौशल, वैज्ञानिक एकनाथ बसंत चिटनिस, अभिनेता पंकज धीर को याद किया गया. इसके अलावा दिल्ली बम धमाका में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी गई. साथ ही तमाम बड़ी घटनाओं, मुठभेड़, आपदा में जान

गंवाने वालों को याद किया गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत सभी दलों के नेता ने दिवंगतों के प्रति सहानुभूति प्रकट की. इस दौरान डुमरी विधायक जयराम महतो ने कहा कि उनके क्षेत्र के कई प्रवासी मजदूरो ने हाल के समय में दूसरे प्रदेशों में काम करते वक्त जान गंवाई है।

रूस-भारत के रिश्ते नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: पीएम

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और रूस के बीच मजबूत और बढ़ते सहयोग की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के रिश्तों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने की जरूरत है। मोदी ने वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की शुरूआत में अपने संबोधन में यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भारत के रुख पर जोर देते हुए कहा 'भारत शांति के साथ है और दुनिया को शांति की ओर लौटना चाहिए।' मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन का दो दिवसीय भारत के राजकीय दौरे के दौरान यहां उनका स्वागत करते हुए दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी और समय की कसौटी पर खरी उतरी मित्रता पर जोर दिया। उन्होंने श्री पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद् गीता की एक कॉपी भेंट की, और कहा, 'गीता की शिक्षाएं दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं।' मोदी ने श्री पुतिन के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा, 'यह दौरा बहुत ऐतिहासिक है, 'आपने एक अग्रणी नेता की दूरदर्शी सोच की काबिलियत को पूरा किया है।' श्री मोदी ने शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया, और कहा, 'हम सभी को शांति के रास्ते पर चलना होगा और भारत शांति बहाली की सभी कोशिशों का समर्थन करता है।' यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर श्री मोदी ने साफ तौर पर कहाः 'भारत का रूख तटस्थ नहीं है और वह शांति के साथ है।' उन्होंने बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए ।

आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद: पुतिन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान श्री पुतिन ने कहा, 'प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले, निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-

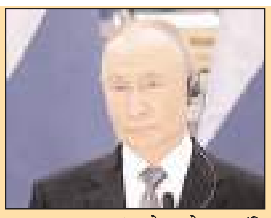

बहुत धन्यवाद।' यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत में चल रहे इस कामकाजी दिन से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख किया और यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद करने के लिए श्री मोदी के प्रयासों की सराहना की। रूसी राष्ट्रपति ने संभावित शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में।

झारखंड विस का शीतकालीन सत्र शुरू, अध्यक्ष ने विकास व संवाद की भावना को सर्वोपरि बताया

झारखंड विस के शीतकालीन सत्र के पहले दिन दिवंगत आत्माओं को दी गई श्रद्धांजलि

संवादाता

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से प्रारम्भ हो गया। सत्र की शुरूआत में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड में विकास की अपार संभावनाएं हैं और इन्हें जनहित में रूपांतरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य और तेजी से आगे बढ़ेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की गरिमा तभी बनी रहती है जब मतभेदों के बावजूद संवाद की पवित्रता बरकरार रखी जाए और लोकतंत्र की असल भावना को उभारा जाए। उन्होंने कहा कि विचारों की विविधता से ही सदन का इंद्रधनुष बनता है और सहमति-असहमति की धाराओं से शासन चलता है। अध्यक्ष ने विधायकों से अपील की कि वे सत्र में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें, प्रश्नों को सारगर्भित रखें, बहसों को तथ्यपूर्ण बनाएं और निर्णयों को जनहित के आधार पर परखें। उन्होंने कहा कि यह सदन केवल भवन नहीं, बल्कि जनता की आशाओं का प्रतीक है। अध्यक्ष के अनुसार, इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच कार्यदिवस निर्धारित हैं। 8 दिसंबर से प्रश्नकाल शुरू होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी तथा विनियोग विधेयक प्रस्तुत किए जाएंगे। 10 और 11 दिसंबर को राजकीय विधेयक एवं अन्य सरकारी कार्य लिए जाएंगेए जबकि 11 दिसंबर को गैर-सरकारी सदस्यों के कार्यों के लिए समय तय किया गया है। झारखंड की रजत जयंती का उल्लेख करते हुए रवींद्र नाथ महतो ने कहा कि यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन, विकास और नए संकल्पों का अवसर है। उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की विकास यात्रा को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सशक्तिकरण और आजीविका के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु अभी लंबा मार्ग तय करना शेष है। दूरदराज क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार, युवाओं के लिए बेहतर अवसर, आदिवासी-मूलवासी समुदायों का समावेशी उत्थान और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग अभी भी राज्य की प्राथमिकताएं हैं।

सतीश शाह, पद्मश्री से सम्मानित पीयूष पांडे, कन्नड़ उपन्यासकार व दार्शनिक एसएल भैरप्पा और चंदनकियारी निवासी सीआरपीएफ जवान शहीद मिलन सिंह राजपूत को श्रद्धांजलि दी गई।

विस के शीतकालीन सत्र के लिए सभापति मनोनित

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के लिए सभापति मनोनित कर लिया गया। शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में इसकी घोषणा की। स्टीफन मरांडी, सीपी सिंह, निरल पूर्ति, रामचंद्र सिंह और डॉ. नीरा यादव को सभापति मनोनित किया गया है। कार्यमंत्रणा समिति में इन्हें मिली जगह : अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के साथ सदस्य के रूप में हेमंत सोरेन, राधाकृष्ण किशोर, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव, निरल पूर्ति और अरूप चटर्जी को शामिल किया गया है, जबकि आमंत्रित सदस्य के रूप में दीपक बिरूआ, मथुरा महतो, सीपी सिंह, स्टीफन मरांडी, सरयू राय, सुरेश पासवान, नवीन जायसवाल, जर्नादन पासवान, बसंत सोरेन, नीरा यादव, कल्पना सोरेन, निर्मल महतो और जयराम महतो को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष का किया स्वागत

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पीकर कक्ष में स्वागत किया। विधानसभा के शीतकाली सत्र के पहले दिन जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया, वहीं मुख्यमंत्री का स्वागत राज्य के संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा, और झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार ने किया। वे सत्र में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें, प्रश्नों को सारगर्भित रखें, बहसों को तथ्यपूर्ण बनाएं और निर्णयों को जनहित के आधार पर परखें। उन्होंने कहा कि यह सदन केवल भवन नहीं, बल्कि जनता की आशाओं का प्रतीक है। अध्यक्ष महतो ने बताया कि इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच कार्यदिवस निर्धारित हैं। आगामी 8 दिसंबर से प्रश्नकाल शुरू होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी तथा विनियोग विधेयक प्रस्तुत किए जाएंग।

विधायकों से सत्र में अधिकतम भागीदारी की अपील

आठ दिसंबर से शुरू होगा प्रश्नकाल, 10 व 11 दिसंबर को राजकीय विधेयक

संवाददाता

रांचीःशीतकालीन सत्र शुक्रवार से आरंभ हुआ। सत्र के पहले दिन दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि पिछले सत्र से अब तक देश और राज्य ने राजनीति, कला, उद्योग और समाज सेवा के कई दिग्गजों को खोया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रतिपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी ने भी सदन की ओर से दिवंगत आत्माओं को नमन किया। पहले दिन सत्र के आरंभ में विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि झारखंड में विकास की अपार संभावनाएं हैं और इन्हें जनहित में रूपांतरित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य और तेजी से आगे बढ़ेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की गरिमा तभी बनी रहती है जब मतभेदों के बावजूद संवाद की पवित्रता बरकरार रखी जाए और लोकतंत्र की असल भावना को उभारा जाए। उन्होंने कहा कि विचारों की विविधता से ही सदन का इंद्रधनुष बनता है और सहमति-असहमति की धाराओं से शासन चलता है। अध्यक्ष ने विधायकों से अपील की कि वे सत्र में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें, प्रश्नों को सारगर्भित रखें, बहसों को तथ्यपूर्ण बनाएं और निर्णयों को जनहित के आधार पर परखें। उन्होंने कहा कि यह सदन केवल भवन नहीं, बल्कि जनता की आशाओं का प्रतीक है। अध्यक्ष महतो ने बताया कि इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच कार्यदिवस निर्धारित हैं। आगामी 8दिसंबर से प्रश्नकाल शुरू होगा।

इंडिगो ने फिर रद्द की 500 से अधिक उड़ानें, यात्रियों से मांगी माफी

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडिगो एयरलाइन ने शुक्रवार को भी 400 से अधिक उड़ानों को कैंसिल कर दिया। रात 12:00 बजे तक घरेलू उड़ानों को रद्द किया गया है। नए नियमों के कारण इंडिगो को लगातार चौथे दिन क्रू मेंबर्स (पायलट सहित अन्य फ्लाइट स्टाफ) की कमी से जूझती दिखी। इसके कारण दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद सहित कई एयरपोर्ट पर 500 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं। उड़ानों में लगातार देरी और बड़े पैमाने पर उड़ानों के रद्द होने के बाद इंडिगो ने यात्रियों से सार्वजनिक माफी मांगी है। एयरलाइंस ने कहा कि हवाईअड्डों पर भीड़ कम करने और परिचालन को आसान बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इंडिगो ने उड़ानों में लगातार देरी और कैंसिलेशन की शिकायतों के बीच माफी मांगी है। कंपनी ने यह कदम तब उठाया है, जब डीजीसीए ने अपने सख्त निर्देश को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिए। इंडिगो ने बताया कि व्यवस्था सुधारने के लिए शुक्रवार को सबसे अधिक उड़ानें रद्द की गईं है, ताकि शेड्यूल और सिस्टम को रीबूट करशनिवार से सुधार शुरू किया जा सके। इसके साथ ही एयरलाइन ने यात्रियों के लिए कई घोषणाएं की है। कंपनी ने कहा कि रद्द की गईं उड़ानों का किराया अपने आप मूल पेमेंट मोड में रिफंड किया जाएगा। इसके साथ ही 5 दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच की बुकिंग पर कैंसिलेशन और री- शेड्यूलिंग पूरी तरह मुफ्त होगी।

न्यूज स्टडी एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने की बढ़ी उम्मीद

एलसीए तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के लिए भारत को अमेरिका से मिला पांचवां जीई-404 इंजन

संवाददाता

नई दिल्ली : अमेरिकी इंजन निमार्ता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने शुक्रवार को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1 ए के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को पांचवां जेट इंजन सौंप दिया। इस वित्त वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। एचएएल को मार्च से नए विमान की आपूर्ति करनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। अब इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने फरवरी, 2021 में एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए विमानों के लिए 48 हजार करोड़ रुपये का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 लड़ाकू जेट और 10 प्रशिक्षक विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसी साल 25 सितंबर को एचएएल के साथ अतिरिक्त 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के नए ऑर्डर का अनुबंध किया है, जिसमें 68 सिंगल-सीट लड़ाकू विमान और 29 ट्विन-सीट ट्रेनर विमान हैं, जिनकी डिलीवरी 2027-28 में शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होगी। इस तरह एचएएल को भारतीय वायु सेना के लिए 180 विमानों का निर्माण करना है।

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंप

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंपा। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। एचएएल को एलसीए मार्क-1ए के लिए तीसरा जीई-404 इंजन 11 सितंबर को मिला। कंपनी ने उसी समय एक और इंजन सितंबर के अंत तक देने का वादा किया था, जिसकी आपूर्ति 30 सितंबर को की गई। भारत को चार इंजन मिलने के बाद एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिकी इंजन निमार्ता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने पांचवां इंजन आज एचएएल को सौंप दिया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान में लगाए जायेंगे, जिसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जा रहा है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील ने कहा कि एचएएल जीई के एफ-414 इंजनों के लिए 80 फीसदी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर भी बातचीत कर रहा है, जो उन्नत एलसीए मार्क-2 और स्वदेशी उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को शक्ति प्रदान करेगा। डॉ. सुनील ने कहा कि जीई ने हमें एक साल में 12 इंजन देने का वादा किया था, लेकिन अब शायद हमें वित्तीय वर्ष के अंत तक 12 इंजन मिल जाएंगे। इस साल हमें 10 इंजन मिल सकते हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपियों की 1,120 करोड़ रुपये की सम्पत्ति जब्त की

संवाददाता

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की 18 संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक में जमा राशि और असूचीबद्ध निवेश में उनकी शेयरधारिता को जब्त किया है, जिनकी कीमत 1,120 करोड़ रुपये है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकार देते हुए बताया कि यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की गयी है। ईडी अधिकारी ने बताया कि कुर्क की गयीं संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात सम्पत्ति , रिलायंस पावर लिमिटेड की दो सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट और रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा असूचीबद्ध निवेश में किए गए निवेश भी शामिल हैं। जब्त की गई प्रॉपर्टीज में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सातअसेट्स, रिलायंस पावर लिमिटेड के दो असेट्स और रिलायंस वैल्यू सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नौ असेट्स शामिल हैं। रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फाई मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और गमेसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े फिक्स्ड डिपॉजिट और इन्वेस्टमेंट भी अटैच किए गए हैं। न्?यूज एजेंसी एनएनआई के मुताबिक, एऊने कहा, कि इस कार्रवाई के साथ, ग्रुप से जब्त किए गए असेट्स की कुल कीमत अब 10,117 करोड़ रुपये हो चुकी है।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय : क्षमता निर्माण कार्यक्रम में गुणात्मक व प्रयोगात्मक शोध पर गहन विमर्श

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर-प्रायोजित दो-सप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) के पांचवें दिन की शुरूआत शांत एवं आत्मचिंतनपूर्ण वातावरण में हुई. दिन का आरंभ सभी प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक प्रार्थना से हुआ, जिसका संचालन अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर तथा कार्यक्रम के प्रतिभागी डॉ. आशीष कुमार मेहर ने किया. इसके उपरांत पाठ्यक्रम निदेशक एवं सह-पाठ्यक्रम निदेशक ने दिन के विशेषज्ञों का औपचारिक स्वागत किया. दिन के शैक्षणिक सत्र भारतीय सांख्यिकी संस्थान (क्रक), न्यू बरगंडा, गिरिडीह के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरि चरण बेहरा द्वारा संचालित किए गए. उन्होंने गुणात्मक शोध और सहयोगात्मक अन्वेषण पर केंद्रित तीन प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किए. उन्होंने प्रतिभागियों को साक्षात्कार अनुसूची, अवलोकन अनुसूची और फोकस समूह चर्चा जैसे प्रमुख उपकरणों से परिचित कराया. डॉ. बेहरा ने फील्ड वर्क में संवाद-क्षमता, प्रोबिंग तकनीकों और नैतिक संवेदनशीलता के महत्व पर बल देते हुए बताया कि समृद्ध एवं प्रामाणिक डेटा कैसे एकत्र किया जाए.

डॉ. बेहरा ने यह भी स्पष्ट किया कि शोध एक लचीली और निरंतर विकसित होती प्रक्रिया है, जिसमें समायोजन और पुनःसमायोजन आवश्यक है. उन्होंने ओपन, एक्सियल और सलेक्टिव कोडिंग का प्रदर्शन करते हुए बताया कि गुणात्मक सॉफ्टवेयर शोध की विश्लेषणात्मक कठोरता को कैसे बढ़ाते हैं. प्रतिभागियों ने उनकी व्यावहारिक व्याख्याओं और उदाहरणों की सराहना की. कार्यशाला खंड में उन्होंने केस उदाहरणों, समूह चचाओं और टीम-गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी टीमवर्क, अंतर्विषयक सहयोग और साझा शैक्षणिक लक्ष्यों की उपयोगिता पर विशेष जोर दिया. दिन का तीसरा सत्र जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. संजय भुइयां द्वारा लिया गया. उन्होंने प्रयोगात्मक शोध की मूल अवधारणाएं–प्रयोगात्मक ढांचा, नियंत्रण समूह, रैंडमाइजेशन, चर का नियंत्रित उपयोग और वैधता–सरल, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से समझाईं. उन्होंने प्री-एक्सपेरिमेंटल, क्वासी-एक्सपेरिमेंटल और ट्रू एक्सपेरिमेंटल डिजाइनों में अंतर बताते हुए कारणझ्रप्रभाव संबंधों की स्थापना में प्रयोगात्मक विधियों की भूमिका समझाई. शाम को भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास, नैक समन्वयन अध्यक्ष प्रो. के बी पंडा, डीन अकादमिक प्रो. मनोज कुमार, कुलसचिव के. कोसल राव, वित्त अधिकारी पी. के. पंडा, डॉ. विमल किशोर सहित विश्वविद्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे.

सीयूजे के छात्रों ने संबलपुरी, बंगाली और ओडिशी लोकनृत्यों सहित कई मनमोहक प्रस्तुतियां दीं. बिहार के त्यौहारों पर आधारित थीमेटिक नृत्य और देवी-रूपों के माध्यम से दिव्य नारीत्व की अभिव्यक्ति ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया. एक पीएच.डी. शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत बांसुरी वादन ने सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया. इसके साथ ही, सीबीपी के प्रतिभागियों ने भी मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन किया–बीएचयू के डॉ. आकाश रंजन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया, जबकि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के सहायक प्रोफेसर राकेश कुमार वर्मा ने प्रभावशाली एकल नाट्य प्रस्तुति दी. सीयूजे के डॉ. शिव कुमार ने भी शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी.

सेट, सेल, रांची में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप का कर्टेन रेजर समारोह संपन्न हुआ

रांची, संवाददाता ।

शुक्रवार को सेट, सेल, इस्पात भवन रांची के गंगा हॉल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्कशॉप का कर्टेन रेजर इवेंट संपन्न हुआ। इस इवेंट की अध्यक्षता श्री श्रवण कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक, सेट ने की और इसमें 25 से ज्यादा प्रिंट मीडिया के लोग शामिल हुए। शुरूआत में, सेल, रांची के संचार प्रमुख श्री उज्ज्वल भास्कर ने मीडिया के लोगों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इसके बाद श्री वर्मा ने सभा को इस एकद्विवसीय तकनिकी संगोष्ठी की विस्तृत जानकारी दी, तथा आज स्टील इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज सॉफ्ट सेक्टर ने अपने प्रचालन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नीक को अच्छी तरह से अपना लिया है और स्टील जैसे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को अभी भी इस टेक्नोलॉजी का पूरा फायदा मिलना बाकी है। मीडिया के लोगों के सवालों का जवाब देते हुए, उन्होंने रॉ मटीरियल ट्रांसपोर्टेशन और ऑप्टिमाइजेशन के साथ-साथ निकल-क्रोमियम एलॉयइंग प्रोसेस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नीक का इस्तेमाल इस्पात क्षेत्र में हो रहा है। प्रचालन में सुधार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का लाभ उठाना शीर्षक वाली कार्यशाला कल उत्सव हॉल, इस्पात एक्जीक्यूटिव हॉस्टल, सेल सैटेलाइट टाउनशिप, रांची स्थल पर सेंटर फॉर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी), सेल के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम इस्पात उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) की तेजी से बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित करेगा और यह भी बताएगा कि कैसे ये प्रौद्योगिकियां सेल के परिचालन के भीतर दक्षता, सुरक्षा, गुणवत्ता और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकती हैं। श्री संजय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सीईटी) और उनकी टीम द्वारा परिकल्पित और श्री वर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला में सेल की विभिन्न इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ एक साथ आएंगे।

टीआरआई में जुटे 25 राज्यों के आदिवासी प्रतिनिधि, राष्ट्रीय आदिवासी नीति पर मंथन शुरू

रांची, संवाददाता ।

डॉ.रामदयाल मुंडा शोध संस्थान (टीआरआई) में शुक्रवार से राष्ट्रीय आदिवासी नीति निर्धारण विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत हुई. टीआरआई और आदिवासी समन्वय समिति द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन में देशभर के 25 राज्यों से आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हुए हैं. महाराष्ट्र,राजस्थान,गुजरात मध्य प्रदेश, झारखंड, असम, पश्चिम बंगाल, लद्दाख और अंडमान-निकोबार समेत विभिन्न राज्यों के वक्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की चुनौतियां सामने रखीं. लद्दाख से आए प्रतिनिधि रिकचिंग ने कहा कि लद्दाख में 97 प्रतिशत आबादी आदिवासी है. लेकिन तेजी से पिघलते ग्लेशियर उनके जीवन, संस्कृति और अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं. उन्होंने कहा कि पर्यावरण संकट से निपटने और अपनी भाषा-संस्कृति को बचाने के लिए लद्दाख के आदिवासी लगातार आंदोलन कर रहे हैं. अंडमान-निकोबार के जोची विसेंट ने देशभर के आदिवासी समुदायों से एकजुट होकर समस्याओं पर सामूहिक वार्ता की जरूरत पर जोर दिया. वहीं असम के प्रतिनिधि बिरसा मुंडा ने बताया कि असम की 108 जनजातियों में झारखंड से पलायन कर पहुंचे आदिवासियों को अब भी एसटी दर्जा और भूमि का पट्टा नहीं मिल रहा, जिससे उनके मालिकाना अधिकार प्रभावित हो रहे हैं. राष्ट्रीय आदिवासी सम्मेलन के अध्यक्ष विश्वनाथ तिर्की ने कहा कि संविधान में आदिवासियों को मिले अधिकारों का वास्तविक पालन हो रहा है या नहीं- इस महत्वपूर्ण विषय पर विचार के लिए देशभर के आदिवासी समुदाय के लोग जुटे हैं. उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों के जीवन स्तर को मजबूत बनाने को लेकर कार्यशाला में ठोस रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी.

अनगड़ा थाना क्षेत्र के एक जेवर दुकान खुलते ही गहने से भरा बैग उड़ा ले गए अपराधी, जांच में जुटी पुलिस

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र में एक जेवर दुकान से गहनों से भरा बैग दिनदहाड़े अपराधी उड़ा ले गए. रुचि ज्वेलर्स में हुई इस वारदात में अपराधियों के हाथ लाखों के गहने लगे हैं. वहीं जानकारी मिलने के बाद अनगड़ा पुलिस तफ्तीश में जुट गई है.

दुकान खुलते ही उड़ा दिया गहने से भरा बैग

रांची के अनगड़ा प्रखंड के गोंदलीपोखर स्थित रुचि ज्वेलर्स से बाइक सवार दो अपराधी गहनों से भरा बैग लेकर फरार हो गए. दिनदहाड़े हुई वारदात की वजह से बाजार में सननसी फैल गई. जेवर दुकान के मालिक शेखर सोनी ने बताया कि वे हर दिन की तरह शुक्रवार की सुबह लगभग 10 बजे अपने घर से गहनों से भरा बैग लेकर अपने जेवर दुकान पहुंचे थे. दुकान खोलने के बाद पास में ही गहनों से भरा बैग रख कर पूजा करने लगे. जैसे ही उन्होंने अगरबत्ती दिखाना शुरू किया, तभी दुकान में अचानक एक युवक आया और गहनों से भरा बैग लेकर बाहर भाग गया. एक अपराधी बाइक स्टार्ट कर दुकान के बाहर ही था, देखते ही देखते दोनों बाइक से फरार हो गए. शेखर सोनी ने शोर भी मचाया, लेकिन अपराधी तेजी के साथ फरार हो गए. उन्होंने बताया कि बैग में लाखों के गहने रखे हुए थे.

पुलिस मौके पर पहुंची, जांच में जुटी

मामले की जानकारी मिलने के बाद अनगड़ा पुलिस मौके पर पहुंचकर तहकीकात में जुट गई है. इस संबंध में सिल्ली डीएसपी अनुज ने बताया की वारदात लूट की नहीं है, बल्कि दुकान में रखे गहनों से भरे बैग को अज्ञात अपराधियों के द्वारा ले जाया गया है. अपराधियों की धर-पकड़ के लिए वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई है. दुकान के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है. बैग में कितने मूल्य के गहने थे इसकी जानकारी अभी जेवर दुकान के मालिक के द्वारा नहीं दी गई है.

जेवर दुकान के ऊपर है बैंक, सुरक्षा पर सवाल

जिस मार्केट में रुचि ज्वेलर्स स्थित है उसी में इंडियन ओवरसीज बैंक का भी एक ब्रांच है. सीनियर पुलिस अधिकारियों का यह निर्देश भी है कि बैंक खुलने के समय बैंक के आसपास पुलिस गश्ती होते रहना चाहिए, लेकिन जिस समय जेवर दुकान में अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है, उस समय बैंक के आसपास कोई पुलिसकर्मी या गश्ती दल मौजूद नहीं था. यही वजह रही कि अपराधी दिनदहाड़े जेवर दुकान में पहुंचे और जेवर से भरा बैग लेकर फरार हो गए.

झारखंड में नीड बेस्ड लेक्चरर्स और असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति में मिलेगा वेटेज

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का फैसला

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के पॉलिटेक्निक संस्थानों में नीड बेस्ड लेक्चरर्स के साथ ही विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भी आवश्यकता आधारित असिस्टेंट प्रोफेसर्स की नियुक्ति के दौरान एकल अवसर के रुप में एक्सट्रा वेटेज देने का प्रावधान किया गया है. इसके लिए एक वर्ष के शिक्षण के लिए 01 अंक और अधिकतम 05 अंक का लाभ दिए जाने का प्रावधान किया गया है. उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मुताबिक सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग को अधियाचना भेज दी गई है. यह जानकारी उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से दी गई है. दरअसल, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने इस मसले पर 28 अगस्त 2025 को मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण की सूचना दी थी. उन्होंने मांग की थी कि वर्षों से विभाग में AICTE और UGC के मापदंडों को पूरा करते हुए कार्यरत शिक्षक अपने समायोजन की मांग करते आ रहे हैं. लिहाजा, नियुक्ति प्रक्रिया में उम्र सीमा में छूट और कार्य के प्रतिवर्ष 5 अंक अतिरिक्त अधिमानता यानी वेटेज दिया जाना चाहिए ताकि इनका समायोजन हो सके. उन्होंने कहा था कि सरकार ने नियुक्ति के लिए जो अधियाचना जेपीएससी को भेजी है उसमें इस छूट का कोई जिक्र नहीं है. तब विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा था नीतियों के निर्धारण पर व्यक्तिगत सोच प्रभावी नहीं हो सकती. उन्होंने कहा था कि अधियाचना जरूर भेजी जा चुकी है लेकिन, विज्ञापन से पूर्व सरकार किसी भी नियम को या नीति को परिवर्तित करने की क्षमता रखती है. उसी समय उन्होंने भरोसा दिलाया था कि उनके प्रति वर्ष सेवा के अनुभव की अवधि को वेटेज में परिवर्तित करने की कोशिश की जाएगी.

शीतकालीन सत्र: विधि व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर सदन में होगी विशेष चर्चा, कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में फैसला

रांची, संवाददाता ।

शीतकालीन सत्र के दौरान विधि व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर झारखंड विधानसभा में एक घंटे का विशेष चर्चा होगी. शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद स्पीकर कक्ष में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई, जिसमें सोमवार 8 दिसंबर को सदन की कार्यवाही के दौरान विशेष चर्चा कराने का निर्णय लिया गया. विधानसभाध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इसके लिए एक घंटा अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया गया है. आगामी सोमवार को सदन की कार्यवाही के बाद विधि व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. उन्होंने कहा कि कार्यमंत्रणा की बैठक में विपक्ष के द्वारा सदन में सवालों का जवाब सही मिलने का आग्रह किया गया, जिस पर सरकार के द्वारा समुचित जवाब मिलने का आश्वासन दिया गया. बैठक में विधानसभाध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो के अलावे सदन के नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर आदि मौजूद थे. गौरतलब है कि विपक्ष की ओर से विधि व्यवस्था को लेकर सदन में विशेष चर्चा की लगातार मांग की जा रही थी, जिसपर आखिरकार सत्ता पक्ष ने सहमति जताई तो है मगर इसमें अन्य मुद्दों को भी शामिल कर इसे खास नहीं बल्कि सामान्य बनाने की कोशिश की गई है.

शीतकालीन सत्र को लेकर विपक्ष बनायेगा 7 दिसंबर को रणनीति

शीतकालीन सत्र को लेकर जहां सत्ता पक्ष ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने की तैयारी की है, वहीं विपक्ष 7 दिसंबर यानी रविवार को रणनीति बनाने जा रही है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में रविवार शाम 7 बजे से होने वाली इस बैठक में सरकार को घेरने के लिए रणनीति बनाई जायेगी. इस बैठक में भाजपा के अलावे आजसू और लोजपा विधायक के भी मौजूद रहने की संभावना है. गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा का यह शीतकालीन सत्र 11 दिसंबर तक चलेगा. पहले दिन औपचारिकता पूरी करने के बाद सदन के अंदर दिवंगत नेता एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने के बाद सोमवार तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है.

आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर प्रहार : जेपी पांडेय

रांची, संवाददाता ।

भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता सह झारखंड राज्य आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के भारत में आगमन और राष्ट्रपति भवन और प्रधानंत्री सेवा धाम में हुए स्वागत पर चर्चा के दौरान कहा कि रूस भारत मंत्री का आगाज और प्रौढ़ हुआ है, रक्षा क्षेत्र,स्वास्थ,नई टेक्नोलॉजी, उद्योगों, तेल खरीद, शिक्षा के क्षेत्रों सहित कई क्षेत्रों में रूस के साथ खुला समझौता हुआ है जिससे दुश्मन देशों में हड़कंप मचा हुआ है, भारत का आर्थिक ग्रोथ में वृद्धि होगी, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह समझौता वैश्विक चुनौतियों के साथ मुकाबला करने की क्षमता हमे प्राप्त होगी, भारत के राष्ट्रपति भवन में हो रहे भोजन में सांस्कृतिक स्वरूप से रूस और भारत को संकेत देगा,ट्रंप टेररिफ और तीसरी शक्ति की ओर बढ़ने के लिए तेज गति से आगे कदम बढ़ा दिए है, रूस और भारत की मित्रता मजबूती से कार्य करेगी, साझा दावेदारी के बल पर रूस और भारत आगे बढ़ते रहेंगे।इससे दुनिया में संतुलन कायम रहेंगे। भारत समुद्री मेरिन जहाज का निर्माण संयुक्त रूप से करेंगे, हम मिलकर कैंसर की दवाएं बनाएंगे ,विश्व में निर्यात पर जोर दिया गया, भारत रूस दोनों एक दूसरे के लिए उपयोगी है, आतंकवाद के खिलाफ भारत और रूस दोनों मिलकर सामना करेंगे, भारत आज स्किल्ड क्षेत्र की ओर मजबूती से बढ़ रहा है। रूस और भारत दोनों मिलकर एक दूसरे देश के लिए बाजार खोलेंगे,रक्षा सप्लाई चेन भारत रूस के साथ बना रहेगा,राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भारत के साथ सुरक्षा सहयोग जारी रहेगा,पुतिन ने कहा कि भारत में आपार संभावनाएं है।

शीतकालीन सत्र : सदन में एटीआर पेश, जमशेदपुर में जाम की समस्या पर सरकार ने बताई अपनी योजना

टासरा ओपन कास्ट परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई पूरी

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मॉनसून सत्र के दौरान सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों के अनुपालन में एटीआर पेश किया गया. सरयू राय द्वारा मॉनसून सत्र के दौरान जमशेदपुर और इसके सीमापवर्ती ईलाकों में जाम की समस्या पर सवाल उठाया था. इस पर सरकार ने जवाब दिया है कि मानगो चौक-पायल सिनेमा छोर अंश के दोहरीकरण प्रस्ताव की स्थलीय संभाव्यता निरीक्षण किया गया है. अन्ना चौक से गोविन्दपुर पथ तक 4-लेन एवं पहुंच पथ निर्माण कार्य प्रस्तावित है.

टासरा ओपन कास्ट परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई पूरी

मॉनसून सत्र के दौरान मथुरा महतो और सबिता महतो ने धनबाद के बलियापुर प्रखंड के आसनबनी गांव में हुई घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी. इस पर कहा गया है कि धनबाद जिला के बलियापुर अंचल में सेल की टासरा ओपन कास्ट परियोजना के लिए 41.11 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है. इस जमीन पर विस्थापित परिवारों के लिए पुनर्वासन कॉलोनी बनाई जाएगी.

सरकार ने ये दिया है जवाब

- स्वर्णरेखा नदी पर फोर-लेन ऊपर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच पथ निर्माण कार्य प्रस्तावित है.
- केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, रांची द्वारा संशोधित ड्राइंग तैयार की जा रही है.
- कदमा-शास्त्रीनगर ब्लॉक नं0-4 से नदी किनारे होते हुए ब्लॉक नं0-2 का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य प्रस्तावित है.
- खरकई नदी के किनारे के सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव केन्द्रीय जल आयोग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार स्तर पर प्रक्रियाधीन है.
- गोविंदपुर एवं जेम्को-जोजोबेड़ा पर आरोबी के लिए हेतु alternate alignment में resurvey का कार्य संबंधित रेल प्राधिकार द्वारा पूर्ण कर लिया गया है.
- दोनों आरओबी का क्रियान्वयन एकल इकाई आधार एवं सौ प्रतिशत रेलवे लागत पर रेलवे द्वारा कराया जाएगा.

क्या है फैक्ट फाइल

- जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत की गई है.
- अधिग्रहण की गई जमीन पर एक मात्र संरचना को हटाया गया है, जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित नहीं है.
- संबंधित रैयतों को मुआवजा भुगतान नोटिस जारी किया गया है, लेकिन कुछ रैयतों ने नोटिस लेने से इनकार कर दिया है.
- जमीन का दखल-कब्जा लेने के दौरान कुछ ग्रामीणों और सेल के कर्मियों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है.
- इस मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और दो अन्य ने आत्मसमर्पण कर दिया है.

क्या है अद्यतन स्थिति

- जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई पूरी हो गई है.
- मुआवजा राशि का भुगतान किया जा रहा है.
- पुनर्वासन कॉलोनी के निर्माण का काम जल्द ही शुरू होगा.

लेखिका डॉ रोज केरकेट्टा का झारखंड आंदोलन में था महत्वपूर्ण योगदान : रेणु

रांची, संवाददाता ।

एसडीसी सभागार में शुक्रवार को संवाद द्वारा लेखिका, कवयित्री और साहित्यकार डॉ. रोज केरकेट्टा की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई. सबसे पहले उनकी बेटी वंदना केरकेट्टा ने पुष्प अर्पित एवं नमन किए. डोरंडा कॉलेज की प्रोफेसर आलम आरा ने नागपुरी गीतों के माध्यम से रोज केरकेट्टा के जीवन, संघर्ष और साहित्यिक योगदान को जीवंत कर दिया. कार्यक्रम में डॉ. केरकेट्टा के जीवन पर आधारित आधे घंटे की साक्षात्कार फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसे लोगों ने भावुक होकर देखा.

रोज सिर्फ महिला नहीं, एक युग थीं– प्रो. रेणु दीवान

रांची विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर रेणु दीवान ने कहा कि रोज केरकेट्टा का जन्म 5 दिसम्बर 1040 को सिमडेगा में हुआ था. वे खड़िया समुदाय से थी. रोज केरकेट्टा सिर्फ महिला नहीं, बल्कि एक सशक्त लेखक और साहित्यकार थीं. उन्होंने गरीबी, सामाजिक उत्पीड़न और महिलाओं की पीड़ा को अपनी लेखनी के केंद्र में रखा. उनके साहित्य में आदिवासी समाज, खासकर लड़कियों के संघर्ष और प्रतिरोध की सशक्त आवाज मिलती है. झारखंड आंदोलन में भी उनका योगदान रहा है.

रोज केरकेट्टा स्त्री शिक्षा को हथियार मानती थी- सावित्री बड़ाईक

प्रोफेसर सावित्री बड़ाईक ने कहा कि रोज केरकेट्टा की कहानियां स्त्री संघर्ष, रिश्तों की गहराई और समाज की विसंगतियों को उजागर करती हैं. वे आदिवासी समाज के साथ-साथ सभी समुदाय की महिलाओं के बारे में सोचती थीं. साहित्कार रोज केरकेट्टा शंख और स्वर्णरेखा नदी की तरह थीं. वह लगातार संघर्ष करती गई और आगे बढ़ती गईं. रोज केरकेट्टा स्त्री शिक्षा को हथियार मानती थीं और महिलाओं को हुनर के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती थीं. इस अवसर पर साहित्यकार वंदना केरकेट्टा, मांती कुमारी, पूर्णिमा बिरूली, सुनिता बिरूली, पार्वती देवी, ऐनी टुडु समेत अन्य शामिल थे.

एचईसी को बंद करने की साजिश का विरोध, वामदलों ने उठाए गंभीर सवाल

रांची। केंद्र सरकार एचईसी को योजनाबद्ध तरीके से बंद करने, परिसर को उजाड़ने और 5000 एकड़ से अधिक भूमि को निजी हाथों में सौंपने की साजिश के खिलाफ वामदलों ने कड़ा विरोध जताया है . रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में सीपीआई, सीपीएम और माले के नेताओं ने कहा कि एचईसी को पुनर्जीवित करने की बजाय केंद्र सरकार उसे जानबूझकर बीमार दिखाने की नीति पर काम कर रही है . नेताओं ने आरोप लगाया कि 1200 करोड़ रुपये के रणनीतिक ऑर्डर वर्षों से रोक दिए गए, वर्किंग कैपिटल बंद कर दिया गया और एसबीआई की बैंक गारंटी भी बिना कारण वापस ले ली गई . इसके चलते उत्पादन ठप हो गया और वर्कशॉप–टाउनशिप को धीरे–धीरे उजाड़ने की कार्रवाई जारी है . मजदूर–अधिकारी 28 महीने से बिना वेतन काम कर रहे हैं, बावजूद इसके सरकार चुप्पी साधे हुए है . वामदलों ने कहा कि उद्देश्य स्पष्ट है ल्र्एउ को समाप्त कर उसकी 5000 एकड़ भूमि और अरबों की परिसंपत्तियां निजी कॉरपोरेट के हवाले करना .

बैंक ऑफ बड़ौदा ने की नए 'मास्ट्रस्ट्रोक' अभियान की शुरूआत, सचिन तेंदुलकर हैं एड फिल्म का हिस्सा

चार रिटेल बैंकिंग उत्पादों 'गृह ऋण, कार ऋण, एमएसएमई ऋण और बचत खाता' के प्रमुखता से प्रचार का लक्ष्य

संवाददाता

रांची : भारत के सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर, सचिन तेंदुलकर के साथ अपने नए एडवरटाइजिंग कैंपेन के शुभारंभ की घोषणा की। पिछले वर्ष के 'प्ले दि मास्ट्रस्ट्रोक प्लेटफॉर्म की सफलता के बाद, यह नया अभियान इस बात पर जोर देता है कि जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों-जैसे सपनों का घर या कार खरीदने या अपने व्यवसाय में निवेश करने के दौरान सही वित्तीय विकल्प का चयन कितना जरूरी है। यह अभियान इस संदेश को पुख्ता करता है कि अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सही वित्तीय साझेदार चुनना ही वास्तविक मास्ट्रस्ट्रोक है। बैंक की रिटेलाइजेशन कार्यनीति के अनुरूप, यह अभियान बैंक के चार प्रमुख उत्पादों गृह ऋण, कार ऋण, एमएसएमई ऋण (बॉब डिजी उद्यम के माध्यम से) और बॉब मास्ट्रस्ट्रोक लाइट सेविंग्स अकाउंट पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ग्राहक आधार को बढ़ाना और बाजार में गहरी पैठ बनाना है। चार हल्की-फुल्की लेकिन जुड़ाव वाली बेहतरीन फिल्में, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं, डिजिटल सुलभता और विश्वसनीय समाधानों को ग्राहकों के रोजमर्रा के जीवन अनुभवों से जोड़ती हैं। सही वित्तीय साझेदार सच में बदलाव ला

सकता है, अपनी विश्वसनीयता और सादगी के साथ, सचिन तेंदुलकर इस संदेश को पुख्ता करते हैं।

शैलेन्द्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन प्रबंधन एवं विपणन, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा: 'बैंक ऑफ बड़ौदा का नया मास्ट्रस्ट्रोक अभियान इस विचार को आगे बढ़ाता है कि प्रत्येक व्यक्ति और कारोबार के लिए सही वित्तीय साझेदार की जरूरत होती है और बैंक ऑफ बड़ौदा को इस भरोसेमंद साथी के रूप में चुनना वास्तव में एक मास्ट्रस्ट्रोक है। हमारे ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर उत्कृष्टता और विश्वास के मूल्यों का प्रतीक हैं, जो उन्हें इस अभियान के मुख्य संदेश को आगे बढ़ाने की दृष्टि से आदर्श विकल्प बनाता है।' अभियान की शुरुआत #व्हाटिस योरमास्टरस्ट्रोक टीजर से हुई, जो लॉन्च से पहले ही चर्चा में है, प्रसिद्ध इन्फ्लुएंसर्स जैसे क्रिकेट कमेंटेटर एवं होस्ट जतिन सप्रू और फाउंडर व एडिटर-इन-चीफ, कर्ली टेल्स कामिया जानी इस टीजर का हिस्सा हैं। एक प्रभावी मीडिया कार्यनीति के तहत, पूरे भारत में अभियान की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से टीवी, प्रिंट, सोशल मीडिया, रेडियो, आउटडोर और सिनेमा सहित विभिन्न माध्यमों तथा विविध भाषाओं में अभियान का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली बच्चों ने किया आइआइटी आइएसएम का भ्रमण

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम के शताब्दी समारोह को लेकर कई कार्यक्रम किये जा रहे हैं. सरकारी विद्यालयों के बच्चों को आइएसएम का भ्रमण कराया जा रहा है. गुरुवार को बलियापुर के तीन, बाघमारा के चार एवं धनबाद के एक विद्यालय की छात्राओं ने आइएसएम का भ्रमण किया. बच्चों ने विविध विभागों में जाकर उनके कार्यकलाप को देखा. विज्ञान प्रदर्शनी का लाभ उठाया. ज्ञान विज्ञान प्रांगण में विभिन्न इनोवेशन को देखा, इसमें वैदिक ज्ञान, माइंस का विवरण, ड्रोन, रोबोट, रसायनिक विज्ञान को देखा. म्यूजियम में रॉक्स के विभिन्न प्रकार को देखा. यहां हाथी का सर, कुत्ता का कंकाल एवं पुराने चट्टानों के टुकड़ों का अवलोकन किया. इस दौरान छात्राओं को ओपेन कास्ट ब्लास्टिंग के बारे में बताया गया. वहीं अंडरग्राउंड माइंस की जानकारी दी गयी. यह कार्यक्रम सात दिसंबर तक चलेगा. छात्राओं ने योग कला का प्रदर्शन किया. शुक्रवार को 11 विद्यालय, छह को 13 तथा सात दिसंबर को आठ विद्यालयों के बच्चे संस्थान का भ्रमण करेंगे.

राज्य आइसीटी चैंपियनशिप में जिले के आठ प्रतिभागी हुए शामिल

धनबाद, एजेंसी। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले नौवीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को डिजिटल मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्यस्तरीय आइसीटी चैंपियनशिप झारखंड ई शिक्षा महोत्सव प्रतियोगिता की शुरुआत हुई. गुरुवार से शुरू हुई दो दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से चयनित डिजिटल चैंपियंस भाग ले रहे हैं. गुरुवार को 96 छात्र-छात्राओं ने अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता और नवाचार क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन किया. इसमें धनबाद जिले के आठ प्रतिभागी शामिल थे.

विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया. कठिन से कठिन प्रश्नों का आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया. छात्रों से 18 वस्तुनिष्ठ और 12 व्यावहारिक सवाल पूछे गये. परीक्षा के बाद विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जा रहा है. यह प्रतियोगिता झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रातू में आयोजित की गयी है. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन समेत अन्य पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और शुभकामनाएं दीं.

जिला स्तर पर 18-19 नवंबर को आइसीटी चैंपियनशिप की जिलास्तरीय प्रतियोगिताएं हुई थी. राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से 192 डिजिटल चैंपियंस भाग ले रहे हैं. पहला बैच सुबह 11 बजे 12:30 बजे तक तथा दूसरा बैच दोपहर एक से अपराह्न 2:30 बजे तक आयोजित किया गया. शुक्रवार को भी निर्धारित समयानुसार ही दो बैच की प्रतियोगिता होगी.

धनबाद जिले में ठंड का असर और बढ़ेगा

धनबाद, एजेंसी। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है. ठंडी हवा का असर जिले में दिखेगा. हालांकि शीतलहर का असर नहीं होगा. ठंडी हवा के कारण कनकनी बढ़ेगी. इधर गुरुवार को जिले में सुबह से ही मौसम साफ रहा है. धूप का असर दिखा, इसके बाद भी दोपहर तक लोग गर्म कपड़ों में दिखे. शाम होने के साथ ही तापमान में गिरावट शुरू हो गयी. आज अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया.

इधर रात होने के साथ ही पारा में गिरावट का दौर शुरू हो गया है. रात आठ बजे से ही दुकानें बंद होने का सिलसिला शुरू हो गया. 9.30 बजे के बाद अधिकांश दुकानें बंद हो जाने से बाजारों में सन्नाटा सा छा जाता है.

ठंड से बचने के लिए लोग अब अलाव का सहारा लेने लगे हैं. शाम सात बजे के बाद से ही जगह-जगह पर लोग खुद से व्यवस्था कर अलाव जला रहे हैं. जिले में अभी तक नगर निगम की ओर से अलाव की व्यवस्था नहीं की गयी है.

साइबर ठगी के मॉड्यूल और नेटवर्क को तोड़ने की बनी रणनीति

देवघर, एजेंसी। एसपी सौरभ गुरुवार दोपहर करीब 12.00 बजे साइबर थाना पहुंचे और करीब चार घंटे तक विभिन्न साइबर मामलों की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने चल रहे केसों की प्रगति, ठगी के बढ़ते मॉड्यूल और आरोपितों के नेटवर्क को समझते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली. समीक्षा के दौरान एसपी ने साइबर अपराध को रोकने के लिए प्रभावी रणनीतियों पर जोर दिया और कहा कि जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चल रही कार्रवाई को और सुदृढ़ किया जायेगा. एसपी ने विभिन्न केस फाइलें खंगालीं और यह जाना कि साइबर ठगी के पीछे किस तरह संगठित गिरोह सक्रिय है. उन्होंने अनुसंधान की समय सीमा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि आरोपितों के खिलाफ ठोस साक्ष्य के आधार पर कोर्ट से सजा सुनिश्चित की जा सके. साथ ही आरोपितों द्वारा अर्जित अवैध संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया पर भी विस्तार से समीक्षा की गयी. एसपी ने यह भी पूछा कि कौन से केस में किन-किन अधिकारियों को डिलीय किया गया है और आगे किस दिशा में कार्रवाई की जानी है.

मौसम विभाग ने शीतलहर का अलर्ट किया जारी

रांची, एजेंसी। दितवाह चक्रवात का प्रकोप खत्म हो गया है। इसके बाद झारखंड से बादल छंट गये हैं। मौसम पूरी तरह साफ हो चुका है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के अनुसार, अगले चार दिनों तक न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी आयेगी। इसका मतलब है कि झारखंड में बुधवार से ठंड बढ़ सकती है। सुबह में कोहरा के साथ शीतलहरी चल सकती है। उत्तर भारत में बर्फबारी के कारण इसका असर झारखंड पर भी पड़ने की संभावना विभाग की ओर से व्यक्त की गई है। पुन : सात दिसंबर से आसमान में बादल छाये रहने की संभावना है। इससे न्यूनतम तापमान में दिन में थोड़ी वृद्धि रिकॉर्ड की जा सकती है। इस बीच मंगलवार को राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हुई। खूंटी में एक मिमी बारिश दर्ज की गयी है। राज्य में सबसे कम खूंटी में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, रांची का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 1.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि रही, जबकि न्यूनतम तापमान में पिछले 24 घंटे में 0.7 डिग्री सेल्सियस की कमी आयी है। इसके और घटने की उम्मीद है। वहीं, मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मेदिनीनगर में जहां पिछले 24 घंटे में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। वहीं, बोकारो में 1.5 डिग्री सेल्सियस व चाईबासा में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 29.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इधर, कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि धान की फसल यदि परिपक्व हो गयी है, तो कटाई शुरू करें। खरीफ फसलों की कटाई होने पर गेहूं की खेती के लिए खेत तैयार कर लें।

7 दिसंबर से शुरू हो रहा झारखंड विधानसभा सत्र में मजबूती से उठेगी सरना समाज की आवाजः बाबूलाल मरांडी

लोहरदगा, एजेंसी। शहरी क्षेत्र के एमजी रोड स्थित सरना स्थल पर पूजा-अर्चना का आयोजन बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव की अध्यक्षता में किया गया। पाहन फुलकेश्वर उरांव द्वारा विधिवत रूप से पूजा कराई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मौजूद रहे। मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 7 दिसंबर 2025 से विधानसभा सत्र प्रारंभ हो रहा है। आपकी ओर से मिले आवेदन और समस्याओं को मैं सदन में मजबूती से उठाऊंगा। सरना समाज, मूलवासी-आदिवासी समुदाय के सरोकारों को सदन के पटल पर रखने का मेरा दायित्व है। उन्होंने एनआरसी को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर भी बात की। मरांडी ने कहा कि एनआरसी से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह केवल मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया है। जिस तरह शादी के बाद बेटी का नाम नए घर की वोटर लिस्ट में जुड़ना चाहिए और पुराने से हटना चाहिए, उसी तरह बाहर से आए घुसपैठियों, बांग्लादेशी,

रोहिंग्या जैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आपका परिचय ही आपका बीएलओ है। सही जानकारी दें कि कौन स्थानीय है और कौन बाहरी, ताकि मतदाता सूची का सही सत्यापन हो सके। पूजा और सभा में सोमदेव उरांव, जलेश्वर उरांव, भारत साहू, बंदे उरांव, फुलदेव उरांव, सिकंदर उरांव, मंगल दास उरांव, सुरेंद्र उरांव, आकाश उरांव समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे। महिला प्रतिभागियों में जयंती उरांव, सुलेखा उरांव, शिवानी उरांव, कांति उरांव, नीलम उरांव, सुमति उरांव सहित कई लोग शामिल हुए।

भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि समाज को लैंड जिहाद, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसे मुद्दों से सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों का सामाजिक स्तर पर जवाब देना होगा। कार्यक्रम पूजा-अर्चना, सामाजिक संदेश और संगठनात्मक चर्चा के साथ सम्पन्न हुआ।

कोलकर्मियों के साथ स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता : सीएमडी

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल अपने सेंट्रल अस्पताल को कॉरपोरेट अस्पतालों की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है. कंपनी प्रबंधन ने अस्पताल में अधोसंरचना उन्नयन और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है. इसी कड़ी में अस्पताल परिसर में करीब 16 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से नया ओपीडी भवन बनाने की योजना को जमीन पर उतारा जा रहा है. इसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है. नये ओपीडी के अलावा चिकित्सा सुविधाओं का व्यापक नवीनीकरण भी चल रहा है. साथ ही चिकित्सा सेवाओं के उन्नयन के लिए बीसीसीएल प्रबंधन कॉरपोरेट अस्पतालों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहा है. इस संबंध में फोर्टिस व मेडिका जैसे प्रतिष्ठित अस्पताल समूहों से बातचीत जारी है, ताकि सेंट्रल अस्पताल को उच्चस्तरीय संसाधनों, तकनीक और प्रबंधन का लाभ मिल सके. मामले में बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल ने बताया कि कोलकर्मियों के साथ स्थानीय लोगों को बेहतर और किफायती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. सेंट्रल अस्पताल को कॉरपोरेट स्तर पर विकसित करने के दिशा हमारा प्रयासरत जारी है. सेंट्रल अस्पताल को पुनः उसकी पुरानी पहचान और प्रतिष्ठा दिलाने के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं. उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए कॉरपोरेट अस्पतालों के साथ सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी जा रहे है. बता दें कि एक समय धनबाद का प्रमुख चिकित्सा केंद्र माना जाने वाला बीसीसीएल का सेंट्रल अस्पताल अब मुख्यतः रेफरल अस्पताल के रूप में सीमित हो गया है. मगर प्रबंधन की नई पहल से अस्पताल में आधुनिक ढांचागत विकास, विशेषज्ञ सेवाओं का विस्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं का समावेश होने की संभावना है. इसके साथ ही अस्पताल को फिर से क्षेत्र का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र बनाने की दिशा में उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गयी हैं.

डॉक्टर्स व स्टाफ की कमी भी होगी दूर: बीसीसीएल प्रबंधन के मुताबिक अस्पताल में डॉक्टर व पारा मेडिकल स्टाफ की कमी दूर करने के दिशा में भी कंपनी तेजी से काम कर रही है. इसके अलावा अस्पताल में कर्मचारियों एवं मरीजों के परिजनों के लिए एक आधुनिक विश्राम गृह का निर्माण किया जा रहा है. वहीं अगस्त 2025 में 16-बिस्तरों वाला नया सर्जिकल आईसीयू वार्ड भी शुरू किया गया, जिससे गंभीर मरीजों के उपचार की क्षमता में वृद्धि हुई है. बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप अस्पताल को आइएसओ प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है. साथ ही, डीएनबी सीटों में बढ़ोतरी के साथ अस्पताल को चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में प्रगति जारी है.

अमन साहू गिरोह का लेवी ट्रांसफर करने वाला गिरफ्तार

लातेहार, एजेंसी। लातेहार पुलिस ने अमन साहू और राहुल सिंह गिरोह की आर्थिक आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। बालूमाथ थाना कांड संख्या 12/2025 के तहत पुलिस ने गिरोह के लिए लेवी का पैसा जमा करने और ट्रांसफर करने वाले एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रांची के लोअर बाजार स्थित आजाद नगर निवासी शाहिद अंसारी के रूप में हुई है। बालूमाथ इंस्पेक्टर परमानंद बिरुआ ने इस गिरफ्तारी की जानकारी दी। इंस्पेक्टर बिरुआ ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को गिरोह के पैसे के लेनदेन और सदस्यों के बीच संपर्क के सबूत मिले। नवंबर 2024 से अब तक लगभग 50 लाख रुपए नगद और ऑनलाइन माध्यम से गिरोह के लिए जमा या ट्रांसफर किए गए थे। इस पूरे लेन-देन में शाहिद अंसारी की अहम भूमिका थी। उन्होंने यह भी बताया कि गिरफ्तार शाहिद अंसारी मधुपुर जेल में बंद आकाश राय उर्फ मोनू का साढ़ू है। वह कई वर्षों से गिरोह की आर्थिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

लातेहार में रोड एक्सीडेंट, दो की मौतःबाइक और स्कूटी अनियंत्रित होने से हुआ हादसा

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार रात दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर किया गया है। पहली घटना बारियातु-फुलसु मार्ग पर लादू ग्राम के पास सहेदा मोड़ के पास हुई। फुलसु बाजार से अपने घर होकर गांव लौट रहे नरेश गंझू (40) और बिगन गंझू (35) की बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

बिगन गंझू रांची स्थित रिम्स रेफर- स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टर ने नरेश गंझू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बिगन गंझू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।

इंटर का छात्र था सुरेंद्र- वहीं, दूसरी घटना बालूमाथ-लातेहार मार्ग पर पकरी ग्राम के पास हुई, जहां एक स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई। इस दुर्घटना में धौरा टोला, बालू पंचायत निवासी सुरेंद्र भगत (18) की मौत हो गई। सुरेंद्र उच्च विद्यालय, बालू में इंटर का छात्र था।

मेला देख स्कूटी से अपने घर लौट रहा था- जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र भगत बालूमाथ से मेला देखकर स्कूटी से अपने घर लौट रहा था। कोयरांड़ के पास उसकी स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अतिक्रमण को लेकर देवघर निगम सख्त, बुलडोजरों से तोड़ी जा रही है दुकानें

देवघर, एजेंसी। जिला में नगर निगम क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है. इसी को लेकर इन दिनों नगर निगम क्षेत्र के भीड़ वाले इलाकों में किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए अधिकारियों का डंडा प्रतिदिन चल रहा है. अधिकारी अपनी निगरानी में पुलिस की टीम के साथ सड़क पर अतिक्रमित किए गए दुकानों को बुलडोजर के माध्यम से तोड़वा रहे हैं. इसी को लेकर मंगलवार को सत्संग चौक, बुधवार को वीआईपी चौक और गुरुवार को वीर कुंवर सिंह चौक सहित विभिन्न चौक चौराहों पर बुलडोजरों के माध्यम से सड़क किनारे अतिक्रमण किए गए दुकानों को तोड़ा गया.

अतिक्रमण अभियान को लेकर निगम के पदाधिकारी सतीश कुमार दास ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारी पहले माइकिंग के माध्यम से पूरे क्षेत्र में लोगों को जानकारी देते हैं और फिर उसके बाद ही तोड़ने की कार्रवाई करते हैं. वहीं निगम की हो रही कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला. वहीं कई लोगों ने अतिक्रमण को बड़ी समस्या बताते हुए इस कार्रवाई को बेहतर बताया. स्थानीय लोगों ने कहा कि सत्संग चौक, रिखिया आश्रम, बाबा धाम यह सब देवघर के धार्मिक स्थान है. यहां पर पूरे देश से लोग दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं. ऐसे में सड़क पर पसरी अव्यवस्था देवघर ही नहीं पूरे राज्य की छवि को देश के लोगों के सामने धूमिल करता है. इसीलिए इस तरह की कार्रवाई बेहद ही जरूरी है.

नगर निगम के अधिकारियों की तरफ से बताया गया कि आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह की सख्त अभियान चलाए जाएंगे और जहां भी सड़क किनारे अतिक्रमण देखा जाएगा उस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी. वहीं कार्रवाई के साथ-साथ आर्थिक दंड भी दिया जा रहा है. पिछले कुछ दिनों में करीब एक लाख रुपए की वसूली अतिक्रमण करने वाले लोगों से की गई है. वहीं लगातार चल रहे अभियान का असर भी देखने को मिल रहा है. शहर के कई मुख्य चौक चौराहे पर अतिक्रमण करने वाले परहेज करते दिख रहे हैं.

बता दें कि देवघर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में बाहर के जिलों और राज्यों से श्रद्धालु पहुंचते हैं. ऐसे में स्थानीय लोगों का अतिक्रमण कहीं ना कहीं ट्रैफिक व्यवस्था को सीधे बाधित करती है और आम लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है. अब देखने वाली बात होगी कि नगर निगम द्वारा चलाई जा रही।

मुरहू पुलिस की तत्परता से अपहृत सामुएल सोय की बची जान

खूंटी, एजेंसी। जिला की मुरहू पुलिस की तत्परता से एक अपहृत शख्स की जान बच गई. पुलिस ने फिरौती के लिए अपहृत सामुएल सोय को जुरदाग जंगल के समीप एक घर से बरामद कर लिया है. साथ ही लापुंग थाना क्षेत्र के गाराई निवासी अजय होरो और कर्रा थाना क्षेत्र के जुरदाग के मंगल तिड़ू नामक अपहरणकर्ता को जंगल से खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया है. मुरहू के थाना प्रभारी गोडविन केरकेट्टा ने बताया कि अपहरण की मौखिक सूचना मिलते ही पुलिस ने टेक्निकल टीम के सपोर्ट से अपहरणकर्ताओं के मोबाइल को ट्रेस करना शुरू कर दिया और समय रहते अपहृत को बचा लिया गया.

इस संबंध में अपहृत सामुएल सोय की पत्नी मंजू गुड़िया ने पति के लापता होने की सूचना मुरहू थाना में दी थी. सूचना के बाद मुरहू पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे सकुशल बरामद कर लिया. सामुएल सोय 29 नवंबर को खूंटी जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा. जांच के दौरान ग्रामीणों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों से पता चला कि कुछ अज्ञात अपराधी सामुएल सोय का अपहरण कर 7 लाख रुपये फिरौती की मांग कर रहे हैं. रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी.

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया. तकनीकी साक्ष्य के आधार पर 3 दिसंबर को जुरदाग जंगल में सशस्त्र बलों की सहायता से दो संदिग्धों को दौड़ाकर पकड़ लिया गया. उनके पास से दो मोबाइल फोन, एक धारदार चाकू और सामुएल सोय की मोटरसाइकिल बरामद की गई. आरोपियों की निशानदेही पर समुवेल सोय को एक घर से सकुशल मुक्त कराया गया. इस संबंध में मुरहू थाना कांड संख्या-68/25 मामला दर्ज किया गया है.

जांच के दौरान पता चला कि सामुएल सोय दवा सप्लाई का काम करता है. मंगल तिड़ू पर उधारी चुकाने का दबाव था. लिहाजा उसने अपने पहचान वाले सामुएल को टारगेट कर दवा लेने के लिए बुलाया और जंगल में ले जाकर पिटाई के बाद बांध दिया. उसका ठिकाना बदला जाता था. इसी दौरान उसकी पत्नी से फिरौती की मांग की गई लेकिन पुलिस ने समय रहते पूरे कांड का उद्भेदन कर दिया. इस छापेमारी दल में डीएसपी वरुण रजक, इंस्पेक्टर किशुन दास, मुरहू थाना प्रभारी नायल गोडविन केरकेट्टा, पुअनि कंचन कुमार कुशवाहा समेत सशस्त्र बल शामिल रहे.

जेंडर अभियान 4.0 के तहत विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता कार्यक्रम, प्रतिभागियों ने लिया समानता का संकल्प

रामगढ़, संवाददाता

ग्रामीण विकास विभाग के निदेर्शानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) द्वारा संचालित जेंडर अभियान 4.0 के तहत रामगढ़ जिले के विभिन्न प्रखंडों में समूह, ग्राम संगठन एवं क्लस्टर स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में जेंडर समानता, महिलाओं के अधिकार, बालिका शिक्षा, घरेलू हिंसा की रोकथाम, समाज में महिलाओं की नेतृत्व भूमिका, और लैंगिक भेदभाव समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को खेल, समूह चर्चा, पोस्टर संदेश, प्रश्नोत्तर और संवाद सत्रों के माध्यम से जेंडर संवेदनशीलता की ओर प्रेरित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को समानता, सम्मान और सहयोग के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शपथ दिलाई गई। महिलाओं ने इस अभियान को आत्मविश्वास बढ़ाने, अपने अधिकारों की पहचान और सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाला कदम बताया। अभियान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि जेंडर अभियान 4.0 का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाकर महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और निर्णयझक्षमता की भूमिका में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में महिला समूह की बड़ी संख्या में दीदियाँ, जेंडर सीआरपी, बैंक सखी, सामुदायिक प्रतिनिधि और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सभी ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया।

कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में हुआ बैठक का आयोजन

योजनाओं का करें व्यापक प्रचार प्रसार, पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को योजनाओं का लाभ देकर करें आच्छादित।

रामगढ़, संवाददाता

कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त श्री फैज अक अहमद मुमताज के निदेर्शानुसार उप विकास आयुक्त श्री आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित ब्लॉक बी के सभाकक्ष में बैठक आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रभारी परियोजना उपनिदेशक आत्मा श्री दिनेश कुमार रजवार से ली गई वहीं वर्ष 2025 - 26 में संचालित योजनाओं सहित अन्य फसलों के आच्छादन के तहत प्रखंडवार अब तक हो रहे कार्यों की समीक्षा कर उप विकास आयुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न योजनाओं में प्राप्ति करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त के द्वारा कृषि योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में संबंधित अधिकारियों को योजना पर विशेष ध्यान देते हुए अभियान मोड में योग्य लाभुकों को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। पीएम कुसुम योजना की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त को जानकारी दी गई कि वर्तमान में 2509 आवेदन प्रखंड द्वारा सत्यापित होकर जिला को प्राप्त हुए हैं जिस पर उप विकास आयुक्त में जिला स्तरीय समिति की बैठक कर योजना का लाभ लाभुकों को देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया। जिला मत्स्य कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने मत्स्य विभाग से संबंधित योजनाओं एवं उनके प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। मौके पर उन्होंने योजनाओं के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को लाभ पहुंचाने, योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला सहकारिता कार्यालय की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री मनोज कुमार से उनके विभाग द्वारा जिले में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

मौके पर गोदाम निर्माण के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने नियमित रूप से अंचल अधिकारियों से पत्राचार कर कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया साथी उन्होंने 15 दिनों में इस संबंध में हुए कार्यप्रगति से उप विकास आयुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने धान अधिप्राप्ति सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला पशुपालन कार्यालय के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी जिला पशुपालन पदाधिकारी से ली। मौके पर उन्होंने चयनित लाभुकों का खाता बैंक में खोलने का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025 26 में योजनाओं के लक्ष्य के विरुद्ध बचे हुए लाभुकों का चयन जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया। साथ ही उप विकास आयुक्त में पशुपालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाभुकों को की सूची तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने उद्यान सहित अन्य कृषि संबद्ध विभागों द्वारा विगत वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में किए गए कार्यों एवं लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति सुनिश्चित करने को लेकर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

तेनुघाट में बालिकाओं के लिए साइबर क्राइम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

तेनुघाट (बोकारो) : शुक्रवार को क्रिया के सहयोग से इब्तिदा झारखंड के सदस्य रूपायनी बोकारो द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में साइबर क्राइम के विरुद्ध जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन रूपायनी संस्था की कार्यक्रम प्रभारी अमृतांजलि ने किया। कार्यशाला में छात्राओं को साइबर क्राइम के विभिन्न प्रकारों और उनकी पहचान करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव के लिए हेल्पलाइन नंबर भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में तेनुघाट मुखिया नीलम श्रीवास्तव ने भी उपस्थित रहकर छात्राओं को सुरक्षित और सूझ-बूझ के साथ तकनीकी उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दी। कार्यशाला का समापन रूपायनी संस्था के सचिव सी. ए. कुमार द्वारा अतिथियों और सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करके किया गया। कार्यक्रम ने छात्राओं में डिजिटल सुरक्षा और साइबर जागरुकता के प्रति सकारात्मक संदेश देने का काम किया।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक

सभी कल्याणकारी योजनाओं में प्रगति लाने हेतु दिए आवश्यक दिशा निर्देश

धनबाद, संवाददाता

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप की अध्यक्षता में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सभी महिला पर्यवेक्षिका, प्रखण्ड समन्वयक, पोषण अभियान, बाघमारा के साथ विभागीय योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पोषण ट्रैकर ऐप में लाभुकों को FRS से आच्छादित किए जाने की अद्यतन स्थिति, Supportive Supervision एवं डैशबोर्ड इन्ट्री से संबंधित स्थिति, APPAR एवं ABHA ID से संबंधित प्रतिवेदन, आँगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण, आधारभूत संरचना, मरम्मति, पेयजल, बिजली से संबंधित प्रतिवेदन, Sanitation, Drinking Water, Rain Water Harvesting & Poshan Vatika से संबंधित प्रतिवेदन, आंगनबाड़ी केन्द्र के Latitude & Longitude से संबंधित प्रतिवेदन, उइए गतिविधियों से संबंधित प्रतिवेदन, आंगनबाड़ी केन्द्र का विद्यालय-सह-स्थापन (Co-location) से संबंधित प्रतिवेदन की स्थिति, सक्षम आंगनबाड़ी से संबंधित प्रतिवेदन की स्थिति, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से संबंधित स्थिति, सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के संबंध में प्रगति प्रतिवेदन, आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से संबंधित प्रतिवेदन, पालना संचालन हेतु सर्वे, भवन चिन्हित करने से संबंधित अद्यतन स्थिति, सेविका / सहायिका एवं पोषण सखी के रिक्ती से संबंधित प्रतिवेदन, SAMAR/CMAM से संबंधित सूचीकरण एवं पंजीकरण से संबंधित प्रतिवेदन, सेविका/ सहायिका एवं पोषण सखी मानदेय एवं पोषाहार अभिश्रव से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने सभी संबंधित को योजनाओं में प्रगति लाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन करने और समस्याओं को दूर करने के भी निर्देश दिए।

चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ राजेश कुमार मिश्रा ने की प्रेस वार्ता

धनबाद, संवाददाता

राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के ईसीएल मुगमा एरिया के बैनर तले क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा उर्फ बिट्टू मिश्रा ने प्रेसवार्ता कर चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ फिर एक बार आवाज उठाया है। प्रेस वार्ता के दौरान राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि चिरकुंडा नगर परिषद में अधिकारी भ्रष्टाचार में पूरी तरह से हावी है। जबसे नगर परिषद की बोर्ड भंग हुई है तब से यहां अधिक अधिकारी अपने मनमानी ढंग से कार्यालय को चला रहे है। और योजनाओं में लूट खसोट कर रही है ऐसे कई योजना नगर परिषद के द्वारा पारित किया गया है जो काम अबतक धरातल पर हुआ ही नहीं और जो हुआ है वह सही ढंग से नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इसको लेकर हमने कई बार आरटीआई किया लेकिन अब तक मुझे आरटीआई का कोई जवाब नहीं दिया गया है । इससे यह साबित होता है कि नगर परिषद लूट का अड्डा बन गया है । चिरकुंडा नगर परिषद द्वारा बीते वर्ष चिरकुंडा सहित चौक पर शहीदों के नाम पर सौंदर्य करण किया गया लेकिन आज तक शहीदों का कोई छत नहीं मिला । वहां भी भ्रष्टाचार झलक रही है साथ ही हमारे संविधान के रचयिता बाबा भीमराव अंबेडकर का प्रतिमा चिरकुंडा नगर परिषद द्वारा खुले छत के नीचे एक कोना में स्थापित कर दिया गया है जो कहीं ना कहीं बाबा साहेब का अपमान हो रहा है इन सभी योजनाओं में पूरी तरह से बंदर बाट हुई है ।योजना का काम सही से नहीं हो पाया इसके साथ ही नेहरू रोड में और चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय के समीप करोड़ो रुपए के राशि से सौन्द्रीयकर्ण का कार्य हुआ आज कुछ ही साल में सभी योजना खंडहर बन गया है। साथ ही ऐसे कई कार्य हुए जो बिना शिलापट्ट के कर दिया गया। इसके पारदर्शिता होनी चाहिए साथ ही ऐसे कई योजनाओं में गड़बड़ी के खिलाफ बिट्टू मिश्रा ने प्रेस वार्ता के दौरान कही।

निगम कर्मियों को दुर्घटना बीमा व सम्मान दिलाने की लड़ाई लड़ेंगी प्रथम महापौर अरुणा शंकर

पलामू, संवाददाता

नगर निगम के कर्मियों को 'योद्धा' बताते हुए प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने उनके लिए दुर्घटना बीमा और बेहतर सुविधाओं की मांग की है। महापौर गुरुवार को डॉ. राजेंद्र प्रसाद चौक स्थित निगम कर्मी कार्यालय पहुंचीं, जहां उन्होंने हाल ही में पिंक सिटी बस चालक संतोष कुमार को हुए सड़क हादसे पर चिंता जताई। इस हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। महापौर ने घायल चालक के परिजनों को इलाज हेतु 11,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए कहा कि निगम कर्मियों का दुर्घटना बीमा अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि किसी विपत्ति के समय उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने बढ़ती ठंड का जिक्र करते हुए कहा कि निगम द्वारा अब तक जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कार्य शुरू हो जाना चाहिए था।

साथ ही नगर निगम कर्मियों के लिए स्वेटर की व्यवस्था भी शीघ्र की जानी चाहिए, ताकि ठंड के कारण उनके कार्य में बाधा न आए। प्रथम महापौर ने बताया कि कई निगम कर्मी 20-25 वर्षों से दैनिक मजदूरी पर कार्यरत हैं और अब सेवानिवृत्ति के निकट पहुंच चुके हैं, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि सूचना के अधिकार (RTI) के तहत उन्होंने 10 वर्ष से अधिक समय से दैनिक वेतन भोगी कर्मियों की सूची मांगी है और उनकी स्थायीकरण की लड़ाई वह पूरी मजबूती से लड़ेंगी। महापौर ने कहा, 'ये सिर्फ कर्मी नहीं, निगम के योद्धा हैं। कोरोना काल में इन्होंने अग्रिम पंक्ति में रहकर अपना कर्तव्य निभाया, इनका सम्मान होना चाहिए। इस दौरान निगम कर्मी संघ के अध्यक्ष विष्णु जी, अंकित जी, छोटे लाल जी सहित बड़ी संख्या में निगम कर्मी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर एसडीएम ने किया बैठक, दिए कई निर्देश

पलामू, संवाददाता

सड़क सुरक्षा को लेकर हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक की गई। जिसमें सभी थाना प्रभारी, बीडीओ एवं सीओ की उपस्थिति रहे। एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यातायात व्यवस्था को मजबूत करते हुए नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट बाइक चलाना, ओवरलोडिंग, तेज गति से वाहन चलाने सहित अन्य उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि सड़क सुरक्षा मानकों का सख्ती से अनुपालन हो, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चिन्हांकन कर आवश्यक सुधार किए जाएं। एसडीओ ने अधिकारियों से हर हाल में सुरक्षित और सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

एग्री किल्निक सेंटर परिसर में विश्व मृदा दिवस सह गोष्ठी का आयोजन

पलामू, संवाददाता

शुक्रवार को हुसैनाबाद प्रखंड परिसर स्थित एग्री क्लिनिक सेंटर में विश्व मृदा दिवस सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड कृषि पदाधिकारी यशवन्त कुमार, हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष सह किसान मित्र के प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा बैठा बीटीएम जयगोविंद यादव मिट्टी जांच विशेषज्ञ विकाश किसान मित्र संघ के उपाध्यक्ष लवकुमार सिंह,सचिव नागेंद्र सिंह, संगठन सचिव सुदर्शन सिंह, कार्यकारणी सदस्य सुजीत कुमार मेहता, सम्मानित किसान मित्र जनेश्वर बैठा, राजीव कुमार सिंह, अमरजीत कुमार, जितेंद्र यादव, एवं किसान प्रसाद यादव, अभय सिंह, महावीर रजवार, विकाश सिंह, कमला देवी, पूजा देवी, लालती देवी, वहीं कार्यक्रम का संचालन सिंगल विंडो प्रभारी चौबे ने किया । कार्यक्रम में मृदा दिवस के अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी, हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष, बीटीएम, के द्वारा मृदा को बचाने एवं स्वस्थ रखने पर विस्तार से किसानों एवं किसान मित्रों को बताया गया ।सभी को अपने अपने खेत की मिटी जांच कराकर खेती करने का सुझाव दिया गया और रासायनिक खाद को कम से कम और जैविक खाद को अधिक इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया। क्योंकि रासायनिक खाद की अंधाधुंध छिड़काव से खेत बंजर होते जा रहा है और प्रदूषित खाद्य पदार्थ एवं अनाज जन जीवन में अनेक प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं। जिसे आम आवाम और मृदा को काफी नुकसान हो रहा हैं।

मरीजो को मिलेगी बेहतर इलाज : डॉ केपी साही

बोकारो, संवाददाता

सीसीएल बीएंडके प्रबंधन के द्वारा रीजनल अस्पताल करगली के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर के पी साही को उनके कार्य क्षमता को देखते हुए बनाया गया। जिस खुशी मे कोल फील्ड मजदूर यूनियन के सदस्यो द्वारा डॉक्टर के पी साही को उनके कार्यालय मे पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर यूनिपन के शक्ति मंडल और नागेंद्र कुमार गुप्ता ने डाक्टर के पी साही के कार्यों का सराहना करते हुए कहा कि सहज सरलता,मृदु भाषी के साथ साथ अनुशासन के दायरे मे खुद रहते हुए अस्पताल मे कार्यरत सभी डॉक्टर, स्टाफगण को अपने अनुकूल वातावरण मे तैयार कर मरीजो के इलाज बेहतर सुविघा देगे. मौके पर सुधीर दूबे, शैलेंद्र प्रसाद आदि मुख्य रूप से शामिल थे.

बीएसएल-ईएसएएफ साझेदारी से हस्तशिल्प प्रशिक्षित महिलाओं को मिलेगा नया आजीविका अवसर

बोकारो, संवाददाता

हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण में बीएसएल के सीएसआर के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी बोकारो स्टील प्लांट के परिधीय गाँवों की महिलाओं को आय और आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सेल-बीएसएल के सीएसआर विभाग एवं ईएसएएफ फाउंडेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (सीएसआर) पी.पी. चक्रवर्ती, सहायक महाप्रबंधक (सीएसआर) ऋचा कुणाल, सहायक प्रबंधक (सीएसआर) प्रवीण कुमार तथा ईएसएएफ फाउंडेशन की ओर से मुख्य प्रबंधक जोएल वर्गीस चेरियन, सलाहकार अजीथसेन सेलवदास, परियोजना अधिकारी गुलाम मोहिउद्दीन सहित बीएसएल-सीएसआर विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह एमओए दिसंबर 2022 में हस्ताक्षरित पहले समझौते का विस्तार है, जिसके तहत स्थानीय महिलाओं को बांस, जूट और जलकुंभी से हस्तशिल्प निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया था। नए एमओए के अंतर्गत आजीविका संवर्धन, ब्रांडिंग और विपणन के माध्यम से आय सृजन पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस पहल के तहत युक्ता ब्रांड के हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा तथा अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी इनकी मार्केटिंग की जाएगी। इससे न केवल उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पहचान मिलेगी, बल्कि परिधीय गाँवों की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को भी नया आयाम प्राप्त होगा।

डीपीएस बोकारो के स्टार कॉन्टेस्ट में बच्चों ने दिखाया हुनर और कला कौशल

बोकारो, संवाददाता

डीपीएस बोकारो की सीनियर इकाई में विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से स्टार कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। इसका फाइनल राउंड शुक्रवार को संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों ने गायन, वादन, नृत्य और दृश्य-कला में शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बैंड कैटेगरी में आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता से हुई, जिसमें की-बोर्ड, गिटार, क्लैप बॉक्स सहित अन्य वाद्य यंत्रों पर प्रतिभागियों ने ऊर्जा और तालमेल के साथ प्रस्तुति दी। अर्का राज एवं टीम को प्रथम स्थान, विराज झा एवं टीम को दूसरा और रुद्रांग्सु रॉय की टीम को तीसरा स्थान मिला। एकल गायन में यू. चारुकेशी प्रथम, वैष्णवी प्रिया द्वितीय और अवनी अनन्या पांडेय तृतीय स्थान पर रहीं। नृत्य प्रतियोगिता में वर्तिका दुबे प्रथम, प्राप्ति मिश्रा द्वितीय और रिमिक बी., शान्वी श्रेया संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। दृश्य-कला प्रतियोगिता में छात्रों ने फूल, कागज और लकड़ी से आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभा के साथ लगन और जुनून जरूरी है।

बिहार में 150 जगह बुलडोजर एक्शन–पीड़ितों का दर्द

यहां पंजाब से भी खराब हालात, गरीबों की दुकानें तोड़ी जा रही; माफिया पर एक्शन नहीं

पटना। अपराधी तो गरीब आदमी है, दुकानदार है, जो रोड पर कमा रहा है। बुलडोजर सच में अपराधियों पर चलता तो अच्छा होता, लेकिन चल गरीबों पर रहा है। कितने बाहुबली के घर पर बुलडोजर चला है बताइए न? पटना के बोरिंग रोड चौराहे पर चाट की दुकान चलाने वाले जितेंद्र कुमार इतना कहकर चुप हो जाते हैं। चारों ओर नजर दौड़ाते हैं। फिर कहते हैं, हर वक्त डर लगा रहता है कि कोई दुकान तोड़ने तो नहीं आ रहा। यह हालत सिर्फ जितेंद्र की नहीं। बिहार के हजारों स्ट्रीट वेंडर्स की है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान उनकी दुकानों पर बुलडोजर चल रहे हैं। 10 दिन में 9 जिलों में 150 जगह बुलडोजर चले हैं। 2 दिसंबर की शाम बोरिंग रोड चौराहे पर बुलडोजर और मिनी ट्रक लेकर नगर निगम के कर्मी और पुलिस वाले पहुंचे। इन्हें देखते ही अफरा-तफरी मच गई। चाट, चाय, तंदूरी नान, चाउमीन जैसी चीजों का स्टॉल लगाने वाले अपने-अपने ठेले लेकर इधर-उधर भागने लगे। जो भाग नहीं पाए, उनके स्टॉल नगर

निगम के लोग ट्रक में भरकर ले गए। फाइन लगाया। नगर निगम के कर्मियों के वापस जाते ही महज आधे घंटे में फिर से ठेले लेकर दुकानदार पहुंच गए। यह एक दिन की बात नहीं। जब भी पटना में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलता है। यहां यही स्थिति नजर आती है। नगर निगम के कर्मी आते हैं, फाइन लगाते हैं। फिर दुकानदार वहीं दुकान सजा देते हैं। इसकी वजह है कि कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। पटना में तो पंजाब से भी खराब हालात, कहां जाएं गुरुवार सुबह करीब 10 बजे हम बोरिंग रोड चौराहा पहुंचे। देखा, सड़क किनारे पहले की तरह दुकानें लगी हैं। लोग उनसे खाने-पीने के सामान खरीद रहे हैं। हमारी मुलाकात वंश लाल गुप्ता से होती है। वंश लाल सीतामढ़ी के हैं। बोरिंग रोड चौराहे पर तंदूरी-नान की दुकान लगाते हैं। वंश लाल ने कहा, 1994 में पंजाब के लुधियाना में तंदूरी-नान बेचता था। जो परेशानी पंजाब में झेली वही बिहार में भी हो रही है। वहां बिहारी के नाम पर परेशान किया जाता था। 1997 में बिहार आ गया। यहां ठेला लगाना शुरू किया। अब यहां भी परेशान किया जा रहा है। हालत पंजाब से भी खराब हैं। 28 साल में 20 लाख रुपए फाइन दिया यहां किस तरह की परेशानी है? सवाल पर वंश लाल बोले, सुबह घर से सब्जी बनाकर लाता हूं। कभी दुकान के सामने बड़ी गाड़ी वाला अपनी गाड़ी लगा देता है तो कभी अतिक्रमण के नाम पर हमें भगा दिया जाता है। दुकान तोड़ दी

> हमने सरकार को जिताया। उम्मीद थी कि गरीबों के लिए कुछ करेगी। सरकार हमें उजाड़ने में ही लगी है। हम गरीबों पर बुलडोजर चला रही है। एक भी अपराधी के घर पर बुलडोजर नहीं चल रहा। सरकार के नजर में हम ही अपराधी हैं।
>
> **जितेंद्र कुमार**
> दुकानदार

जाती है। उन्होंने कहा, 1997 से लेकर अभी तक करीब 20 लाख रुपए फाइन भर चुका हूं। नगर निगम वाले आते हैं तो हमलोग गली में भागते हैं। वहां भी प्रशासन हमारा पीछा कर फाइन कर देती है। सरकार गरीबी खत्म नहीं कर रही या गरीबों को खत्म कर रही है।आप लोग पार्किंग एरिया में अतिक्रमण कर ठेला लगाते हैं। यह सुनकर वंश लाल ने कहा, दिनभर में 400-500 रुपए ही बचा पाता हूं। मानता हूं कि नगर निगम की जमीन में ठेला लगाया है, लेकिन कहां जाऊं। जो कॉमर्शियल भाड़ा होगा सरकार हमसे वसूले, हम देने को तैयार हैं, लेकिन सही सलामत रहने दिया जाए। उन्होंने कहा, सरकार को अगर जमीन की जरूरत है, पार्किंग के लिए जगह चाहिए तो हमलोग जगह छोड़ने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमारे लिए सरकार कम से कम एक वेंडिंग जोन बना दे। सरकार हमारे लिए बिना व्यवस्था किए हमें भगाने पर तुली है। मरीन ड्राइव पर दुकान के लिए लग रही 5 लाख तक की बोली पहले से बने वेंडिंग जोन में क्यों नहीं जाते? इस सवाल पर वंश लाल ने कहा, -जहां वेंडिंग जोन है भी वहां हमें जगह नहीं मिल रही। बड़े-बड़े लोगों का कब्जा है। पटना के मरीन ड्राइव पर दुकानें मिल रही हैं, लेकिन किराया इतना ज्यादा है कि हम चुका नहीं सकते। 3-5 लाख रुपए तक बोली लग रही है। मैं गरीब हूं। मेरे लिए 50 हजार जुटाना भी मुश्किल है। इतनी महंगी जगह कैसे लूं? बड़े-बड़े लोग जगह ले रहे हैं और उसे महंगी दाम पर भाड़े पर दे रहे हैंसरकार हम गरीबों पर चला रही बुलडोजर वंश लाल ने कहा, हमारे परिवार में बच्चे और माता-पिता को लेकर 7 लोग हैं। परिवार चलाने की जिम्मेदारी मुझ पर है। महीने में 20 दिन अतिक्रमण हटाने के दौरान दुकान लेकर इधर-उधर भागता रहता हूं। इधर एक सप्ताह से 2 घंटा भी ढंग से दुकान नहीं चली। हर वक्त डर लगा रहता है कि पता नहीं कब दुकान तोड़ दी जाए। बोरिंग रोड चौराहे पर ही हमें पान की दुकान चला रहे नालंदा जिले के संजय कुमार मिले। उन्होंने कहा, हम अपनी दुकान सड़क के सफेद पट्टी के अंदर लगाते हैं। इसके बाद भी अतिक्रमण के नाम पर हमें हटाया जाता है। हम भागते हैं तो गली के अंदर पीछा कर 5-7 हजार रुपए का फाइन काट दिया जाता है। संजय ने कहा, हाल के 10 दिन में 8-10 हजार रुपए का जुर्माना दिया है। सरकार ने हमें स्ट्रीट वेंडर का लाइसेंस तो दिया, लेकिन दुकान लगाने के लिए जगह नहीं दी। यह दुकान मेरे पिताजी ने खोली थी। 30 साल से मैं चला रहा हूं।

पत्नी को जीजा संग देखा, 4 दिन बाद लाश मिली

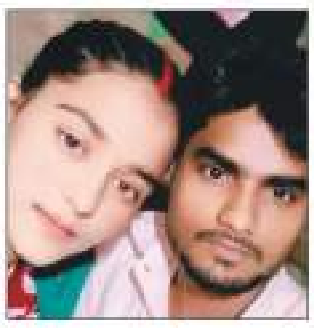

समस्तीपुर। में ससुराल में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि पत्नी, सास-ससुर और साले ने मिलकर हत्या की है। युवक को जहर देकर मारा गया है। मृतक की पहचान सराय रंजन के बेलभद्रपुर निवासी लक्ष्मी सहनी के पुत्र मुनील कुमार सहनी(24) के तौर पर हुई है। परिवार का आरोप है कि मुनील की पत्नी प्रीति का उसके जीजा के साथ अवैध संबंध है। दोनों को एक साथ देख लिया था, इसलिए उसे मार डाला। दोनों की डेढ़ साल पहले शादी हुई थी। दोनों की 2 महीने की एक बेटी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना अंगार घाटा थाना क्षेत्र के चैता रेवाड़ी गांव की है। मौत के बाद से मुनील के ससुराल वाले फरार हैं। मृतक के भाई सुनील कुमार सहनी ने बताया, मुनील की शादी चैता रेवाड़ी गांव के सुरेंद्र सहनी की बेटी प्रीति कुमारी के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं था। 30 नवंबर को प्रीति के बुआ की बेटी की शादी महेसी गांव में थी। दोनों पति-पत्नी भी गए थे। वहां प्रीति का जीजा भी आया था। उसका अपने जीजा से ही अवैध संबंध है। शादी समारोह में दोनों को मेरे भाई ने संदिग्ध हालत में देखा था। इसे लेकर वहीं पर झगड़ा भी हो गया था। इसके बाद मुनील ने प्रीति को घर चलने को कहा। उसने आने से मना कर दिया। अपनी मां के साथ मायके चली गई। फिर मुनील अपने घर आ गया। सुनील कुमार सहनी ने आगे कहा, 4 दिसंबर को उसकी पत्नी और सास ने फोन करके विदाई के लिए बुलाया। वहां पहुंचने पर मुनील का ससुराल वालों के साथ विवाद हो गया। शाम में मैंने अपने भाई के मोबाइल पर कॉल किया, तो उसके साले ने कॉल रिसीव किया, लेकिन सही जवाब नहीं दे रहा था। गाली देकर फोन काट दिया गया। रात में जानकारी मिली कि मेरे भाई को जहर दे दिया गया है। देर रात सभी लोग चैता गांव पहुंचे। गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर के यहां भाई का शव पड़ा हुआ था। ससुराल के लोग मौके से फरार हो गए थे। शक है कि पहले उसके साथ मारपीट की गई है, फिर जहर देकर मार डाला। वहीं, इस संबंध में दलसिंहसराय आइ विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि ससुराल आए एक युवक की मौत हुई है। युवक ने जहर खुद खाया है या उसे खिलाया गया है। इसकी अभी जांच चल रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। परिवार के लोगों से आवेदन मांगा गया है आवेदन मिलने ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा मार्ग पर अनियंत्रित गाड़ी ने बाइक को टक्कर मारी

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक गाड़ी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य पथ पर हुआ, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। गाड़ी एक विद्युत पोल से टकराई जानकारी के अनुसार, गाड़ी समस्तीपुर की ओर से आ रही थी। मुक्तापुर स्थित एक हाई स्कूल के पास वाहन अनियंत्रित हो गया और उसने एक बाइक सवार चाय दुकानदार को टक्कर मार दी। इसके बाद गाड़ी एक विद्युत पोल से टकराकर गड्ढे में जा गिरी और एक पेड़ से टकराकर रुक गई। गाड़ी सवार मौके से फरार दुर्घटना में स्थानीय निवासी मुरारी दास (लगभग 50 वर्षीय) गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका घर नगर निगम क्षेत्र के बरकुरवा में बताया गया है। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए समस्तीपुर भेजा गया।

बिहार समेत 3 राज्यों में NIA रेड,पटना-शेखपुरा से 2 गिरफ्तार

शेखपुरा। अवैध हथियार और गोला-बारूद को लेकर एनआईए ने पटना, नालंदा, शेखपुरा समेत राज्य के बाद ठिकानों के साथ हरियाणा और यूपी में छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें पटना से शशि कुमार और शेखपुरा से रविरंजन को गिरफ्तार किया है। बिहार के 7, हरियाणा के 2 और यूपी के 13 ठिकानों पर गुरुवार की सुबह से देर शाम तक चली छापेमारी में एनआईए ने बिहार से दो लोगों के अलावा हरियाणा के कुरुक्षेत्र से विजय कालरा और कुश कालरा को दबोचा है। जांच के अनुसार ये सभी एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे। जो हरियाणा से यूपी और फिर बिहार सहित देश के अन्य हिस्सों में अवैध गोला-बारूद की तस्करी बिक्री और खरीद में शामिल थे। शेखपुरा में नई दिल्ली और पटना से आई राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने स्थानीय एसटीएफ और सिरारी थाना पुलिस के सहयोग से भदौस गांव में छापेमारी कर गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन को गिरफ्तार किया है। टीम ने

उसकी ब्रेजा कार को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद, टीम ने जयमंगला गांव में खड़ी उसकी सफेद रंग की ब्रेजा कार को जब्त कर लिया। दिल्ली और पटना से आई टीम ब्रेजा कार को स्थानीय थाने को सौंपने के बाद गिरफ्तार गुड्डू सिंह को रात में ही अपने साथ लेकर वापस लौट गई। छापेमारी में शामिल सिरारी थाना अध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर आयुष कुमार ने बताया कि देर शाम दिल्ली और पटना से पहुंची NIA की टीम दो मजिस्ट्रेट के साथ थाने पर आई थी। उनके निर्देश पर पुलिस भदौस गांव पहुंची, जहां से शिव शंकर सिंह के बेटे गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन को गिरफ्तार किया गया। आर्म्स एक्ट केस में जमानत पर था थाना अध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार गुड्डू सिंह के खिलाफ पहले से स्थानीय थाने में आर्म्स एक्ट का एक मामला दर्ज है, जिसमें वह कोर्ट से जमानत पर था। विशेष टीम उसे हथियारों की तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर ले गई है। गुड्डू सिंह उर्फ रवि रंजन हथियारों और कारतूस की तस्करी में शामिल था। थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया कि यहां पहुंची विशेष टीम ने उसकी गिरफ्तारी के बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी। टीम उसे गोपनीय तरीके से गिरफ्तार कर ले गई। अन्य सूत्रों के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी आतंकी गिरोहों को हथियार तस्करी करने के मामले से जुड़ी हो सकती है। NIA टीम ने शेखपुरा जिला के भदौस गांव से गुड्डू सिंह को गिरफ्तार किया है। उसके पिता शिवशंकर सिंह डाक विभाग में पोस्टमैन है। वहीं उसके छोटे भाई रौशन कुमार को 27 अक्टूबर 2023 को बाढ़ घाट थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान गिरफ्तार किया था। उसके पास से मॉडर्न हथियारों में प्रयुक्त होने वाले 3110 जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद हुआ था। रौशन कुमार बाइक पर सवार होकर अपने गांव के ही एक सहयोगी छोटे सिंह के साथ बोरों में बंद हजारों कारतूस की खेप को अन्यत्र पहुंचाने जा रहा था। भदौसी की तरफ से वह घाट कुसुंभा की ओर बाइक से कारतूसों का जखीरा लेकर आ रहा था। इसी दौरान गश्ती टीम ने उसे घर दबोचा था। उस दिन गिरफ्तार रौशन का सहयोगी बाइक से कूदकर भाग निकला था।

बेटे ने पंचायत में वीडियो बनाने से रोका,पीट-पीटकर मार डाला

बेगूसराय। गांव के लड़कों के साथ बेटे का झगड़ा हो गया था। बातचीत और हंसी-मजाक में गांव के लोगों ने गाली दी। इसको लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी, फिर मारपीट हुई। मामला पंचायत में पहुंचा। पंचायती के दौरान एक लड़का वीडियो बना रहा था। वीडियो बनाने से मना करने पर गांव के लड़कों ने घर में घुस कर बेटे को पीट-पीटकर मार डाला। इस हत्या में जाप नेता भी शामिल है। सभी बदमाशों को फांसी हो और सरकार इनका घर भी बुलडोजर से ध्वस्त कर दें।' ये कहना है 23 साल के रणवीर कुमार की मां रंजू का। बेगूसराय के सूरजमापुर गांव में मंगलवार को रणवीर की हत्या हुई थी। दरअसल, गांव के ही लड़कों ने नाथो यादव के बेटे रणवीर कुमार को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। पैसा के अभाव में परिजन रात में उसे अस्पताल नहीं

ले जा पाए और पुलिस को भी सूचना नहीं दी। घटना के कुछ देर बाद ही रणवीर की मौत हो गई। सुबह में ग्रामीणों को जानकारी मिली, तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल करने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया गया। देर शाम लाश गांव आने के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। छोटे भाई धर्मवीर ने मुखाग्नि दी। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। रणवीर का पड़ोसी नरेश यादव के परिवार से 25 नवंबर से ही विवाद चल रहा था। जिसमें देख लेने की धमकी दी गई थी। मृतक रणवीर बलिया बाजार में मटिया मजदूरी का काम करता था। 25 नवंबर को विवाद के बाद 27 नवंबर को पंचायती हुई। जिसमें गांव समाज के लोग जुटे थे। पंचायती का वीडियो बनाया गया था और इसी को लेकर विवाद बढ़ गया। 2 नवंबर की शाम रणवीर जब बलिया बाजार से लौट रहा था, तभी नरेश यादव के परिवार के लोगों ने उसे धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद रात में नरेश यादव अपने 10-15 समर्थकों के साथ रणवीर के घर में घुसा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मारपीट के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। गांव के 11 लोगों पर मर्डर का आरोप मृतक की मां रंजू देवी ने बलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें गांव के ही नरेश यादव, गौतम यादव, उत्तम यादव, गुंजाली यादव, लालू यादव, सुरेश यादव, भिखो यादव, ललन यादव, कमली यादव, कृष्ण यादव और जन अधिकार पार्टी (जाप) के नेता सुमित कुमार पर मर्डर का आरोप लगाया गया है।

BJP विधायक के PA को मारी गोली

मुजफ्फरपुर। के कुढ़नी से बीजेपी विधायक केदार गुप्ता के पीए विनोद दास को अपराधियों ने गोली मारी है। वारदात गुरुवार देर रात घटना मनियारी थाना क्षेत्र में हुई है। विनोद दास एक शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। गोली लगने के बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गोली जांघ में लगी है, आज शुक्रवार को उनका ऑपरेशन होगा। बताया जा रहा है कि दो बाइक सवार बदमाशों ने विनोद दास को ओवरटेक किया और फिर गोली मार दी। शुरुआत में लोगों को लगा कि कुछ युवक आपस में बाइक से ओवरटेक कर रहे हैं, लेकिन गोली चलने की आवाज सुनकर सभी हैरान

रह गए। हमले की सूचना पर विधायक केदार गुप्ता अस्पताल पहुंचे। अपने पीए का हाल-चाल जाना। उन्होंने कहा कि विनोद दास मेरे सहयोगी हैं। पार्टी के नेता भी हैं। गुरुवार को दिनेश साह के शादी में गए थे। हमलोग साथ ही थे। भोज के बाद वो अपने घर चले गए। विनोद दास की पत्नी नीतू कुमारी ने बताया, 'मुझे बस इतना ही पता है कि वो भोज खाने गए थे। आज सुबह 6 बजे पैर में गोली लगने की सूचना मिली। मुझे कोई जानकारी नहीं है। किसी बात को लेकर, कभी चर्चा भी नहीं किए थे। क्यों गोली मारी गई है, मुझे कुछ पता नहीं है। चुनाव भी लड़ चुके हैं। पहले कोई विवाद भी नहीं था।' विनोद दास की

बड़ी बहन पार्वती देवी ने बताया, 'सुबह में गोली मारने की सूचना मिली। जिसके बाद अस्पताल पहुंची। भोज खाने के लिए गुरुवार शाम को घर से निकले थे। उसके साथ क्या हुआ- नहीं हुआ, कुछ पता नहीं है। चुनाव भी लड़ चुका है। विधायक जी के करीबी हैं। जनता से भी कोई शिकायत नहीं है। यही बताएगा कि उसके साथ क्या हुआ?' विनोद दास के साथी मोहम्मद अकराम आलम ने बताया रात में भोज में हम लोग साथ ही थे। उसके बाद मैं अपने घर चला गया था। रास्ते में उनके साथ क्या हुआ, कुछ पता नहीं है। विवाद तो था नहीं। अब देखिए क्या कुछ निकलकर आता है। जांच के बाद ही पता चल सकेगा। ग्रामीणों के अनुसार, विनोद दास काजीइंडा एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वापस लौटने के दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। विनोद दास 2021 में अमरख पंचायत से मुखिया का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा में मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। सूचना मिलते ही ग्रामीण SP राजेश सिंह प्रभाकर अस्पताल पहुंचे। परिजनों से मामले की जानकारी ली। ग्रामीण एसपी ने बताया कि विनोद दास को गोली लगी है और उनका इलाज जारी है। पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

समस्तीपुर में संदिग्ध हालत में युवक की मौत

समस्तीपुर। में संदिग्ध हालत में एक युवक की मौत हो गई है। ससुराल में शव मिला है। मृतक प्रमोद भगत(25) मुजफ्फरपुर जिले के लदौरा गांव का रहने वाला था। परिजनों ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर एलौथ वार्ड नंबर-45 की है। पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचे भाई उमेश भगत ने बताया कि 6 साल पहले रमेश भगत की बेटी से प्रमोद की शादी

हुई थी। दो बच्चा भी है, पत्नी ज्यादातर अपने मायके में ही रहती थी। मेरे भाई वहां आना-जाना था। 30 नवंबर को भी वह अपने ससुराल आया गया था। 3 दिसंबर को वह वापस चला गया था, लेकिन दूसरे दिन फिर वहीं पहुंच गया। गुरुवार देर रात मौत की सूचना मिली। जिसके बाद परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, इस संबंध में एसपी संजय पांडे ने बताया कि संदिग्ध हालत में युवक की मौत का मामला सामने आया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ताकि मौत का सही कारण स्पष्ट हो सके। अभी परिवार के लोगों की ओर से कोई आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। थाना स्तर पर जांच की जा रही है।

समस्तीपुर सदर अस्पताल में महिला का झाड़-फूंक

समस्तीपुर। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एडमिट महिला मरीज को रेफर किए जाने के बाद परिजन लेकर नहीं गए। अस्पताल में ही भगत बुलाकर झाड़-फूंक कराने लगे। इसका वीडियो सामने आया है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चकटोला गांव निवासी रामप्रीत पंडित की पत्नी फुलो देवी तीन दिन से पेट दर्द से परेशान थी। जिसके बाद मंगलवार को परिवार के सदस्य हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। इलाज चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। गुरुवार को महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिसमें उनके पेट में पानी होने की पुष्टि हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। रेफर किए जाने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने अपने गांव के ही एक भगत आलोक कुमार को अस्पताल बुलाया। भगत ने आपातकालीन वार्ड में ही महिला का झाड़-फूंक शुरू कर दिया। इस दौरान स्वास्थ्यकर्मी और सुरक्षाकर्मी मूकदर्शक बने रहे।भगत आलोक कुमार ने दावा करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ साल से यह काम कर रहे हैं। बुलाने पर यहां आया हूं। बाबा गुरु गोरखनाथ और भुइयां बाबा के भक्त हूं। मोर पंख से उनका नाम लेकर झाड़-फूंक करते हैं। अगर ऐसा करने से मरीज को शांति मिलती है तो हमने यह कोई खराब काम नहीं किया है। किसी को परमिशन नहीं है इस संबंध में उपाधीक्षक डॉक्टर गिरीश कुमार ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में झाड़-फूंक की सूचना उन्हें नहीं मिली है। ऐसा करने के लिए किसी को परमिशन नहीं दिया जाता है। ड्यूटी पर मौजूद संबंधित कर्मियों सेपूछताछ की जा रही है। वार्ड से शो कॉज मांगा जा रहा है। वहीं, आपातकालीन वार्ड में तैनात डॉक्टर जीवछ कुमार ने बताया कि महिला का अल्ट्रासाउंड कराया गया तो पेट में पानी निकला। महिला को बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर किया गया है।

सीतामढ़ी में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग

सीतामढ़ी। में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में 14 वर्षीय किशोर करण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर बेलसंड थाना क्षेत्र के बेलसंड निवासी राजकुमार शर्मा का बेटा है। घटना रीगा थाना क्षेत्र के सिरौली गांव

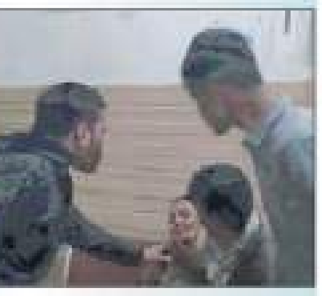

की है। परिजन के अनुसार, करण अपने पिता के साथ रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात डीजे पर डांस चल रहा था, तभी भीड़ के बीच एक युवक ने अचानक हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली सीधे करण को लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजनों और अन्य लोगों ने उसे शहर के रिंग बांध स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। आरोपी के पहचान का प्रयास जारी घटना की जानकारी मिलते ही रीगा थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि हर्ष फायरिंग की पुष्टि हो चुकी है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। मौके से मिले सबूतों के आधार पर आरोपी युवक की पहचान का प्रयास जारी है। पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शादी-ब्याह जैसे आयोजनों में हर्ष फायरिंग एक गंभीर अपराध है। इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बेटे ने लड़की से भागकर की शादी, पिता ने पीटा

भागलपुर। में प्रेम विवाह के बाद लड़के और लड़की के साथ मारपीट हुई है। युवक पड़ोस में रहने वाली युवती से प्यार करता था। ढाई महीने पहले नवगछिया के तेतरी मंदिर में दोनों ने शादी रचा ली थी। जब वह पत्नी को लेकर घर पहुंचा, तो परिवार वालों ने उन्हें रखने से इनकार कर दिया और दोनों के साथ मारपीट की। मामला, अब थाना पहुंच चुका है। लड़की ने भैसूर, ननद और ससुर पर मारपीट का आरोप लगाया है। पूरा मामला, गोराडीह थाना क्षेत्र के बड़ी जमीन गांव का है। दोनों अस्पताल में भर्ती बीते कई सालों से नीतीश (24) चांदनी(20) से बेइंतहा मोहब्बत करता था। परिवार वाले इस रिश्ते से खुश नहीं थे। दोनों घर से भाग गए और मंदिर में शादी रचा ली। मारपीट की घटना में नीतीश के हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।नीतीश की पत्नी चांदनी ने इसको लेकर गोराडीह पुलिस को लिखित शिकायत दी है। मारपीट का आरोप ससुर, भैसूर और ननद पर लगाया गया है। पुलिस को दिए आवेदन में चांदनी ने बताया कि पति-पत्नी घर में थे, तभी ससुर जानकी मंगल, भैसूर दीपक, रंजीत और काजल ने मारपीट की।

डिंपल यादव इंडिगो मामले पर बोलीं : सरकार मदद करे

देशभर में पैसेंजर परेशान, झगड़े-मारपीट के हालात, दिनेश शर्मा ने कहा: विपक्ष कन्फ्यूज

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को पांचवां दिन है। दोनों सदनों में देशभर में इंडिगो की फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन का मुद्दा उठा। सपा सांसदों ने भी मामले में सरकार से मदद करने को कहा। वहीं, भाजपा सांसदों ने कहा- सरकार अपना काम कर रही है। इस पर राजनीति करना ठीक नहीं है। सदन के बाहर सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, 'जिस तरह से एयरलाइंस में आज का माहौल है और यात्रियों को दिक्कत हो रही है तो सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि जल्द से जल्द इसमें सुधार आए। जो इंडिगो एयरलाइंस को सरकार की तरफ से समर्थन चाहिए वो करना चाहिए, क्योंकि इससे यात्री ही बहुत परेशान हो रहे हैं। तो इस मामले में सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और ज्यादा-ज्यादा सुविधा पहुंचाने का काम करना चाहिए।' वहीं, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंडिगो फ्लाइट कैंसिल वाले ट्वीट पर कहा- 'विपक्ष दोनों पक्ष बोलेगा। जब सुरक्षा की व्यवस्था न की जाए और मानक का पालन न किया जाए तो कहेंगे कि मानक का पालन नहीं कर रहे और लोगों की सुरक्षा खतरे में डाल रहे हैं। जब मानक का अनुपालन कराया जाने लगे और लोगों के सुरक्षा के लिए नियम कड़े किए जाए तो कहते हैं कि ऐसा क्या हो रहा है। तो मैं समझता हूं वो दोनों तरफ चलते हैं। कन्फ्यूज हैं।' 1 दिसंबर: वित्त मंत्री ने 3 बिल पेश किए, यूपी एसआईआर को लेकर हंगामा- पहले दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में तीन बिल पेश किए, जिसमें से मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स बिल (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 बिल पास हुआ। इसके अलावा केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025 भी लोकसभा में पेश किए थे। सपा समेत तमाम विपक्षी दलों ने SIR को लेकर जमकर हंगामा किया था। 2 दिसंबर: सरकार ने एसआईआर पर बहस के लिए अड़े विपक्ष की मनाया- एसआईआर पर फौरन चर्चा पर अड़ा विपक्ष बहस के लिए मान गया है। मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया- 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी। साथ ही उन्होंने कहा- एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। 3 दिसंबर: PM मोदी बंगाल के भाजपा सांसदों से मिले- संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही से पहले संसद परिसर में पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की। उन्होंने सांसदों से कहा कि राज्य के मौजूदा हालात को लेकर जनता से बातचीत की जरूरत है। 4 दिसंबर: राहुल बोले थे- विदेशी मेहमानों से मिलने नहीं देती सरकार- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद सत्र के चौथे दिन आरोप लगाया कि सरकार, विदेश से आने वाले शीर्ष नेताओं से मिलने नहीं देती। उनसे कहती है कि वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (LoP) से न मिलें। इसका कारण सरकार की असुरक्षा है। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने देशभर में इंडिगो की फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन पर कहा, "इंडिगो की फ्लाइट्स रद्द हो रही हैं और इससे लोगों को परेशानी हो रही है...सरकार इसपर चिंतित है। उड्डयन ने इंडिगो से सवाल पूछा है। इस पर राहुल गांधी राजनीति न करें, यह राजनीति का विषय नहीं है..." देशभर में इंडिगो की फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, "यह बड़ा गंभीर विषय है...यात्री परेशान हैं...इस समस्या का निराकरण तुरंत होना चाहिए...मैं नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से कहूंगा कि तत्काल इस पर आपात बैठक बुलाएं क्योंकि हजारों यात्री फंसे हुए हैं..." समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विदेशी मेहमानों से मिलने नहीं दिया जा रहा वाले बयान पर कहा, "यह परंपरा रही है...यह दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रीय मुद्दों पर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना सबके अंदर है चाहे वो पक्ष हो या विपक्ष हो...मुझे लगता है कि उस परंपरा को कायम रखना चाहिए..." इंडिगो फ्लाइट्स में हुई देरी और कैंसिलेशन को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सरकार पर 'मोनोपॉली' वाले तंज पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "हम सब जानते हैं कि पूरे देश में ज्यादातर चीजें कुछ ही लोगों की हैं और यह सरकार कर रही है और यह ठीक नहीं है। यह अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है, यह देश के लिए ठीक नहीं है।" कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'आज राज्यसभा में मैंने शून्यकाल में जीरो आवर में मैंने प्वाइंट ऑफ ऑर्डर उठाकर ये सवाल उठाया कि आज भारतवर्ष में इंडिगो के 500 से ज्यादा उड़ानें जो निरस्त हुई हैं उससे यात्री को परेशानी हो रही है क्योंकि ये मामला सदन से भी संबंध रखता है, आज शुक्रवार है क्योंकि शनिवार और रविवार को सदन नहीं चलता है तो बहुत से सदन के सदस्य अपने निर्वाचन क्षेत्र जाते हैं ऐसे समय में इन उड़ान का न जाना और कैंसिल होना तो निश्चित रूप से ये सदन की औचित्य का सवाल है। इस पर सुना जाए। मुझे खुशी है कि चेयरमैन ने इसे स्वीकार किया और संसदीय कार्यमंत्री को निर्देश दिया और उन्होंने कहा है निश्चित रूप से उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री से कहा है कि इस पर पूरी तैयार करके आए और सदन को अवगत कराए...। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा- मैं इस समस्या को कई बार उठा चुका हूं। जिस तरह से फ्लाइट कुछ घंटे पहले रद्द हो जाती है, इससे यात्रियों को बहुत नुकसान होता है। इससे सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमी का हो रहा है। कंपनियों के इस रवैये पर रोक लगनी चाहिए और जिन लोगों का नुकसान हो रहा है, उनको मुआवजा मिलना चाहिए।

कंप्यूटर शिक्षा में आईआईटी कानपुर से दीपक सहित दस शिक्षक हुए प्रशिक्षित

संवाददाता

कुशीनगर। प्रशिक्षण एससीआरटी लखनऊ के सहयोग से आईआईटी कानपुर में विज्ञान शिक्षकों के लिए आयोजित दो माह का कंप्यूटर विषय आधारित प्रशिक्षण में दस चयनित शिक्षकों के साथ दीपक प्रशिक्षित हुए। प्रशिक्षण का उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा को आधुनिक रूप देना और शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षण पद्धतियों में अधिक सक्षम बनाना था। डा. रामजियावन मौर्य उप शिक्षा निदेशक/बीएसए कुशीनगर द्वारा जनपद से 10 शिक्षकों का नाम प्रशिक्षण के लिए प्रस्तावित किया था। जिसमें दीपक कुमार सहायक अध्यापक पीएम श्री उच्च प्राथि दुर्गवालिया क्षेत्र पडरौना भी शामिल थे। प्रशिक्षण के समापन सत्र में मुख्यअतिथि आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर जे. रामकुमार ने शिक्षा क्षेत्र में तकनीक की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि डिजिटल साधन आज सीखने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं ऐसे प्रशिक्षण शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर आईआईटी कानपुर से अनुराग सिंह, पीयूष मिश्रा दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षकों को नवाचार, तकनीक के प्रयोग और डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण के दौरान कंप्यूटर आधारित शिक्षण पद्धतियां, डिजिटल टूल्स, शैक्षिक सॉफ्टवेयर, बेसिक प्रोग्राम आदि के विषय में विस्तृत चर्चा की। चयनित शिक्षकों को एबीएस पडरौना सुरेन्द्र बहादुर सिंह, एबीएसए कसया अशोक कुमार यादव, एबीएसए फाजिलनगर विजयपाल नारायण त्रिपाठी, राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त डा सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक भगवंत कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी, पयोधकांत मिश्र, हरिन्द्र कुमार चौरसिया, अरुण कुमार वर्मा, योगेंद्र सिंह, सुबोध शुक्ला, प्रिंस त्रिपाठी, दुर्गेश त्रिपाठी, सत्यजीत दुबे , तारकेश्वर शुक्ला, सुनील गुप्ता आदि ने शुभकामनाएं दी है।

एसडीएम ने 14 सौ लोगों की मतदाता सूची ना मिलने की समस्या का किया समाधान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका अंतर्गत कृषक इंटरमीडिएट कॉलेज मल्लूडीह के प्रांगण में उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल की उपस्थिति में एसआईआर को लेकर बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक हुई। मौके पर 14 सौ लोगों की मतदाता सूची ना मिलने की समस्या का समाधान एसडीएम श्री बघेल ने किया। शुक्रवार को हुई बैठक में मतदाता फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं को सामाजिक कार्यकर्ता आशिक अली ने प्रमुखता से उपजिलाधिकारी के समक्ष रखा। मामले की गंभीरता से लेते हुए एसडीएम श्री बघेल ने बारीकी से

सभी समस्याओं के समाधान का आसान जरिया बताया और अधिक से अधिक फॉर्म भरने/भरवाने की अपील की।

बताते चले की एसआईआर फॉर्म भरने में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2003 में मल्लूडीह में तीन भाग था 178, 179 और 180 लेकिन जब तहसील द्वारा 2003 का जो तीनों भाग इस बार बीएलओ को उपलब्ध कराया गया तो उसमें 178 और 179 एक ही लिस्ट है भाग संख्या 178 में जिसमें लगभग 14 सौ से अधिक लोग उस समय मतदाता हैं। उनका भाग संख्या 178 नहीं मिल रहा है और ना ही ऑनलाइन शो कर रहा है जिसके कारण स्थानीय वार्ड वासियों को जहां दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं 2003 के बाद से जिन बहन बेटियों की शादी अन्यत्र हुई है उन लोगों को भी 2003 का लिस्ट नहीं मिलने के कारण मतदाता सूची से नाम कटने का भय सता रहा है। इसी प्रकार कई समस्याओं को एसडीएम के सामने बीएलए द्वारा रखा गया। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, पूर्व सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन खरवार, भाजपा नेता नंदू वर्मा, सर्वेश गुप्ता, हरि नेता, विनोद गुप्ता, ध्रुव नारायण कुशवाहा दीनानाथ पासवान, बीएलओ चंद्रप्रभा कुशवाहा मेनका गोंड, रंजू चौबे, प्रमोद कुशवाहा, लेखपाल अशोक कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

मेरठ में मां के सामने बेटे की गोली मारकर हत्या

मेरठ। मां के सामने बेटे की हत्या कर दी। युवक को आरोपियों ने फोन कर घर से बाहर बुलाया और घर से करीब 150 मीटर दूर घेरकर सीने में तमंचे से गोली मार दी। बेटे को गोली लगता देख मां चिल्लाने लगी। तभी आरोपी भाग गए। आवाज सुनकर परिवार और पड़ोस के लोग पहुंचे और केशव (26) को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पिता राधेश्याम ने कहा- बेटे को केशव के जीजा अंश ने ही गोली मारी है। घटना सदर बाजार क्षेत्र में गुरुवार रात लगभग साढ़े 12 बजे की बताई जा रही है। केशव का परिवार सदर वेस्टर्न रोड के पास रहता है। पिता राधेश्याम मेरठ विकास प्राधिकरण में हैं। अभी उनकी ड्यूटी सिंचाई विभाग में चल रही है। पिता राधेश्याम ने बताया- गुरुवार रात करीब 11 बजे फोन पर बेटे की अपने दोस्तों से कहासुनी हो गई थी। जब मुझे पता चला तो मैंने बेटे को शांत कराया और उसे सोने के लिए भेज दिया। रात में करीब साढ़े 12 बजे बेटे पास दोबारा से फोन आया। फोन करने वालों ने केशव को घर के बाहर बुलाया। मां ने बताया- मैंने बेटे को घर बाहर

जाता देख तो घबरा गई और उसके पीछे-पीछे चल दी। घर से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर पर आरोपी युवकों ने उसे घेर लिया और लात घूंसे मारने लगे। आरोपी दो बाइक से थे। मेरे सामने ही मेरे बच्चे को सीने में गोली मार दी। मैं कुछ नहीं कर पाई। लहूलुहान बेटे को देखकर मां सोनू जोर-जोर से चिल्लाने लगी। परिवार के लोग भी पीछे से पहुंचे। लहूलुहान पड़े केशव को उठाकर सुशीला जसवंत राय अस्पताल पर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने केशव को मृत घोषित कर दिया। केशव के पिता ने बताया- केशव घर में दो बहनों का इकलौता भाई था और घर के लिए बड़े-बड़े सपने देखता था। वह एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। पिता ने बताया- उसका एलएलबी का अंतिम साल था। आज उसकी पहली परीक्षा थी लेकिन उससे पहले ही हत्यारों ने केशव को मौत की नींद सुला दिया। युवक की हत्या के बाद परिवार के साथ आसपास के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पिता ने आरोपी युवकों की पहचान अंश और पीयूष के रूप में की है। जो पहले उन्हीं के इलाके में रहते थे। अब दोनों आरोपी रोहटा रोड पर रह रहे हैं। सुबह जैसे ही लोगों को पता चला वह हत्यारोपियों के घर पहुंच गए। उन्होंने वहां जमकर हंगामा किया। दादी लक्ष्मी ने कहा- मेरा एक गया और अब उसके चार जाने चाहिए। उसके घर पर बुलडोजर चलना चाहिए। जैसे मेरे पोते की मां रोती है वैसे ही आरोपियों की मां भी रोनी चाहिए। परिवार के लोगों ने दरवाजा नहीं खोला तो आक्रोशित युवक घर के बाहर खड़ी आरोपियों की दो बाइक ले आए। नाराज लोगों ने इन दोनों बाइक में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर सदर बाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बाइक अपने कब्जे में ले ली। पिता राधेश्याम ने कहा- जनवरी में उनकी बेटी लापता हो गई थी। छानबीन में पता चला कि अंश नाम का युवक बेटी को बहला फुसलाकर ले गया और शादी कर ली। वहां उसे प्रताड़ित करने लगे। बेटी ने फोन पर हमें जानकारी दी। पिता ने बताया- मेरी बेटी को मेरे से कई महीने तक नहीं मिलने दिया। हम लोगों ने कंकरखेड़ा में तहरीर दी। इसके बाद बेटी को घर लेकर आ गए। इसी बात को लेकर उनसे रंजिश रखी जा रही थी। केशव को अंश ने ही गोली मारी है। पिता राधेश्याम ने बताया- अंश एक गैंग से जुड़ा है। यह गैंग पहले भी कई वारदात कर चुका है। इस गैंग के पास हथियार हैं। सदर इलाके में कुछ दिन पहले ही एक घटना हुई थी जो इन्होंने ही अंजाम दी थी। इनका सोशल मीडिया पर एक ग्रुप है। जिस पर सभी सक्रिय रहते हैं। इसमें 50 से 60 लोग हैं। मेरठ एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने कहा- युवक को गोली मारने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि युवक को उसके जीजा और एक अन्य साथी ने ही गोली मारी है।

अलीगंज-सिरौली मार्ग पर कार और ट्रैक्टर की भिड़ंत, दो लोगों की मौत

बरेली। अलीगंज-सिरौली मार्ग पर खैलम देह जागीर गांव के पास बृहस्पतिवार देर रात आलू से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सिरौली-अलीगंज मार्ग पर देर रात आलू से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सिरौली की ओर से जा रही थी। वहीं नीले रंग की कार गुलड़िया-सिरौली की तरफ तेज रफ्तार में आ रही थी। खैलम देह जागीर गांव के पास दोनों वाहन आमने-सामने से टकरा गए। हादसे में कार चालक शेखर पुत्र रूपकिशोर (35 वर्ष) निवासी संजयनगर, बरेली की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक धनुषपाल निवासी भुड़ा, थाना सिरौली ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे सीओ आंवला नितिन कुमार व थाना प्रभारी जगत सिंह ने घायलों को महागवां सीएचसी पहुंचवाया।

प्रत्येक नागरिक को एसआईआर के लिए होना होगा जागरूक: संतोष यदुवंशी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सरकार के निर्देशन में चुनाव आयोग द्वारा कराया जा रहा एसआईआर लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर देगा। इसलिए, देश के प्रत्येक नागरिक को एसआईआर के लिए जागरूक होना होगा क्योंकि भाजपा द्वारा लोगों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश रची जा रही है। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संतोष यदुवंशी ने नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत डुमरी (सुखा टोला) में एक चर्चा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का स्पष्ट आदेश पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकताओं से है कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर कार्य में बढ़कर भाग लें और किसी का भी नाम न छूटे। जिसके लिए पार्टी के लोग लगे हुए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने गुरुवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंप यह आशंका जाहिर किया है कि प्रदेश में लाखों मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट अथवा मृतक श्रेणियों में डालकर डिलीट की तैयारी चल रही है। देखा जाय तो यह एसआईआर नागरिकों

के लिए मुसीबत बन रहा है। सपा ने एसआईआर की समयावधि तीन माह करने की मांग की थी लेकिन निर्वाचन आयोग बहुत जल्दबाजी में है और मात्र 11 दिसंबर तक कार्य पूरा करने की तिथि रखी है। 15 करोड़ 44 लाख 092 मतदाता वाले राज्य में जहां 403 विधानसभा, 162486 मतदेय स्थल है वहां यह कार्य बूथ लेवल अधिकारी के बुते संभव नहीं है। इससे एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ और अन्य कर्मचारी तनाव में हैं तो नागरिक भी परेशान है। इसके कारण कई बीएलओ की मौत हो गई। श्री यदुवंशी ने एसआईआर को लेकर सरकार और आयोग की खिंचाई करते हुए कहा कि बिहार में हुए एसआईआर से लाखों लोग मतदान से वंचित रह गए।

एसआईआर के बहाने प्रदेश में यह प्रक्रिया कहीं लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ साबित न हो क्योंकि पिछड़े, दलित, मुस्लिम और आदिवासी जो समाज के काफी कमजोर नागरिक हैं उनका वोट न कट जाए। आगे कहा कि जनता महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी से पीड़ित है। डबल इंजन सरकार विकास को लेकर अपनी सच्चाई छिपाने लिए झूठे दावे कर रही है। इसी क्रम में फाजिलनगर के पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि और सपा के प्रदेश समिति सदस्य हसमुद्दीन अंसारी ने कहा कि जनता इनके कथनी और करनी को भलीभांति जान चुकी है। आने वाले 2027 विधानसभा चुनाव में जनता मुंहतोड़ जवाब देगी। हमें एसआईआर को लेकर जागरूक होना होगा। नहीं तो ये कितनों को मताधिकार तो दूर नागरिकता पर संकट आ सकता है। इस दौरान सपा अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट उदयभान यादव, केदारनाथ यादव, राम गुलाब यादव, प्रधानाचार्य संजय यादव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता: तैयारी अंतिम चरण में

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय कस्बे के पावानगर महावीर इंटर कॉलेज के खेल मैदान में 20 दिसंबर से 27 दिसंबर तक आयोजित होने वाली 19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बना चुकी यह प्रतियोगिता क्षेत्र का सबसे बड़ा क्रिकेट आयोजन मानी जाती है, जिसका खिलाड़ी ही नहीं बल्कि स्थानीय खेलप्रेमी भी बेसब्री से इंतजार करते हैं। उत्कृष्ट क्रिकेट के लिए पिच सबसे अहम होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पिच निर्माण का कार्य इकाना स्टेडियम के पिच क्यूरेटर अनिल सिंह की निगरानी में उनके सहयोगी गुड्डू चौहान द्वारा पिछले एक माह से कराया जा रहा है जो अब अंतिम चरण में है। इसके लिए उन्नाव जिले से विशेष किस्म की सख्त और टिकाऊ मिट्टी मंगाई गई है, जो बेहतर उछाल और सटीक लाइन - लेंथ के लिए जानी जाती है। आयोजन समिति के अनुसार यही मिट्टी रणजी स्तर की पिचों में भी उपयोग होती है, जिससे खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय खेल का अनुभव मिल सके। प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी, जिनमें रणजी और आईपीएल खेलने वाले खिलाड़ी भी शामिल रहते हैं। तकनीकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए थर्ड अंपायर सिस्टम की भी व्यवस्था की गई है, जो खेल को और अधिक निष्पक्ष बनाने में मदद करेगा। आयोजन समिति के संरक्षक एवं शहीद के बड़े भाई, रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए टीमों का चयन पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा मंच भी है।

लखनऊ में छठवीं के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

लखनऊ। छठवीं क्लास के एक छात्र की शुक्रवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह महानगर स्थित मोंट फोर्ट इंटर कॉलेज का छात्र था। टीचर ने बताया- छात्र ने ढाई घंटे तक इंग्लिश का पेपर दिया। उसके बाद पानी पीने के लिए उठा। पानी पीने के बाद बेहोश होकर गिर गया। स्कूल में उसे प्राथमिक उपचार दिया गया, हालत में सुधार नहीं होने पर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की पहचान जानकीपुरम के रहने वाले छात्र अमेय सिंह उर्फ आरव के रूप में हुई। कॉलेज के टीचर उसे भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने काफी देर तक उसे ऊफ दिया। लेकिन आरव की बॉडी में कोई हरकत नहीं हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे 'ब्रॉट डेड' डिक्लेयर कर दिया। स्कूल के NCC इंचार्ज राजन सिंह परिहार ने बताया- सुबह 8 बजे से इंग्लिश पेपर था। अमेय ने ढाई घंटे पेपर दिया और फिर पानी पिया। पेपर खत्म करने के बाद कॉपी जमा की। इसके बाद जैसे ही अपनी डेस्क की ओर बढ़ा। बेहोश होकर गिर गया। अमेय को स्कूल में ही प्राथमिक उपचार और सीपीआर दिया गया, लेकिन जब होश नहीं आया तो उसे नजदीकी अस्पताल ले गए थे। टीचर ने बताया- अमेय स्कूल में काफी एक्टिव था। स्पोर्ट्स के साथ ही एकेडमिक प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेता था। उसे कभी देखकर ऐसा नहीं लगा कि यह बीमार है। शुक्रवार सुबह भी वह नॉर्मल दिख रहा था। पेपर के दौरान भी वह काफी सहज था। BRD अस्पताल महानगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत दीक्षित ने बताया- 11 बजकर 5 मिनट पर अचेत अवस्था में आरव नाम के बच्चे को लाया गया था। इमरजेंसी के डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया पर बच्चे को बचाया नहीं जा सका। उसे 11 बजकर 29 मिनट पर ब्रॉट डेड डिक्लेयर किया गया। टीचर्स ने बताया कि जब बच्चा स्कूल आया था तो पूरी तरह स्वस्थ था। परीक्षा के दौरान भी वह असहज नहीं दिखा। डॉक्टर्स केस स्टडी कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन ने परिजनों को सूचना दी। पिता संदीप सिंह भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल पहुंचे। बच्चे की हालत देखकर उनका बुरा हाल था। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पिता की रिक्वेस्ट पर पंचनामा भरा। अस्पताल में जब मां पहुंची तब वो बच्चे की कंडीशन देखकर बेहाल हो गई। वो भी गश खाकर गिर पड़ीं। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे किसी तरह संभाला। पिता संदीप सिंह ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

हनुमानगढ़ी के संत को जिंदा जलाने की कोशिश, आश्रम में खिड़की काटकर लगाई गई आग

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रसिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी के संत महेशदास उर्फ स्वामी महेश योगी के आश्रम में अचानक आग लग गई। घटना गोविंदगढ़ स्थित आश्रम बृहस्पतिवार की आधी रात करीब 2:45 बजे की है। आरोप है कि यह आग उन्हें मारने की साजिश के तहत लगाई गई थी। आग ज्वलनशील पदार्थ के माध्यम से लगाई गई। अज्ञात लोगों ने कमरे की पीछे की खिड़की काटकर आग लगाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। हनुमानगढ़ी के बसंतीया पट्टी स्थित गोविंदगढ़ में महेश योगी का आश्रम है। रात में किसी अज्ञात व्यक्ति ने आश्रम के पिछले हिस्से में स्थित लोहे की जाली काटकर अंदर आग का गोला फेंक दिया। महंत महेश योगी ने बताया कि घटना के समय आग से पेट्रोल जैसी गंध आ रही थी। फिलहाल आग को समय रहते बुझा लिया गया है, अधिक नुकसान नहीं हुआ है। घटना के समय महेश योगी आश्रम में अकेले सो रहे थे। उनके शिष्य आश्रम के दूसरे हिस्से में रहते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को कमरे के पीछे से कटी ग्रिल और पेट्रोल जैसी गंध के निशान भी मिले हैं। फिलहाल सीसीटीवी, कॉल डिटेल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर जांच जारी है। फिलहाल महेश योगी ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्रिमियम प्लास्ट का राजस्व 67 प्रतिशत उछला, मुनाफा 51 प्रतिशत छलांग

मुंबई, एजेंसी। प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड , उच्च गुणवत्ता वाले प्रिसिजन प्लास्टिक कंपोनेंट्स की विश्वसनीय निर्माता और विविध उद्योगों की भरोसेमंद सहयोगी, ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है।प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड के प्रोमोटर एवं प्रबंध निदेशक श्री चेतन दवे ने कहा, हमने एच1 एफवाय26 में सशक्त प्रदर्शन दर्ज किया है, जहाँ कुल आय, ईबीआईटीडीए और शुद्ध लाभ—तीनों में वर्ष-दर-वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह सफलता हमारे प्रमुख क्षेत्रों में स्थिर मांग, बेहतर परिचालन दक्षताओं और उच्च-प्रिसिजन, वैल्यू-ऐडेड कंपोनेंट्स पर लगातार ध्यान का परिणाम है। वर्ष के दौरान हम अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने तथा ग्राहकों को उत्कृष्ट डिलीवरी देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आगे की राह पर, हम क्षमता विस्तार में निवेश जारी रखेंगे, उच्च-विकास श्रेणियों में अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को और व्यापक बनाएंगे और स्थिरता-केन्द्रित प्रथाओं को और मजबूत करेंगे। ये पहलें हमें दीर्घकालिक विकास, बेहतर लागत दक्षता और आने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त आधार प्रदान करेंगी।

सैटेलाइट डेटा एनालिटिक्स बाजार में पांव पसारने के लिए भारत एनवी पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में अग्रणी एसरी इंडिया ने जियोस्पेशियल इमेज प्रोसेसिंग एवं एनालिसिस सॉफ्टवेयर भारत ईएनवीआई लांच करने की आज घोषणा की। भारत ईएनवीआईकी लॉन्चिंग से इंडो आर्कजीआईएस यूजर्स को विश्वस्तरीय रिमोट सेंसिंग और एनालिटिक्स क्षमता हासिल होगी जिससे वे बेहतर शासन और आर्थिक वृद्धि के लिए अधिक सूझबूझ के साथ निर्णय कर सकेंगे। ईएनवीआई को सैटेलाइट, ड्रोन, लिडार, एसएआर, मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसर्स सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रिमोट सेंसिंग डेटा से कार्य योग्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए काफी समय से विश्वभर में एक अग्रणी सॉल्यूशन के तौर पर जाना जाता रहा है। इसे मजबूती के साथ एसरी के आर्कजीआईएस प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत किया गया है और यह जीआईएस यूजर्स को निर्बाध रूप से पहुंच प्रदान कर विश्वास के साथ महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए इमेजरी का विश्लेषण करने की सहूलियत देता है। भारतीय जीआईएस उपयोग करने वाले संगठन अब 'इंडो आर्कजीआईएस लिविंग एटलस' में भारतीय कंटेंट और एआई मॉडलों के विशाल भंडार का उपयोग कर भारत ईएनवीआई के साथ इंडो आर्कजीआईएस की ताकत को मिला सकते हैं। सख्ती के साथ एकीकृत यह क्षमता भूमि उपयोग नियोजन, संसाधन प्रबंधन और प्रभावी नीति क्रियान्वयन सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है।

नेटफ्लिक्स पर सिंगल पापा के ट्रेलर ने लोगों का दिल जीता!

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर सिंगल पापा का ट्रेलर रिलीज हुआ है। यह 30 वर्ष के गौरव गहलोत की कहानी है, जिनके लिए एडल्टिंग का मतलब है, अपने मम्मी पापा पर निर्भर रहना। यह कहानी तब तक ऐसे ही चलती रहती है, जब तक वो अपने भारतीय परिवार को यह कहकर चौंका नहीं देते हैं कि वो एक बच्चा गोद ले रहे हैं। इसके बाद शुरू होती है एक उथल-पुथल, एक सवाल कि क्या गौरव पापा बनने की चुनौती का सामना कर पाएगा? क्या वह अपने मजेदार और अजीबोगरीब खानदान के क्लेश और प्यार से निपट पाएगा? गौरव गहलोत का किरदार निभा रहे, कुणाल खेमू ने कहा, ''गौरव का किरदार निभाना मेरे करियर के सबसे बेहतरीन तजुर्बों में से एक है। यह किरदार बेदाग, मजेदार, और बहुत प्यारा है, बिल्कुल वैसे ही, जैसे कई सिंगल-पैरेंट होते हैं।

जेएलएल रिपोर्ट के अनुसार इंदौर बन रहा है मध्य भारत का अगला रियल एस्टेट पॉवरहाउस

2027 तक होगा परिवर्तनकारी विकास

इंदौर। इंदौर तेजी से भारत के सबसे आकर्षक उभरते रियल एस्टेट बाजारों में से एक के रूप में उभर रहा है। आने वाले वर्षों में शहर एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजरेगा, जो सेंट्रल इंडिया के कमर्शियल और इंडस्ट्रियल गेटवे के तौर पर इसकी जगह को और पक्का करेगा। अपनीस्ट्रेटेजिक लोकेशन के फायदों, वर्ल्ड-क्लास एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स की एक बड़ी परियोजनाओं की महत्वाकांक्षी श्रृंखला के साथइंदौर सभी रियल एस्टेट एसेट क्लास में लगातार ग्रोथ की एक दिलचस्प कहानी पेश करता है।यह निष्कर्ष जेएलएल की रिपोर्ट बियॉन्ड द मेट्रोज- इनसाइट्स इनटू इंडियाज इमर्जिंग रियल एस्टेट स्टार्समें सामने आया है। शहर की आर्थिक बुनियाद एक बहुत ही अलग-अलग तरह के इंडस्ट्रियल बेस पर टिकी है, जो इसे सिंगल-सेक्टर पर निर्भर मार्केट से अलग बनाती है।पास के पीथमपुर में मौजूद मजबूत ऑटोमोबाइल सेक्टर में लगातार बड़े मैन्युफैक्चरिंग इन्वेस्टमेंट आ रहे हैं,, जबकि टेक्सटाइल और मेटल इंडस्ट्री क्षेत्रीय रोजगार बढ़ाने और आर्थिक स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक खुद को मजबूत करने वाला साइकिल बनाया है, जो इंदौर को भारत के टियर-2 शहरों में खास बनाता है। जेएलएल की सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर- ईस्ट एंड एमर्जिंग मार्केट्सइंडिया, सुरेखा बिहानी ने कहा, इंदौर स्ट्रेटेजिक लोकेशन, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और इकोनॉमिक डाइवर्सिफिकेशन का एकदम सही मेल है, जो भारत की अगली पीढ़ी के कमर्शियल रियल एस्टेट डेस्टिनेशन को बताता है।2027 तक ऑफिस स्पेस स्टॉक 38 प्रतिशत बढ़कर 24.9 मिलियन वर्गफुट तक पहुंचने की उम्मीद है। सुपर कॉरिडोर एक वर्ल्ड-क्लास बिज़नेस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर उभर रहा है, हम सेंट्रल इंडिया के प्रीमियर कमर्शियल गेटवे को बनते हुए देख रहे हैं। 35 से 55 रुपये प्रति वर्गफुट के किराये पर ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की उपलब्धता इंदौर को पारंपरिक महानगरों के मुकाबले एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।

ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने भरोसेमंद और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए टाटा मोटर्स के साथ सहयोग किया

मुंबई, एजेंसी। तीन दशक से अधिक समय से भारत के सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में अग्रणी भूमिका निभा रही ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन ने परिचालन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 1991 में स्थापित कंपनी आज बड़े उद्योगों से लेकर छोटे और मझोले व्यवसायों तक को एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान कर रही है। मजबूत वेयरहाउसिंग सुविधाओं और प्रशिक्षित कार्यबल के साथ कंपनी ने विश्वसनीयता, समयबद्ध सेवाओं और उन्नत परिचालन गुणवत्ता के लिए एक मजबूत पहचान बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपने बेड़े में 30 नए टाटा एलपीटी 1921 ट्रक शामिल किए हैं। 1,000 से अधिक टाटा वाहनों के पहले से परिचालन में होने के साथ, यह विस्तार ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन और भारत की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करता है। इन नए वाहनों की शामिल होने से कंपनी देशभर में हाई-वॉल्यूम कंसाइनमेंट्स की क्षमता बढ़ा सकेगी और ग्राहकों को तेज, निर्बाध और समयबद्ध सेवाएँ प्रदान कर सकेगी। इस साझेदारी पर राघव सिंघल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, ओम लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन, ने कहा, हमारा उद्देश्य व्यवसायों के लिए लॉजिस्टिक्स को सरल, कुशल और स्केलेबल बनाना है। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के साथ हमारी दीर्घकालिक साझेदारी ने हमारी विकास यात्रा को गति दी है। तेजी से बढ़ते डिजिटलाइजेशन और शहरी विस्तार के बीच टाटा एलपीटी 1921 ट्रकों का शामिल होना हमारी क्षमता को और मजबूत करेगा।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड केस स्टडी: मधु लुनावत

इंदौर। आज के बदलते और अक्सर बदलते रहते फाइनेंशियल माहौल में इन्वेस्टर ऐसी स्ट्रेटेजी ढूंढ रहे हैं जो ग्रोथ और स्टेबिलिटी दोनों दे सकें। हालांकि ट्रेडिशनल इन्वेस्टमेंट के तरीकों के अपने फायदे हैं लेकिन ज्यादा मजबूत और अलग-अलग तरह के तरीके की जरूरत पहले कभी इतनी साफ नहीं थी। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड एक पावरफुल सॉल्यूशन के तौर पर सामने आए हैं, जो वेल्थ क्रिएशन के लिए एक बैलेंस्ड और डिसिप्लिन्ड तरीका देते हैं। मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड को एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड क्रिकेट टीम की तरह सोचें। आपको एग्रेसिव बैट्समैन (इक्विटी) चाहिए जो तेजी से रन बना सकें और गेम को आगे बढ़ा सकें। स्टेबल मिडिल-ऑर्डर बैट्समैन (डेट) जो विकेट गिरने पर इनिंग्स को संभाल सकें, एक ऑल-राउंडर (गोल्ड) जो कई तरह से योगदान दे सकें और एक भरोसेमंद विकेटकीपर (कैश) जो मौकों का फायदा उठा सके। सिर्फ एग्रेसिव बैट्समैन वाली टीम तेजी से रन बना सकती है लेकिन कोई भी टीम प्रेशर में ढह सकती है। इसी तरह एक पोर्टफोलियो को लंबा गेम जीतने के लिए अलग-अलग ताकत वाले कई तरह के प्लेयर्स की जरूरत होती है। ज्यादातर इन्वेस्टर्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती ऑप्शन की कमी नहीं, बल्कि सही एसेट्स का मिक्स चुनने की मुश्किल है। इक्विटी में ग्रोथ की ज्यादा संभावना होती है, लेकिन उनमें काफी उतार-चढ़ाव होता है। डेट इंस्ट्रुमेंट्स स्टेबिलिटी और रेगुलर इनकम देते हैं, लेकिन वे लिमिटेड कैपिटल ग्रोथ दे सकते हैं। सोना और दूसरी कमोडिटीज महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ बचाव का काम करती हैं।

इंडिया मारुति सुजुकी के साथ इलेक्ट्रिक हो रहा है; एक भारत, एक ईवी प्लेटफ़ॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुजुकी) ने 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों और एग्रीगेटरों के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, श्री हिसाशी ताकेउचि और सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स), श्री पार्थो बनर्जी और सीपीओ के अन्य वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री हिसाशी ताकेउचि ने कहा, मारुति सुजुकी में, हम अपने ग्राहकों को सुखद ओनरशिप का अनुभव देने का प्रयास करते हैं ताकि कंपनी पर उनका भरोसा लम्बे समय तक बना रहे। आज, हम एक ऐतिहासिक कदम उठा रहे हैं, क्योंकि हम पूरी तैयारी के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, ताकि ईवी चार्जिंग से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके और ग्राहक विश्वास को बढ़ावा मिले। हमने अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क के माध्यम से 1,100 से अधिक शहरों में फैले 2,000 से अधिक मारुति सुजुकी एक्सक्लूसिव चार्जिंग पॉइंट्स का एक मजबूत नेटवर्क स्थापित किया है। इसके अलावा, हमने देशभर में विशाल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों के साथ सहयोग किया है। सुजुकी की वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप, हम कई ईवी पेश करने की योजना बना रहे हैं और इसे समर्थन देने के लिए हमारे डीलर और चार्जिंग पार्टनर्स के साथ हमारा लक्ष्य 2030 तक पूरे भारत में 1 लाख से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क स्थापित करना है। ईवी इकोसिस्टम को पेश करते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स) श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, आज भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए दौर की शुरुआत है। मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मारुति सुजुकी पूरी तरह ईवी के लिए तैयार है और हमारा नया व्यापक प्लेटफॉर्म ईवी चार्जिंग ढांचे से जुड़ी प्रमुख चिंताओं का समाधान करता है। देश के सबसे बड़े डीलर नेटवर्क और हमारे चार्जिंग पार्टनर्स के नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, हम भारत के 100 प्रमुख शहरों में हर महत्वपूर्ण स्थान पर औसतन 5-10 किलोमीटर की दूरी पर ईवी चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध करा रहे हैं। प्रमुख हाईवे पर भी नियमित अंतराल पर डीसी फास्ट चार्जर लगाए गए हैं, ताकि हमारे भविष्य के ईवी ग्राहकों को पूरे देश में बिना रुकावट सफर की आज़ादी मिल सके। ग्राहकों को और भी अच्छी सुविधा देने के लिए, हमने 1.5 लाख विशेष रूप से प्रशिक्षित ईवी वर्कफोर्स तैनात की है, जो हमारे ग्राहकों की हर आवश्यकता को पूरा करेगी। हमने देश के हर हिस्से में ईवी ओनरशिप के अनुभव को समर्थन देने के लिए, आफ्टर-सेल्स आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 1,100 शहरों में 1,500+ ईवी-रेडी सर्विस वर्कशॉप्स भी सक्रिय कर दी हैं।

यूनिहेल्थ ने समेकित शुद्ध लाभ में वर्ष-दर-वर्ष 195 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। कंसल्टेंसी लिमिटेड कंसल्टेंसी लिमिटेड एक वैश्विक हेल्थकेयर प्रदाता है जिसकी अफ्रीका में व्यापक संचालन मौजूद है और अब भारत में तेजी से विस्तार कर रहा है – जिसमें अस्पताल, मेडिकल सेंटर, कंसल्टेंसी, फार्मा डिस्ट्रीब्यूशन और मेडिकल ट्रैवल शामिल हैं – ने एच1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, यूनिहेल्थ हॉस्पिटल्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अक्षय परमार ने कहा, एच1 एफवाय26 हमारे लिए महत्वपूर्ण प्रगति का समय रहा, क्योंकि हमने भारत और अफ्रीका में अपने पदचिह्नों को और मजबूत किया तथा निर्माणाधीन प्रमुख परियोजनाओं को आगे बढ़ाया। इस अर्ध-वर्ष के दौरान हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक नवी मुंबई में हमारी पहली यूएमसी हॉस्पिटल सुविधा का पूरा होना रहा – एक 52-बेड वाला मल्टी-स्पेशियलिटी तृतीयक देखभाल अस्पताल, जिसमें मॉड्यूलर थिएटर्स, कैथेटराइजेशन लैब और अत्याधुनिक आईसीयू शामिल हैं। भारत में हमारी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए, नासिक में हमारा आगामी 200-बेड वाला तृतीयक देखभाल अस्पताल अगले कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में चालू होने की तैयारी में है।

अब तक की सर्वाधिक वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है

सोनालीका ने 1,26,162 ट्रैक्टरों की कुल वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड दर्ज किया

नई दिल्ली एजेंसी।

भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल-नवंबर 2025 में 1,26,162 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक वायटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। यह असाधारण प्रदर्शन सोनालीका के सशक्त नेतृत्व और भारत तथा वैश्विक परिदृश्य में कृषि मशीनीकरण को गति देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

बेहतर दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसान तेज़ी से बड़े हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों पर निर्भर हो रहे हैं और सोनालीका का मज़बूत प्रदर्शन भारत में पारंपरिक खेती से तकनीक-आधारित कृषि की ओर तेज़ी से बढ़ते बदलाव का संकेत देता है। हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर दुनिया भर के 150 देशों में विभिन्न प्रकार की मिट्टी में ज़बरदस्त प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बिक्री में यह उल्लेखनीय नई गति आधुनिक ट्रैक्टरों और उपकरणों के तेज़ी से बढ़ते उपयोग, अनुकूल सरकारी पॉलिसी और लगातार बेहतर होते एम एस पी ढांचे से प्रेरित है, जिससे किसानों में नई कृषि शैली अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। नए रिकॉर्ड प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, कृषि का भविष्य उन सभी का है जो उद्देश्यपूर्ण इनोवेशन करते हैं, और हम स्मार्ट कृषि समाधान विकसित करने और निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। अप्रैल-नवंबर 2025 में हमारी 1,26,162 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक वायटीडी कुल ट्रैक्टर बिक्री भारतीय कृषि में हो रहे परिवर्तन का एक सशक्त संकेत है। भारत में मशीनीकरण तेज़ी से बढ़ रहा है, और जी एस टी कटौती, एम एस पी में बढ़ोतरी से किसानों का आधुनिक ट्रैक्टर और स्मार्ट उपकरण अपनाने का विश्वास बढ़ा है। आई टी एल में, हमें इस बदलाव का नेतृत्व करने पर गर्व है और हम किसानों का समर्थन करते हुए भारत को कृषि में एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद करते रहेंगे।

कोटक म्यूचुअल फंड एनुअल आउटलुक 2026

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने अपना मार्केट आउटलुक 2026 जारी किया। इस रिपोर्ट में आने वाले साल में भारत की आर्थिक स्थिति और उन अहम निवेश थीम पर विस्तार से जानकारी दी गई है, जो वित्तीय बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। रिपोर्ट में शेयर बाजार, फिक्स्ड इनकम और थीमेटिक सेक्टर्स में मौजूद अवसरों की बात की गई है, साथ ही वैश्विक व घरेलू ट्रेंड को समझने पर जोर दिया गया है, जिन पर निवेशकों को नजर रखनी चाहिए। कोटक महिंद्रा एएमसी के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश शाह ने कहा कि, वित वर्ष 2026 में इक्विटी से मिलने वाला रिटर्न कंपनियों की कमाई में बढ़ोतरी पर निर्भर रहेगा। उम्मीद है कि भारतीय कंपनिया वित वर्ष 2027 में डबल डिजिट की मजबूत अर्निंग दिखाएगी।

लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड (कंपनी, फ्लाईविंग्स) केबिन और कॉकपिट क्रू के लिए सुरक्षा और आपातकालीन प्रक्रियाओं पर केंद्रित सिमुलेशन-आधारित विमानन प्रशिक्षण प्रदान करती है। कंपनी अपनी इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुक्रवार, 05 दिसंबर 2025 को खोलने जा रही है, जिसका उद्देश्य ?57.05 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाना है, और इसके शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग फ्लाइट प्रशिक्षण उपकरणों की पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्सा 04 दिसंबर 2025 को खुल जाएगा और इश्यू 09 दिसंबर 2025 को बंद होगा।

बुक रनिंग लीड मैनेजर- सोभाग्य कैपिटल ऑप्शंस प्राइवेट लिमिटेड और ग्रेटेक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड इश्यू के रजिस्ट्रार- बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर के प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकार, श्री रुपल संजय मंडाविया ने कहा, आईपीओ फ्लाईविंग्स सिम्युलेटर ट्रेनिंग सेंटर लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सिमुलेशन-आधारित विमानन प्रशिक्षण में मजबूत नींव और सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रक्रियाओं पर समर्पित फोकस के साथ, कंपनी ने उद्योग में एक विश्वसनीय और बढ़ती उपस्थिति स्थापित की है। इसके डीजीसीए द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्र, उन्नत सिम्युलेटर इकोसिस्टम द्वारा समर्थित, फ्लाईविंग्स को विमानन क्षेत्र की बढ़ती प्रशिक्षण मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने की स्थिति में रखते हैं।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर, मोटोरोला इंडिया ने की साझेदारी

मुंबई, एजेंसी।

भारत के घरेलू एंड्रॉइड ऐप मार्केटप्लेस, इंडस ऐपस्टोर ने आज मोटोरोला के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के बाद, भारत में मोटोरोला के डिवाइसेस पर इंडस ऐपस्टोर उपलब्ध होगा। इससे इंडस ऐपस्टोर पहले से ज्यादा डिवाइसेस पर उपलब्ध हो पाएगा और भारत में मोटोरोला के यूजर्स को पर्सनलाइज्ड ऐप डिस्कवरी अनुभव मिल सकेगा।

इंडस ऐपस्टोर, भारतीय ग्राहकों को ऐप की दुनिया में एक बेहतर विकल्प देता है। इसे विशेष रूप से यूजर्स की पसंद और देश की विविध संस्कृति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हर भारतीय स्मार्टफोन यूजर तक पहुँचने के लिए, यह प्लेटफॉर्म अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य 12 भाषाओं में अपनी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इसमें एआइ-पावर्ड वॉयस सर्च भी है, जिससे यूजर को क्षेत्रीय भाषा के कठिन शब्द टाइप नहीं करने पड़ते। इसके साथ ही, वीडियो प्रीव्यू की सुविधा यूजर्स को किसी ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसके फंक्शन को विजुअली एक्सपीरियंस करने का मौका देती है।

इंडस ऐपस्टोर अपनी बेहतरीन ऐप स्टोर नीतियों के कारण, भारत के डेवलपर्स और ऐप्स के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करता है। यह वितरण के लिए केवल एक ही स्रोत पर निर्भरता को कम करता है और जिससे बाज़ार में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक विकल्प सामने आता है। यह कदम न केवल बड़ी संख्या में स्थानीय डेवलपर्स को सशक्त और सक्षम बनाएगा, बल्कि भारतीय डेवलपर इकोसिस्टम को वैश्विक मंच पर सफल होने के लिए बढ़ावा भी देगा।

इंडस ऐपस्टोर की चीफ बिजनेस ऑफिसर, प्रिया एम. नरसिम्हन जी ने इस महत्वपूर्ण प्रगति पर उत्साह के साथ कहा, हमें मोटोरोला के साथ साझेदारी करके बहुत खुशी हो रही है, इसके माध्यम से हम अधिक से अधिक भारतीयों को इंडस ऐपस्टोर का अनुभव आसानी से उपलब्ध करा पाएंगे। यह साझेदारी पूरे भारतीय बाजार की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा, यह ऐप स्टोर सही मायने में मेड-फॉर-इंडिया की भावना को दर्शाता है और भारतीय ऐप अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यह सहयोग हमारे उस लक्ष्य को बल देता है कि हम भारतीयों को एक ऐसा बेहतरीन विकल्प दें, जहाँ वे सहजता से अपने क्षेत्र के हिसाब से ऐप्स को ढूंढ सकें और डाउनलोड कर पाएँ।

मोटोरोला मोबिलिटी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, टी. एम. नरसिम्हन ने भी अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मोटोरोला में, हमने हमेशा भारत में अपने यूजर्स को एक उत्कृष्ट और उनके क्षेत्र के हिसाब से अनुभव देने को प्राथमिकता दी है और इंडस ऐपस्टोर हमारे इस दृष्टिकोण पर पूरी तरह से खरा उतरता है। इस स्वदेशी प्लेटफॉर्म को एकीकृत करके, हम यूजर्स को एक नया माध्यम प्रदान कर रहे हैं जो उनको अपनी संस्कृति के हिसाब से ऐप खोजने का विकल्प देकर उनके अनुभव को बेहतर बनाता है। इस साझेदारी से भारतीय डेवलपर्स को भी लाभ होगा। इस सहयोग से एक और बड़ा लाभ यह है कि इंडस ऐपस्टोर का विशिष्ट वितरण मॉडल, भारतीय डेवलपर्स को उनके सही यूजर्स को जोड़ेगा।

बल्ककॉर्प इंटरनेशनल ने एच1 एफवाय26 में मजबूत 30 प्रतिशत पीएटी वृद्धि दर्ज की

अहमदाबाद, एजेंसी। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड खाद्य-ग्रेड एफआईबीसी के प्रमुख निर्माताओं में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अनऑडिटेड परिणामों का उत्साहपूर्ण ऐलान किया है। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री पुनीत गोपलका ने कहा, हमें यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि एच1 एफवाय26 में हमने मजबूत प्रदर्शन दिया, जिसका समर्थन मजबूत निर्यात गति और हमारे एफआईबीसी व बल्क पैकेजिंग समाधानों की बढ़ती मांग ने किया। कुल आय में वर्ष-दर-वर्ष 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मौजूदा वैश्विक ग्राहकों से उच्च ऑर्डर प्रवाह और नई भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार के कारण हुई। ईबीआईटीडीए में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो बेहतर संचालन दक्षताओं और मूल्य-वर्धित, टिकाऊ पैकेजिंग उत्पादों पर निरंतर फोकस को दर्शाती है। शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़ा, जो मार्जिन सुधार और अनुशासित लागत नियंत्रण से प्रेरित है।

इस अर्धवार्षिक प्रदर्शन ने कंपनी की स्थिति को विश्वसनीय और उच्च-गुणवत्ता, पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग समाधानों की मांग करने वाले वैश्विक उद्योगों के लिए भरोसेमंद साझेदार के रूप में मजबूत किया है। हम अपने अंतरराष्ट्रीय पदचिह्न को बढ़ाने और दीर्घकालिक, निर्यात-प्रधान वृद्धि हासिल करने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

संचार साथी ऐप: अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

ललित गर्ग

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं।

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों,

तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का सहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठ परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हो या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है।

यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि 'स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।' इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

संपादकीय

हिंद-रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के प्रवास पर हैं। वह अपने साथ दोस्ती की नई पेशकशें और आयाम लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 5 दिसंबर को शिखर, द्विपक्षीय संवाद के बाद जो साझा बयान जारी किया जाएगा और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, उनके बाद दोस्ती, सहयोग, समर्थन नई ऊंचाइयां छुएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने भी रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। यह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26,000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक-तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुर्माने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रैलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य-शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत-रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा।

चिंतन-मनन

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चित रूप से सोती और निश्चित जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढ़िया निश्चित सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढ़िया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आक्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढ़िया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है। फिर वह पूर्ण अनुशासित हो जाता है, नियंत्रित हो जाता है। जागरूकता का विकास सिद्धान्त को जानने मात्र से नहीं होता। उसका विकास तब होता है, जब साधक उचित दिशा में जागरूकता का अभ्यास करे।

ध्रुव तारे की तरह अटल है भारत-रूस की दोस्ती

सनत जैन

भारत-रूस के दोस्ताना ताल्लुक सात दशक से बराबर चले आ रहे हैं। फिर चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सांस्कृतिक संबंधों की बात ही क्यों न हो। हिन्दी सिने जगत ने तो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अहम भूमिका अदा की। वैश्विक धरातल पर फिल्मी जगत की बात करें तो राज कपूर का नाम जरूर आता है, जिन्होंने 70 एमएम के रुपहले पर्दे पर मेरा नाम जोकर फिल्म को प्रदर्शित कर भारत-रूस संबंधों को एक तरह से मजबूत करने में सहयोग प्रदान किया। भारत-रूस संबंध आज उस ऐतिहासिक विरासत के साथ खड़े हैं, जिसकी जड़ें बीते कई दशकों में गहराई तक जा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान जब इस दोस्ती को ध्रुव तारे जैसा अटल बताया, तो यह सिर्फ कूटनीतिक विनम्रता नहीं थी; बल्कि उन यादों, संघर्षों और वैश्विक उथल-पुथल का सम्मान था, जिनमें यह संबंध समय-समय पर परखे गए और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे। एक नया दौर वर्ष 2000 में शुरू हुआ, जब पुतिन और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक संबंधों का ढांचा तैयार किया। इसके मात्र दस वर्ष बाद इसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत कर दिया गया। यह वही समय था जब दुनिया आतंकवाद, आर्थिक संकट और नई शक्ति-संरचनाओं के बीच खुद को पुनर्परिभाषित कर रही थी। इसके बावजूद भारत-रूस संबंध स्थिर रहे, एक ऐसे स्थायित्व का प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुव तारा कहकर परिभाषित किया है। पिछले ढाई दशकों में रूस ने भारत के साथ रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ताना-बाना बुना। चाहे ब्रह्मोस मिसाइल की संयुक्त परियोजना हो, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद हो, या फिर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इन सभी ने इस साझेदारी को वास्तविक और प्रभावशाली रूप दिया। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर रूस भारत का एक विश्वसनीय स्तंभ रहा है। पीएम मोदी ने इसे साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया है और यह सही भी है, क्योंकि सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा से लेकर क्रूड ऑयल तक, रूस ने भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जब दुनिया नई तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स पर आधारित नई औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, तो भारत और रूस का सहयोग एक बार फिर निर्णायक साबित हो गया है। क्रिटिकल मिनरल्स में संयुक्त पहलों से सुरक्षित सप्लाई चेन बनेगी, वहीं शिपबिल्डिंग सहयोग मेक इन इंडिया को नई गति देगा। यह सहयोग सिर्फ औद्योगिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्कता को लेकर भी गहरे प्रभाव डालेगा। इतिहास गवाह है कि भारत-रूस की दोस्ती संकटों और संघर्षों की भट्ठी में तपकर बनी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले से लेकर रूस के क्रोकस सिटी हॉल हमले तक का जिक्र करते हुए कहते हैं, कि आतंकवाद की जड़ें भले भिन्न भूभागों में हों, पर उद्देश्य एक ही होता है, मानवता पर हमला। यही कारण है कि भारत और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, यूएन, जी-20, ब्रिक्स, एससीओ सभी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। दोनों देशों की यह नैतिक एकता वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवादी हमले और शांतिप्रिय देशों की बढ़ती परेशानी के बीच जब आज प्रधानमंत्री मोदी यह कहते हैं, कि भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है।, तो यह वक्तव्य वैश्विक कूटनीति के एक नए दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है। गुटनिरपेक्षता के धरातल पर चलते हुए भारत शांति को अपनी विदेश नीति का केंद्र मानता है और रूस के साथ मिलकर इस दिशा में काम करता रहा है। पुतिन द्वारा राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करना इसी संदेश को आगे बढ़ाता है कि शक्ति और शांति की अवधारणाएँ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। इस अवसर पर यह स्वीकारना आवश्यक है, कि रूस-भारत संबंध पुतिन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। मोदी का यह कहना, कि हर परिस्थिति में पुतिन की दूरदर्शिता ने इस रिश्ते को मजबूती दी। केवल राजनयिक प्रशंसा नहीं, बल्कि संबंधों की निरंतरता के प्रति आभार है। दुनिया बहुध्रुवीय युग की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत-रूस की यह स्थिर साझेदारी ध्रुव तारे की तरह ही मार्गदर्शक है, अटल, स्थिर और विश्व व्यवस्था में संतुलन का प्रतीक। आने वाले वर्षों में यह संबंध केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे ऐसी उम्मीद है।

अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की त्रिवेणी: एकता, बंधुत्व और सम्मान

दिलीप कुमार पाठक

विदेश जाकर अर्थशास्त्र डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. अम्बेडकर पहले भारतीय थे, जब वे 1926 में भारत आए तब उन्हें मुंबई की विधानसभा का सदस्य चुना गया ' अम्बेडकर आजाद देश के पहले कानून मंत्री थे, साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था ' डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान निर्माता भी थे, इसलिए आजाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीतिक में उनका कद बहुत विशाल है, आज 06 दिसम्बर को डॉ. अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है, पुण्यतिथि को ही परिनिर्वाण दिवस कहते हैं ' डॉ. अम्बेडकर संविधान निर्माता के साथ परम विद्वान, सामाजिक न्याय, एवं स्त्रियों के अधिकारों के लिए भी याद किए जाते हैं ' आज हमारे देश में स्त्रियों की स्थिति में सुधार हो रहा है, इसका सबसे बड़ा श्रेय भी बाबा साहब अम्बेडकर को जाता है, डॉ. अम्बेडकर का कद भारतीय राजनीति में वही है जो नेहरू, पटेल, का है, देश दुनिया में उनके चाहने वाले बाबा साहेब कहकर संबोधित करते हैं ' आज के दौर में लोगों की धारणा है कि डॉ. अम्बेडकर दलितों के नेता थे, लेकिन वे देश के अग्रणी नेता थे जो खुद एक विचार बन गए ' किसी भी व्यक्ति का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाना इसलिए महत्वपूर्ण कि इस दिन लोग उनकी बुराईयों की बजाय उनकी अच्छाईयों को याद करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लेते हैं । बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर बिना भेदभाव के दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और देश के सर्वांगीण विकास के लिए आजीवन समर्पित रहे । बाबा साहेब डॉ. की मृत्यु 6 दिसम्बर 1956 को हुई थी, यही कारण है कि डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिन या पुण्यतिथि हर साल उन्हें 6 दिसम्बर को देश में ही नहीं विदेशों में भी श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये मनाया जाता है । वे, 'भारतीय संविधान के जनक' थे, उनके प्रयास और मेहनत के परिणाम के बाद ही भारत को अपना संविधान प्राप्त हो पाया है, डॉ. अम्बेडकर बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत ही उत्साहित रहते थे, परन्तु महार जाति के होने के कारण उनके साथ भेद-भाव किया जाता था । उनकी मृत्यु विवादित रही कि उनकी मृत्यु स्वाभाविक थी या हत्या, जिसका आज तक पता न चल सका । इस दिन दलित वर्ग उनकी प्रतिमा पर फूल, माला, दीपक और मोमबत्ती जलाकर और संविधान की प्रति भेंट करके उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और एक सबसे प्रसिद्ध नारा 'बाबा साहेब अमर रहें' लगाते हैं । इस अवसर पर बौद्ध भिक्षु सहित कुछ लोग कई पवित्र गीत भी गाते हैं ' डॉ. अंबेडकर ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक भारत की नींव रखी थी, ऐसा एक सच्चा और समर्पित देशभक्त ही कर सकता है, उन्होंने कहा था 'हम भारतीय हैं, सबसे पहले भी और अंत में भी ।' लेकिन देश उनके इस योगदान को लेकर आज भी जागरूक नहीं है ।

उनके विचार व सिद्धांत भारतीय राजनीति के लिए हमेशा से प्रासंगिक रहे हैं । दरअसल वे एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था के हिमायती थे, जिसमें राज्य सभी को समान राजनीतिक अवसर दे तथा धर्म, जाति, रंग तथा लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न किया जाए। उनका यह राजनीतिक दर्शन व्यक्ति और समाज के परस्पर संबंधों पर बल देता है । उनका कहना था 'राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं चल सकता जब तक कि सामाजिक लोकतंत्र का आधार नहीं होता । सामाजिक लोकतंत्र का क्या अर्थ है? इसका मतलब जीवन का एक तरीका है जो जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को पहचानता है । उनका यह दृढ़ विश्वास था कि जब तक आर्थिक और सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, तब तक जनतंत्र की स्थापना अपने वास्तविक स्वरूप को ग्रहण नहीं कर सकेगी ' दरअसल सामाजिक चेतना के अभाव में जनतंत्र आत्मविहीन हो जाता है । ऐसे में जब तक सामाजिक जनतंत्र स्थापित नहीं होता है, तब तक सामाजिक चेतना का विकास भी संभव नहीं हो पाता है ।

डॉ. अम्बेडकर भारतीय समाज में स्त्रियों की हीन दशा को लेकर काफी चिंतित थे । उनका मानना था कि स्त्रियों के सम्मानपूर्वक तथा स्वतंत्र जीवन के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है । अम्बेडकर ने हमेशा स्त्री-पुरुष समानता का व्यापक समर्थन किया । इस संबंध में उनका कहना था 'पति-पत्नी के बीच का रिश्ता करीबी दोस्तों के जैसा होना चाहिए' और 'मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है ।' यही कारण है कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम विधिमंत्री रहते हुए 'हिंदू कोड बिल' संसद में प्रस्तुत किया और हिन्दू स्त्रियों के लिए न्याय सम्मत व्यवस्था बनाने के लिए इस विधेयक में उन्होंने व्यापक प्रावधान रखे । उल्लेखनीय है कि संसद में अपने हिन्दू कोड बिल मसौदे को रोके जाने पर उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया । इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की बात कही गई थी । दरअसल स्वतंत्रता के इतने वर्ष बीत जाने के पश्चात व्यावहारिक धरातल पर इन अधिकारों को लागू नहीं किया जा सका है, वहीं आज भी महिलाएँ उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव हिंसा, समान कार्य के लिए असमान वेतन, दहेज उत्पीड़न और संपत्ति के अधिकार ना मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं । डॉ. अम्बेडकर ने अपनी विचारधारा, अपनी सोच एवं शिक्षा से सभी की जिन्दगी में सकारात्मकता फैलाई ' डॉ. अम्बेडकर के विचार हमारे देश के लिए महान विरासत हैं, जो हमेशा प्रासंगिक रहेंगे '

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता पर भावुक हुईं कृति सेनन

कृति सेनन और धनुष की ताज़ा रिलीज़ फिल्म 'तेरे इश्क में' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों के प्यार और बेहतरीन कमाई ने फिल्म की टीम का उत्साह बढ़ा दिया है। खासकर कृति सेनन की एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जिसके बाद फैंस अभिनेत्री को हिंदी सिनेमा की उभरती हुई और दमदार परफॉर्मर बता रहे हैं। फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए किरदार 'मुक्ति' को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिल रही है। इसी फैन लव को महसूस करते हुए कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कई इंफ्लुएंसर्स और फिल्म क्रिटिक्स उनकी एक्टिंग की खुलकर तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि मुक्ति का किरदार कई परतों वाला और भावनात्मक रूप से बेहद पेचीदा था, जिसे कृति ने न सिर्फ ईमानदारी से निभाया, बल्कि पर्दे पर उसे जीवंत बना दिया। कई समीक्षा देने वालों का यह भी मानना है कि इस रोल को कृति जितनी बारीकी और संवेदनशीलता के साथ कोई और अभिनेत्री निभा ही नहीं पाती। इतनी भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ देखकर कृति सेनन खुद भी भावुक हो गईं और उन्होंने दिल से अपने दर्शकों का धन्यवाद किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मेरा दिल भर आया है। एक अभिनेता के लिए सबसे अच्छा एहसास तब होता है जब दर्शक आपके किरदार के अनकहे शब्दों के बीच की हर छोटी-छोटी भावना से जुड़ जाते हैं। मुक्ति शायद मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों में सबसे ज्यादा पेचीदा किरदार है, और जब उसके दिल की हर धड़कन आपके दिल तक पहुंचती है, तो वो इश्क बन जाता है! इश्क के लिए शुक्रिया।' फिल्म में कृति की भूमिका मुक्ति नाम की लड़की की है, जिसकी जीवन यात्रा कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरती है और हर मोड़ पर उसका किरदार और ज्यादा मजबूत बनकर उभरता है। किरदार की गहराई को समझकर उसे जीवंत बनाने के लिए कृति ने काफी मेहनत की। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म का क्लाइमेक्स शूट करना उनके लिए बेहद थका देने वाला था। पाँच से छह दिनों तक लगातार इंटेंस सीन्स शूट करने के बाद वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक जाती थीं और वह भावनाएँ घर जाकर भी दिमाग में बनी रहती थीं। वहीं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन हिंदी बेल्ट में 15.06 करोड़ रुपये की कमाई कर मजबूत शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। दर्शकों का प्यार और सराहना देखने के बाद अब उम्मीद है कि 'तेरे इश्क में' लंबे समय तक थियेटर्स में अपनी चमक बनाए रखेगी।

फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते है रणबीर-दीपिका

लगभग एक दशक बाद बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि यह प्रोजेक्ट बॉलीवुड के शोमैन राज कपूर की विरासत से जुड़ा हुआ है, और 'ये जवानी है दीवानी' तथा 'ब्रह्मास्त्र' फेम निर्देशक अयान मुखर्जी इसे निर्देशित करने की तैयारी में हैं। पिछले कुछ समय से दीपिका पादुकोण लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 8 घंटे की शिफ्ट के विवाद के बाद उन्हें 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से बाहर कर दिया गया था। वहीं उन्होंने शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' में अपनी एंट्री की घोषणा की है। दूसरी ओर रणबीर कपूर 'रामायणम' को लेकर जोरदार चर्चाओं में हैं। कुछ महीनों पहले दोनों एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद से ही उनके रीयूनियन की चर्चा गर्म है। रिपोर्ट्स का दावा है कि दीपिका और रणबीर जल्द ही फिर स्क्रीन स्पेस साझा करते दिखाई देंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अयान मुखर्जी 1956 की सुपरहिट फिल्म 'चोरी चोरी' से प्रेरित एक आधुनिक रूपांतरण बनाने की योजना बना रहे हैं। इस क्लासिक फिल्म में रणबीर कपूर के दादा राज कपूर और महान अभिनेत्री नरगिस ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई थीं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट कोई सीधा रीमेक नहीं होगा, बल्कि इसमें एक समकालीन टच जोड़ा जाएगा ताकि नई पीढ़ी इससे सीधे तौर पर जुड़ सके, जबकि मूल कहानी की भावनात्मक आत्मा को बरकरार रखा जाएगा। यह रणबीर कपूर के लिए भी बेहद भावुक अनुभव होने वाला है, क्योंकि यह फिल्म उनके दादाजी की याद और पारिवारिक विरासत को सम्मान देने जैसा होगा।

ऋचा चड्ढा ने बताया कैसे बदली अपनी जिंदगी और सोच

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा आज अपनी निडर आवाज, बेबाक बयानों और मजबूत व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाती हैं, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि वे हमेशा से ऐसी नहीं थीं। मुंबई में आयोजित 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट में उन्होंने अपने शुरुआती संघर्षों और उस दौर के दर्दनाक अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था जब वे बेहद डरपोक, समझौतावादी और खुद को कम आंकने वाली इंसान बन चुकी थीं। आज भले ही लोग उन्हें आत्मविश्वास और साहस की प्रतीक मानते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे का सच बिल्कुल अलग था। ऋचा ने एक घटना याद करते हुए बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें कई ऐसे काम स्वीकार करने पड़े जिन्हें करने में उन्हें असहजता महसूस होती थी। उन्होंने कहा, 'एक दिन मैं सेट पर खड़ी थी और मैंने खुद से पूछा मैंने ये फिल्म कब साइन की? मैं यहाँ क्या कर रही हूं? मैं इस आइटम नंबर में क्यों हूं? मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहाँ और कैसे फँस गई हूं।' उन्होंने बताया कि एक डायरेक्टर ने उनसे कहा था कि मेल कोरियोग्राफर चाहिए और तुम्हें 'ऐसे-वैसे' करना है। यह सुनकर वे अंदर से टूट गईं और सोचने लगीं कि आखिर वे यहाँ तक कैसे पहुँच गईं। उन्हें बाद में अहसास हुआ कि किसी लोकल मैनेजर ने कुछ पैसे लेकर गलत रास्ते पर धकेल दिया था।

अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में कई लोग उनकी बाहरी सुंदरता पर टिप्पणी करते थे और उन्हें बदलने की सलाह देते थे। ऋचा ने कहा, 'मुझसे कहा जाता होंठ ठीक करवा लो, नाक ठीक करवा लो, चेहरे पर सुधार करवाओ, गाना शूट करने से पहले पानी मत पीना। मैं हर बात मान लेती थी। मैं अपने शरीर और दिमाग को बहुत चोट पहुँचा चुकी थी। मैं खुद से कहती थी मैं बेकार हूं, मैं अच्छी नहीं हूं।' उन्होंने बताया कि मनोरंजन जगत में कई लोग दूसरों को छोटा महसूस करवाकर खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करते हैं।

अपने बदलाव की प्रक्रिया पर बात करते हुए ऋचा ने कहा कि अपनी आवाज उठाना उन्होंने धीरे-धीरे सीखा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने खुद को स्वीकार करना शुरू किया, तब उन्हें समझ आया कि किसी भी कीमत पर आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। आज वे मानती हैं कि किसी कलाकार का सबसे बड़ा साहस अपनी सच्चाई पर डटे रहना होता है, चाहे दुनिया कुछ भी कहे। हाल ही में ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस पुशिंग बटन्स स्टूडियोज में बनी फिल्म 'सीक्रेट्स ऑफ ए माउंटेन सर्पेंट' का 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

परिवार ने हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला दिया: निहारिका

हाल ही में साउथ इंडस्ट्री की युवा अभिनेत्री और निर्माता निहारिका कोनिडेला ने अपने करियर, चुनौतियों और परिवार से मिलने वाले मजबूत समर्थन के बारे में विस्तार से बात की। एक इंटरव्यू में निहारिका ने विशेष रूप से अपने चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को अपनी सफलता का अहम आधार बताया है। उनका कहना है कि परिवार की मौजूदगी ने न सिर्फ उनके फैसलों को मजबूत बनाया, बल्कि हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला भी दिया। एक बातचीत में जब निहारिका से पूछा गया कि पवन कल्याण और राम चरण उनके जीवन और करियर में कितने महत्वपूर्ण हैं, तो उन्होंने कहा, 'उनके समर्थन से मुझे असाधारण शक्ति मिलती है। मुझे पता है कि वे बिना कुछ कहे भी हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं।

उनके अनुभव और उनके काम करने का अनुशासन मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका मार्गदर्शन अमूल्य है, जिसे मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और काम में अपनाती हूं।'

निहारिका ने स्वीकार किया कि कोनिडेला परिवार का हिस्सा होना गौरव की बात है, लेकिन इसके साथ बड़ी जिम्मेदारी और दबाव भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी, पवन कल्याण और राम चरण जैसी दिग्गज हस्तियों वाले परिवार से आने के कारण लोगों की उम्मीदें उनसे हमेशा ऊंची रहती हैं। हालांकि, वह इस दबाव को बोझ नहीं मानतीं, बल्कि इसे अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता लाने का प्रेरक माध्यम मानती हैं। उनके अनुसार, हर फिल्म के सेट पर कदम रखते समय उनका एक ही लक्ष्य होता है अपने परिवार और दर्शकों को गर्व महसूस कराना। अपने फैंस के प्यार को लेकर भी निहारिका काफी भावुक दिखीं। उन्होंने कहा, 'दर्शकों ने हमेशा मुझे अपने परिवार की तरह प्यार दिया है। जब आपको इतनी सुरक्षा और विश्वास मिलता है, तो आप अपने काम को और बेहतर ढंग से कर पाते हैं। मैं इस समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' निहारिका ने अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन में भी सफलता हासिल की है और कई युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वह मानती हैं कि स्वतंत्र पहचान बनाने के लिए निरंतर मेहनत, ईमानदारी और सीखने का जुनून जरूरी है।

फातिमा सना शेख ने एआई के दौर में खोती संवेदनशीलता पर जताई चिंता, बोलीं 'शब्द बहुत कीमती हैं'

मुंबई में आईएफपी फिल्म फेस्टिवल सीजन-15 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। इस मौके पर अभिनेता विजय वर्मा और अभिनेत्री फातिमा सना शेख भी शिरकत करने पहुंचे। यहां फातिमा ने अपनी नई फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के अनुभव के साथ-साथ आज के डिजिटल दौर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि तेज़ी से बदलते तकनीकी समय में भावनाओं को व्यक्त करने की नजाकत और संवेदनशीलता धीरे-धीरे खोती जा रही है। फातिमा सना शेख ने एक बातचीत में कहा कि एआई भले ही दुनिया को आगे की तरफ ले जा रहा हो, लेकिन इसके चलते इंसानी एहसास और शब्दों की गहराई कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले लोग एक-दूसरे को हाथ से लिखे चिट्ठी-पत्र और कविताएँ भेजा करते थे। वे पत्र सिर्फ शब्दों का मेल नहीं, बल्कि भावनाओं का खजाना होते थे, जिन्हें पढ़कर दिल में एक विशेष एहसास जाग उठता था। आज की पीढ़ी उस खूबसूरत दौर से दूर होती जा रही है। फातिमा ने कहा, 'आज एआई के जमाने में हम खुद से सोचना ही बंद करते जा रहे हैं। चाहे भाषा हिंदी हो या अंग्रेजी, अगर आपके विचार स्पष्ट नहीं हैं, तो आप दिल की बात कैसे साफ-साफ कह पाएंगे? शब्द बहुत कीमती हैं। लेटर लिखना, कविता लिखना आज भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि इसी से हमारी सोच गहरी और सटीक बनती है।' फातिमा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ विजय वर्मा और नसीरुद्दीन शाह नजर आए हैं। अभिनेत्री ने नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके साथ अभिनय करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद गहरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'मैंने मन ही मन कई बातें सोच रखी थीं क्या नसीर साहब मेरे काम को जज करेंगे? क्या उन्हें मेरी एक्टिंग में कमी लगेगी? एक दिन एक इमोशनल सीन था जिसमें मुझे रोना था, लेकिन उनके सामने मुझसे कुछ भी नहीं हो पा रहा था। मैं डर और चिंता में फंस गई थी।' इसके बाद नसीरुद्दीन शाह चुपचाप उनके पास आए। फातिमा ने बताया, 'उन्होंने मेरी नब्ज पकड़ ली। कुछ देर बाद कहा 'इस पल में जियो, ज्यादा मत सोचो।' जैसे ही उन्होंने यह कहा, मेरी सारी घबराहट दूर हो गई। उनकी बात मेरे दिल को छू गई और सीन स्वाभाविक रूप से हो गया।' फातिमा के इन अनुभवों ने दर्शाया कि सिनेमा सिर्फ कला नहीं, बल्कि संवेदनाओं और इंसानी जुड़ाव से बना माध्यम है। डिजिटल शोर के बीच शब्दों की सादगी और भावनाओं की गहराई को बचाए रखना आज भी उतना ही जरूरी है, चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए।

अनन्या पांडे का नया ग्लैमरस अंदाज़ हुआ वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे एक बार फिर दर्शकों को रोमांस और संगीत से भरपूर मनोरंजन देने के लिए तैयार हैं। वे जल्द ही अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी, जिसकी चर्चाएँ अब तेज हो गई हैं। हाल ही में अनन्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल ट्रैक की शूटिंग के दौरान अपने कुछ शानदार लुक्स की तस्वीरें शेयर कीं, जिनके बाद इंटरनेट पर उनका ग्लैमरस अंदाज़ तेजी से वायरल होने लगा।

अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, फ़फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के टाइटल ट्रैक के मेरे कुछ पसंदीदा लुक्स। क्या आपने अभी तक टाइटल ट्रैक देखा? मेरी ग्लैम और फैशन टीम को ढेर सारा प्यार।फ़ तस्वीरों में अनन्या बेहद आकर्षक और स्टाइलिश दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग आउटफिट्स में उनका लुक देखने लायक है कहीं वह मॉडर्न एथनिक वियर में दिखती हैं, तो कहीं बिल्कुल वेस्टर्न स्टाइल में। हर फ्रेम में उनका मेकअप, हेयरस्टाइल और कॉस्ट्यूम परफेक्शन का अहसास कराते हैं, जो उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्ट किए जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने उनकी तारीफों की झड़ी लगा दी। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर, महीप कपूर और नव्या नवेली नंदा ने फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए उनकी खूबसूरती और स्टाइल की सराहना की। कमेंट सेक्शन में फैंस ने भी हार्ट और फायर इमोजी की बरसात कर दी, जिससे यह पोस्ट ट्रेंड करने लगी।

गौरतलब है कि अनन्या और कार्तिक आर्यन लगभग छह साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने वर्ष 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक बार फिर यह जोड़ी रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ स्क्रीन पर लौटने वाली है, जिसको लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि इसी दिन अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' भी रिलीज होने वाली है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। यह देखना होगा कि दर्शक रोमांटिक लव स्टोरी की ओर आकर्षित होते हैं या देशभक्ति पर आधारित कहानी उनकी पसंद बनती है। इसके अतिरिक्त, अनन्या पांडे अभिनेता लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में भी दिखाई देंगी, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। यह एक खूबसूरत प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म बताई जा रही है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका तीसरे एकदिवसीय में आज होंगे आमने-सामने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। अभी तक ये सीरीज एक-एक से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहला जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मैच जीता था। भारतीय टीम को इस मैच में भी विराट कोहली और रोहित शर्मा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट ने पहले दोनों एकदिवसीय में शतक लगाये थे जबकि रोहित ने पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रन बनाने के बाद भी हार गयी थी। ऐसे में उसके गेंदबाजों को इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को टॉस हारने से भी नुकसान हुआ ऐसे में टीम की कमानी कर के एल राहुल उम्मीद करेंगे कि वह टॉस जीत जायें। मैच के पहले पिच और मौसम की भी अहम भूमिका होगी। विशाखापत्तनम का मौसम खेल के लिए उपयुक्त होगा जबकि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सहायक होगी। यहां पर 300 से अधिक का लक्ष्य अच्छा माना जाएगा। भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे।

वहीं दूसरी और टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों का रिकार्ड लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफ्रीकी के एडेन मार्क्रम, कॉर्बिन बॉश, क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, स्पिनर केशव महाराज के पास रहेगी।

विशाखापत्तनम की पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी मानी जाती है। यह एक ऐसी सतह है जिसपर खिलाड़ी खुलकर शॉट खेल सकते हैं। हालांकि, गेंदबाजों को भी यहां उछाल मिलता है। बल्लेबाज यहां लंबी पारियां खेल सकते हैं

टीमें इस प्रकार हैं

भारत = केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्क्रम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायन।

शेफाली वर्मा आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में, इन प्लेयर्स से मिलेगी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल है।

महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों ने बैंकॉक में पहली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

यूएई की कप्तान ओझा ने सात टी-20 मैचों में 137.50 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए और सात विकेट लिए। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। पुथावोंग 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लेकर थाईलैंड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

विराट तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दोनों मैचों में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उम्मीद की जा रही है कि वह शनिवार को विशाखापट्नम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगायेंगे। इसी को लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने उम्मीद जतायी है कि कोहली तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे। कोहली ने पहले भी एक बार लगातार तीन शतक लगाये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल की थी।

पठान ने कहा, कोहली दो शतक लगा चुके हैं। अब उनके तीसरे मैच में भी शतक की उम्मीद है। ऐसा करना कोई आसान बात नहीं है। हैट्रिक बहुत कठिन काम है हालांकि विराट ये काम कर सकते हैं। वह शानदार फॉर्म में हैं। वह रनों के बहुत भूखे हैं। एक समय था जब कोहली अपने कंधों पर टेस्ट क्रिकेट का पूरा भार को लेकर चल रहे थे। वहीं अब वह एकदिवसीय क्रिकेट को अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। एकदिवसीय में इससे भीड़ उमड़ती जा रही है। टी20 ने पिछले कुछ समय में हालात बदल दिये थे। और सभी टी20 में ही कमेंट्री तक करना चाहते थे। उनका कहना था कि एकदिवसीय क्रिकेट बहुत लंबा हो जाता है। प्रशंसकों को भी लंबे समय तक बैठना पड़ता है

वहीं पिछले दो मैचों में काफी आनंद आया और समय का पता ही नहीं चला। स्टेडियम भरा हुआ था और काफी लोग देखने आ रहे थे। कोहली और रोहित शर्मा के लिए लोगों में जबरदस्त दीवानगी रही। लोग अच्छा क्रिकेट देखने आ रहे हैं। इसी वजह से कोहली पर अच्छे प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इसी कारण उम्मीद है कि वह वह तीसरे मैच में भी शतक लगाएं। उन्होंने दो मैचों में अलग योजनाओं के साथ उतरकर शतकीय पारियां खेलीं। इसका कारण है कि वह हालात के अनुसार खेलने में माहिर है।।

स्टेन का बड़ा बयान: 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन', टीम की जरूरत समझ निभा रहे भूमिका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ऐसे बल्लेबाज हैं जिसने पिछले दो मुकाबलों में भारत की पारी को निचले क्रम से संभाला है। राहुल के लगातार नाबाद अर्धशतकों ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन तक को प्रभावित कर दिया है। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार राहुल अब स्थायी रूप से 5 या 6 नंबर पर खेलते हैं और वहीं से मैच का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में कहा कि राहुल कम गेंदों में भी बिल्कुल सही समय पर स्ट्राइक रोटेट करना और अंत में तेजी से रन बनाना जानते हैं। बता दें कि रांची में उन्होंने 60 रन बनाए थे और इसके बाद रायपुर में केवल 43 गेंदों पर 66 रन की तेज पारी खेली, जिस दौरान उन्होंने डेथ ओवर्स में सटीक शॉट से रन गति को ऊंचा रखा है। स्टेन ने यह भी कहा कि यदि राहुल ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते, तो वे और अधिक शतक बना सकते थे, लेकिन टीम की जरूरत समझकर अपना रोल निभाना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि रायपुर में भारत 358 रन बनाने के बावजूद मैच हार गया, लेकिन राहुल की पारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सका। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारियों के बीच भी राहुल का असर स्पष्ट दिखाई दिया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम के 110 रन की बदौलत यह ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया, जिसके बाद अब सीरीज 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है।

अब विशाखापट्टनम में 6 दिसंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाना है, जहां उम्मीद की जा रही है कि राहुल एक बार फिर अपने शांत, संयमित और तेज फिनिशिंग अंदाज से अहम भूमिका निभाते नज़र आएंगे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

531 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बनाये 212/4

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। अब उसे जीत के लिए अंतिम दिन 319 रन और बनाने हैं। वेस्टइंडीज को इस मैच में जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं। टीम ने 72 रनों के अंदर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को खो दिया पर इसके बाद होप और ग्रिव्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर पारी संभाली। होप और ग्रिव्स ने पांचवें विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी बनायी। होप ने इस दौरान 183 गेंद पर 1 छक्के और 15 चौकों की सहायता से 116 रन बनाये। वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की सहायता से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के 145 और रचिन रवींद्र के 176 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 466 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सील्स ने 1 विकेट लिया। पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 167 रन बनाये थे।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है। टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा। सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है। मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया है। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं। हम उसके जज्बे और जुनून की तारीफ करते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं। ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है। सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट है। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

2027 विश्वकप तक अपना करियर बढ़ा सकते हैं विराट और रोहित : साउदी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो ही फिट हैं और 2027 विश्वकप तक खेल सकते हैं। साउदी के अनुसार उम्र इनके लिए बाधा नहीं बन सकती क्योंकि दोनो ही लय में हैं और रन बना रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर दोनो इसी प्रकार खेलते रहे तो अपने करियर को विश्वकप तक खींच सकते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब एकदिवसीय पर ही ध्यान दे रहे हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो मैचों में शतक लगाये हैं जबकि वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही दिखाया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट शेष है।

साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र के अवसर पर कहा, 'कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह 37 साल की उम्र में भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, '37 के रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया था तो ये दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक ये टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, जहां तक मेरा मानना है कि उम्र केवल एक संख्या है।' 2027 विश्व कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है।

साउदी ने कहा, 'ये उनका फैसला है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेल सकते हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली है जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह विश्व कप के लिए उपलब्ध है तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी।'

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी टीम को रोहित और विराट की कमी खली। साउदी ने हालांकि भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप रोहित, अश्विन और आर अश्विन को हटा देते हैं, तो प्रभाव पड़ना ही है।'

ब्रेविस आक्राम पारी से मैच बदलने में सक्षम : स्टेन

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की जमकर प्रशंसा की है। स्टेन के अनुसार ब्रेविस अपनी आक्रामक पारी से मैच बदलने में सक्षम हैं औ ये उन्होंने एक बार फिर भारतीय टीम के खिलाफ हुए दूसरे मैच में खेली अपनी पारी से साबित किया है। ब्रेविस ने इस मैच में 34 गेंदों पर पांच छक्कों की सहायता से 54 रन बनाये। स्टेन ने कहा कि ब्रेविस में छक्के मारने की जबरदस्त क्षमता है, ब्रेविस और उनकी छक्के मारने की योग्यता के बारे में कुछ समय से बहुत बातें हो रही हैं। उनके अंडर-19 में रहने के दिनों से ही हमने उनकी प्रतिभा को देखा है। साथ ही कहा कि मैं उनके बारे में सुनता रहता था और उन्हें छक्के मारते हुए देखता था। अब हम इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने लगे हैं। उनमें वह क्षमता है, और बल्लेबाज अब गेंद छोड़ना नहीं चाहते। उनमें बड़े शॉट लगाने की क्षमताएं हैं। स्टेन ने कहा, 'वे इसी तरह ट्रेनिंग करते हैं। उनके पास हर गेंद पर छक्के मारने के विकल्प हैं। ब्रेविस भविष्य है। वह सिर्फ 22 साल का है। अगर वह अपने करियर के इस स्टेज पर 359 रन का पीछा करने में माहिर है, तो सोचिए 8 या 10 साल में वह कैसा होगा। यह नॉर्म बन सकता है।

एफसी गोवा मुंबई सिटी को हराकर AIFF सुपर कप के फाइनल में पहुंचे

फातोरडा (गोवा)। एफसी गोवा ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रोमांचक सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप फाइनल में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन को अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ी, लेकिन गुरुवार रात ब्रिसन फर्नांडिस (20') और डेविड टिमोर (23') के पहले हाफ में किए गए दो शुरुआती गोल ईस्ट बंगाल के साथ फाइनल मुकाबले के लिए काफी साबित हुए। मुंबई सिटी एफसी, जिसने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और ब्रैंडन फर्नांडिस के गोल से एक गोल कम किया, इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल से बाहर हो गई। मैच शुरू होने से पहले ही काफी ड्रामा हुआ, जब एफसी गोवा के कप्तान इकर गुआररत्क्सेना को टनल में मैच से पहले हुई एक घटना के लिए बाहर कर दिया गया, और आखिरी मिनट में जेवियर सिवेरियो को स्टार्टिंग इलेवन में उनकी जगह शामिल किया गया। अपने लीडर को खोने के बावजूद गोवा ने अपना हौसला नहीं खोया और जीत हासिल की।

इस वर्ष गूगल पर सबसे अधिक सर्च हुआ क्रिकेट

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर इस वर्ष सर्च इंजन गूगल पर क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की दो टीमों को सबसे अधिक खोजा गया। शुक्रवार को जारी हुई इस रिपोर्ट में एथलीट, स्पर्धा और टीमों के बीच टॉप ट्रेंडिंग ग्लोबल सर्च का प्रमुख आकर्षण रहे क्रिकेट के बढ़ते डिजिटल फुटप्रिंट देखने को मिला। यह खेल लॉस एंजेलिस 2028 में ओलंपिक में वापसी करने वाला है। एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। ये तीनों टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट टीमों ने जीते। एशिया कप 2025 ने तीन भारत बनाम पाकिस्तान मैचों के बाद हुआ रोमांचक फाइनल भी शामिल था जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ, यह सब तिलक वर्मा की मैच जिताने वाले प्रयास की वजह से काफी सुर्खियां में रहा। आठ साल के अंतराल के बाद हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब फिर से हासिल किया। महिला क्रिकेट विश्व कप में, भारत ने अपना पहला ग्लोबल खिताब जीता। यह देश में महिला खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल था। इस बीच, गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले स्पोर्ट्स टीमों की रैंकिंग में दो आईपीएल फ्रेंचाइजी 'पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स' टॉप पांच में शामिल हो गई। क्रिकेट के अलावा, फुटबॉल और गोल्फ ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखी। फीफा क्लब विश्वकप स्पोर्ट्स स्पर्धा कैटेगरी में टॉप पर रहा, जबकि राइडर कप टॉप पांच में शामिल था। एथलीट कैटेगरी में, सर्च में अमेरिकी बॉक्सर टेरेंस क्रॉफर्ड सबसे आगे रहे, उसके बाद उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैकलॉय का नंबर आया। अमेरिकी फुटबॉल स्टार शेड्यूर सैंडर्स, जालेन हर्ट्स और कनाडाई बास्केटबॉल खिलाड़ी शाई गिल्जियस-अलेक्जेंडर ने शीर्ष पांच में रहे।

'शमी कहां हैं, आखिर क्यों नहीं खेल रहे', लगातार अनदेखी पर दिग्गज गेंदबाज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी की रीढ़ माने जाने वाले मोहम्मद शमी एक बार फिर चयन को लेकर विवाद के केंद्र में हैं। मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से शमी को किसी भी भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन फिटनेस दिखाने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी न होना कई दिग्गजों को खटक रहा है। खासकर पूर्व ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह ने खुलकर सवाल उठाते हुए कहा है कि इतने अनुभवी और मैच-विनिंग गेंदबाज को लगातार बाहर रखना टीम की सोच पर सवाल खड़ा करता है।

शमी की गैरमौजूदगी पर हरभजन सिंह का तीखा सवाल

हरभजन सिंह लंबे समय से क्रिकेट के मामलों पर अपनी साफ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। रायपुर वनडे के बाद अपने चैनल पर उन्होंने पूछा, 'शमी कहां है? आखिर क्यों नहीं खेल रहे?' उन्होंने इशारा किया कि शमी जैसे पूरन मैच-विनर को एकदम से टीम से दूर कर देना भारतीय चयन प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। शमी ने पिछले एक दशक में टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए निर्णायक प्रदर्शन दिया है। ऐसे में एक फिट और फॉर्म में गेंदबाज को नजरअंदाज करना ना सिर्फ टीम की गहराई को कम करता है बल्कि अनुभव की कमी भी पैदा करता है।

घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी, फिर भी चयन से दूर

35 वर्षीय मोहम्मद शमी इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में बेहतरीन लाइन-लेंथ, स्विंग और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी के साथ यह साबित कर दिया कि वह अभी भी शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें किसी भी सीरीज के लिए शामिल नहीं किया, जिससे यह सवाल और मजबूत हो गया है कि उनके बाहर रहने की वजह तकनीकी है, चयन नीति है या कुछ और।

क्या टीम इंडिया अनुभव की अनदेखी कर रही है?

हरभजन का मानना है कि भारत बुमराह जैसे स्टार बॉलर पर अत्यधिक निर्भर हो गया है, जबकि टीम को चाहिए कि वह बुमराह की अनुपस्थिति में भी जीतने की कला विकसित करे। ऐसे में शमी जैसे वरिष्ठ गेंदबाज को मौका देना टीम संयोजन के लिए बेहद जरूरी है। उनकी विशिष्टताओं रिवर्स स्विंग, लेट मूवमेंट और डेथ-ओवर विशेषज्ञता का कोई विकल्प आसानी से नहीं मिलता।

क्या चयनकर्ताओं को शमी को नई भूमिका देने की जरूरत है?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि शमी को पूर्णकालिक नहीं तो सीमित मैचों में रोटेशनल भूमिका दी जा सकती है। भारत को युवा गेंदबाजों को तैयार करना चाहिए, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों को भूलकर नहीं। ड्रेसिंग रूम में शमी की उपस्थिति ही युवा तेज गेंदबाजों के लिए सीख का एक बड़ा स्रोत है।

संक्षिप्त समाचार

चिली: कक्षा के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बना

सैंटियागो, एजेंसी। चिली ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कक्षाओं के दौरान मोबाइल फोन और अन्य स्मार्ट उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित किया है। नया कानून अगले साल से लागू होगा, जिससे चिली युवा छात्रों के बीच स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाला नवीनतम देश बन जाएगा ताकि इसके हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके और कक्षा में ध्यान भटकने से बचा जा सके। स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर विभिन्न स्तरों के प्रतिबंध लगाने वाले अन्य देशों में फ्रांस, ब्राजील, हंगरी, नीदरलैंड्स और चीन शामिल हैं। शिक्षा मंत्री निकोलस कैटाल्डो ने निर्णय के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'हम बच्चों और किशोरों के लिए एक सांस्कृतिक परिवर्तन को आगे बढ़ा रहे हैं, जिन्हें आज पहले से कहीं अधिक एक-दूसरे के चेहरे देखने, अवकाश के दौरान सामाजिक मेलजोल बढ़ाने और सीखने को और अधिक बढ़ावा देने के लिए एकाग्रता हासिल करने की आवश्यकता है।'

रूस के जेल में बंद एक अमेरिकी नागरिक ने की गार्डों की पिटाई, सजा बढ़ाई

मास्को, एजेंसी। रूस में पुलिस अधिकारी की पिटाई के दोषी पाए गए एक अमेरिकी की सजा बुधवार को बढ़ा दी गई, जब उसे जेल प्रहरियों पर हमला करने का दोषी पाया गया। रॉबर्ट गिलमैन, जिन्हें रूसी मीडिया में पूर्व अमेरिकी मरीन के रूप में पहचाना गया था, को शुरू में 2022 में 3-1/2 साल की सजा सुनाई गई थी, जब उन्हें एक पुलिस अधिकारी के साथ मारपीट करने का दोषी ठहराया गया था, जिसे ट्रेन से उतारकर गड़बड़ी पैदा करने के लिए दोषी ठहराया गया था। बाद में उन्हें एक सेल जांच के दौरान जेल निरीक्षक पर हमला करने, एक अन्वेषक की पिटाई करने और एक गार्ड पर हमला करने का दोषी ठहराया गया, और अक्टूबर 2024 में उन्हें आठ साल और एक महीने की सजा सुनाई गई। बुधवार को, दक्षिण-पश्चिमी रूस के वोरोनिश क्षेत्र की एक अदालत ने, जहां गिलमैन अपनी सजा काट रहा है, उसकी सजा को 10 वर्ष तक बढ़ा दिया, क्योंकि उसे दो जेल प्रहरियों की पिटाई का दोषी पाया गया था।

ईयू की सब्सिडी में देरी को लेकर बढ़ते विवाद में ग्रीक किसानों ने सीमा पार करने के रास्ते बंद किए

एथेंस, एजेंसी। उत्तरी ग्रीस के किसानों ने भ्रष्टाचार घोटाले की जांच से जुड़े यूरोपीय संघ समर्थित सब्सिडी भुगतान में देरी के विरोध में बुधवार को सीमा चौकियों पर यातायात बाधित कर दिया। ट्रैक्टरों के काफिलों ने उत्तरी मैसेडोनिया, बुल्गारिया और तुर्की के मार्गों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ा। सप्ताहांत में सैकड़ों किसान सड़कों पर उतर आए और कई इलाकों में ट्रैक्टरों से सड़कें जाम कर दीं। ग्रीस में किसानों द्वारा विरोध प्रदर्शन आम बात है, लेकिन नवीनतम अशांति यूरोपीय संघ के धन के लिए व्यापक धोखाधड़ी के दावों के खुलासे के बाद सब्सिडी भुगतान में देरी को लेकर भड़की। इस घोटाले के कारण जून में पांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा और कृषि सब्सिडी से संबंधित कार्य करने वाली राज्य एजेंसी को चरणबद्ध तरीके से बंद करना पड़ा। यूरोपीय लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा की गई एक जांच के जवाब में हाल के हफ्तों में ग्रीस भर में दर्जनों लोगों को कथित तौर पर झूठे दावे दायर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

इस्राइली हमले में गाजा में दो बच्चों समेत पांच की मौत, आईडीएफ का दावा- हमास के ठिकाने को बनाया निशाना

गाजा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम को करीब दो महीने का समय बीतने वाला है, लेकिन अभी भी तनाव बना हुआ है और संघर्ष विराम के बाद भी कई बार दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमले के आरोप लगा चुके हैं। ताजा इस्राइली हमले में गाजा में दो बच्चों समेत पांच की मौत हो गई है। गाजा सिविल डिफेंस एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। वहीं इस्राइल का दावा है कि हमास के लड़ाकों ने उसके सैनिकों पर हमला किया, जिसमें उसके पांच सैनिक घायल हो गए। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने बताया कि इस्राइली मिसाइल हमले में पांच नागरिकों की मौत हुई है, जिनमें दो बच्चे शामिल हैं। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर है। यह हमला खान यूनिस के पश्चिम में स्थित अल मवासी में हुआ। एजेंसी ने बताया कि कुवैत के फील्ड अस्पताल के पास स्थित शरणार्थी कैंप में यह हमला हुआ। गाजा के एक अस्पताल ने भी हमले में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। मरने वालों में आठ और 10 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। अस्पताल ने बताया कि हमले में 32 लोग घायल हुए हैं। वहीं इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि दक्षिणी गाजा में 'हमास के आतंकियों' ने उनके जवानों पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें पांच जवान घायल हो गए।

अमेरिका में एफ-16 फाइटर जेट क्रैश जमीन से टकराते ही आग लगी

कुछ सेकेंड पहले पायलट सुरक्षित निकला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में गुरुवार को यूएस एयरफोर्स का एक एफ-16 लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। हादसे से कुछ सेकेंड पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया, जिससे उसकी जान बच गई। हादसा लोकल टाइम के मुताबिक सुबह करीब 10:45 बजे दक्षिणी कैलिफोर्निया में ट्रॉना शहर के एक रेगिस्तान में हुआ। विमान ट्रॉना एयरपोर्ट से करीब तीन किलोमीटर दूर गिरा। एयरपोर्ट मैनेजर ने बताया कि इस इलाके में अक्सर मिलिट्री विमान उड़ते रहते हैं। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में देखा गया कि विमान तेजी से नीचे गिर रहा था और पायलट पैराशूट के सहारे बाहर निकल आया। जमीन से टकराते ही विमान में बड़ा धमाका हुआ और काला धुआं आसमान में भर गया।

एफ-16 की कीमत 1.70 हजार करोड़ रुपए

एयरफोर्स के 2021 के डेटा के मुताबिक एक एफ-16 फाइटिंग फाल्कन की कीमत लगभग 18.8 मिलियन डॉलर (करीब 1.70 हजार करोड़ रुपए) है। यह एयरक्राफ्ट थंडरबर्ड्स स्क्वाड्रन का था। यह टीम लास वेगास के पास नेलिस एयरफोर्स बेस से काम करती है और अपने एयर शो और खतरनाक स्टंट्स के लिए दुनियाभर में जानी जाती है। थंडरबर्ड्स टीम ने बताया कि ट्रेनिंग मिशन के दौरान पायलट विमान से सफलतापूर्वक बाहर निकल गया। पायलट को मामूली चोटें आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोकल फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने बताया कि घटनास्थल पर सिर्फ पायलट मौजूद था और आग से आसपास के इलाके को कोई खतरा नहीं है।

क्रैश का कारण अभी साफ नहीं

अधिकारियों के मुताबिक सुबह 6 थंडरबर्ड्स जेट ट्रेनिंग के लिए उड़े थे, लेकिन सिर्फ पांच ही लौटे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक विमान चाइना लेक नेवल एयर वेपन्स स्टेशन के पास गिरा। यह रीजन मिलिट्री ट्रेनिंग के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। थंडरबर्ड्स के एयर शो और ट्रेनिंग मिशन में एफ-16 फाइटिंग फाल्कन खास रोल निभाता है। एयरफोर्स की 57वीं विंग पब्लिक अफेयर्स ऑफिस के मुताबिक हादसे की जांच जारी है और क्रैश साइट की जांच पूरी होने के बाद और जानकारी शेयर की जाएगी।

25 से ज्यादा देश एफ-16 इस्तेमाल करते हैं

एफ-16 अमेरिका का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे 1970 के दशक में जनरल डायनामिक्स ने बनाया था। अब इसे अमेरिकी डिफेंस कंपनी लॉकहीड मार्टिन बनाती है। पाकिस्तान समेत 25 से ज्यादा देश एफ-16 इस्तेमाल करते हैं। एफ-16 ने 2 फरवरी 1974 को पहली बार उड़ान भरी थी।

इसे 21 जुलाई 1980 को 'फाइटिंग फाल्कन' का नाम दिया गया था। साल 1976 से अब तक 4,600 से भी ज्यादा एफ-16 जेट अलग-अलग देशों के लिए बनाए जा चुके हैं। एफ-16 की स्पीड 2414 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसकी रेंज 4220 किलोमीटर तक है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम है। साथ ही ये एडवांस हथियार से लैस होता है। ये फाइटर जेट हवा से हवा में मारने में सक्षम है। ये एक मिनट में करीब 50 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। एफ-16 चौथी जनरेशन का लड़ाकू विमान है। ये खराब मौसम में भी उड़ान भर सकता है।

अमेरिका में पाकिस्तानी मूल का व्यक्ति बंदूकों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार

स्कूल पर हमले की रची थी साजिश

डेलावेयर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक प्रवासी को कथित तौर पर बंदूकों, गोला-बारूद, शरीर के कवच (बॉडी आर्मर) के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक नोटबुक भी बरामद की गई है, जिसमें उसने स्कूल परिसर में सामूहिक गोलीबारी में 'सभी को मारने' और 'शहीद' होने की योजना बनाई थी। गिरफ्तार व्यक्ति डेलावेयर विश्वविद्यालय का पूर्व छात्र है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, व्यक्ति की पहचान लुकमान खान (25 वर्षीय) के रूप में हुई। उसे 24 नवंबर की रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस को वह एक पार्क में उसके ट्रक पर मिला और उसके व्यवहार पर शक होने के बाद वाहन की तलाशी ली। ट्रक में एक ग्लॉक पिस्तौल, 27-राउंड गोलियों के मैगजीन और बॉडी आर्मर की प्लेटें बरामद हुईं। पिस्तौल को ऐसे किट में रखा गया था, जिसे जोड़कर उसे सेमी-ऑटोमैटिक राइफल बनाया जा सकता था। हथियारों के साथ पुलिस को एक नोटबुक भी मिली, जिसमें हाथ से जानकारी लिखी गई थी। इसमें लिखा गया था कि वह अपने पुराने स्कूल परिसर में हथियारों का इस्तेमाल करके गोलीबारी कैसे करेगा।

नोटबुक में था मुख्यालय का नक्शा : रिपोर्ट के मुताबिक, नोटबुक में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन (मुख्यालय) का नक्शा भी था, जिसमें प्रवेश और निकासी के रास्ते चिह्नित किए गए थे। इसमें 'सभी को मारो,' 'शहीद' जैसे शब्द लिखे थे और बताया गया था कि गोलीबारी के बाद पुलिस से कैसे बचा जाए। पुलिस ने कहा कि यह पूरी योजना पहले से बनाई गई थी और इसमें साफ तौर पर युद्ध जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया जाना था। हालांकि, हमले की साजिश के पीछे कारण स्पष्ट नहीं है। लुकमान ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि शहीद होना 'सबसे महान चीजों में से एक है'।

पाकिस्तान में हुआ था लुकमान का जन्म : न्यू कैसल काउंटी पुलिस ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया, पाकिस्तान में जन्मा लुकमान खान बचपन से ही अमेरिका में रह रहा था और अमेरिकी नागरिक है। खान पर मशीन गन अवैध रूप से रखने का आरोप लगाया गया है और एफबीआई की जांच जारी है। पड़ोसियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि पहले खान मिलनसार बनकर था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से वह लोगों से अलग-थलग रहने लगा था।

पद संभालने के 22 दिन बाद ही मधेश प्रदेश के सीएम सरोज का इस्तीफा, विश्वास मत से पहले छोड़नी पड़ी कुर्सी

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में जारी सत्ता संकट मंगलवार को एक नए मोड़ पर पहुंच गया। पद संभालने के 22 दिन बाद ही मुख्यमंत्री सरोज कुमार यादव को इस्तीफा देना पड़ा। विश्वास मत हासिल करने के लिए उनके पास संख्या बल कम पड़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सरोज यादव को प्रदेश सभा का विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया था। विश्वास मत हासिल होने की संभावना बेहद कम दिखने के बाद यादव ने प्रदेश सभा की बैठक में ही अपना इस्तीफा पेश कर दिया। विपक्षी दलों की अनुपस्थिति ने शक्ति परीक्षण को असंभव बना दिया था। बैठक में केवल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के विधायक मौजूद थे। सरकार में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की मंत्री कंचन बिच्छा व नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी की मंत्री बिमला अंसारी भी उपस्थित थे।

विवाद के बाद हटाए गए थे प्रदेश प्रभारी

सरोज यादव को पूर्व प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुबेदी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 168 (3) के तहत सबसे बड़े दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। बर्दिबास के होटल पानस कॉटेज में तड़के हुई यह नियुक्ति शुरू से विवादों में रही। विवाद के चलते संघीय सरकार ने प्रदेश प्रमुख भंडारी को पदमुक्त कर जनकपुर के सुरेंद्र लाभ कर्ण को नया प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

विश्वास मत पर उठाए सवाल

अपने इस्तीफे से पहले सरोज यादव ने आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति बाध्य स्थिति में की गई थी, इसलिए विश्वास मत का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा, सरकार में रहते हमने जनता का काम किया। मेरी प्रतिबद्धता कुर्सी से नहीं विधानसभा के सदस्यों से है। लेकिन वे स्वयं ही सदन छोड़कर बाहर चले गए।

मुझे लगता है कि हमें उत्तर कोरिया से माफी मांगनी चाहिए लेकिन... फिर रुक गए साउथ कोरिया के राष्ट्रपति?

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को कहा कि वह पिछली सरकार द्वारा उत्तर कोरिया में सरकार के खिलाफ पर्चे बांटने के लिए ड्रोन भेजने के आरोप पर उत्तर कोरिया से माफी मांगना चाहते हैं, हालांकि मौजूदा घरेलू राजनीतिक माहौल में ऐसा करना मुश्किल है। ली ने चेओंग वा डे में विदेशी संवाददाताओं के साथ विशेष बातचीत में यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस कार्रवाई के लिए राज्य स्तर पर माफी जारी करने के बारे में सोच रहे हैं ताकि कोरिया के बीच तनाव कम करने में

मदद मिल सके, तो ली ने कहा कि आप मेरा मन पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ, मुझे लगता है कि हमें माफी मांगनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ मुझे चिंता है कि (माफी) राजनीतिक और विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन सकता है, जहां सरकार को उत्तर कोरिया का समर्थक कहा जाएगा। ली का यह बयान ड्रोन मामले में एक विशेष जांच के बीच आया है। ली से पहले के राष्ट्रपति यून सुक येओल और सेना में उनके कुछ करीबी साथियों ने कथित तौर पर अक्टूबर 2024 में प्योंगयांग में उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग-उन की बुराई करने वाले पर्चे ले जाने वाले ड्रोन तैनात करने का ऑर्डर दिया था, ताकि उत्तर कोरिया को जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाया जा सके और इसे मार्शल लॉ लगाने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। ली ने अंतर-कोरियाई संबंधों पर कहा कि ये इतने बंद हैं कि एक सुई के बराबर जगह भी नहीं बची है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत के रास्ते फिर से खोलने के लिये सियोल के एकतरफा विश्वास-निर्माण उपाय जल्दी हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर समझौता करने की इच्छा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका-उत्तर कोरिया की बातचीत को फिर से शुरू करने के लिये जरूरी हुआ तो वह इन सैन्य अभ्यासों को कम करने के लिये भी तैयार हैं। ली ने इस बात पर जोर दिया कि उत्तर कोरिया के फैसले लेने की प्रक्रिया पर अमेरिका का ज्यादा असर है।

अफगानिस्तान : 13 लोगों के हत्यारे को मारी गई गोली

खोस्त, एजेंसी। अफगानिस्तान के खोस्त शहर में तालिबान प्राधिकारियों ने एक ही परिवार के 13 लोगों की हत्या में सजा पा चुके एक व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से मौत की सजा दिलवाई। पीड़ित परिवार के ही एक व्यक्ति ने सबके सामने दोषी को गोली मारकर मौत के घाट सुला दिया। तालिबान के शासन में सार्वजनिक तौर पर दी गई मौत की सजा का यह 11वां मामला है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मौत की सजा सुनाए जाने के बाद मंगलवार को दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड दिया गया। खोस्त के स्पोर्ट्स स्टेडियम में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे, जिनमें पीड़ित के परिजन भी शामिल थे। एक अपील कोर्ट और खुद टॉप कोर्ट की तरफ से मौत की सजा सुनाए जाने और सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा की मंजूरी के बाद मृत्युदंड का निर्देश दिया गया।

इस्लाम महिलाओं को आजादी के साथ जीने का अवसर देता है: खामेनेई

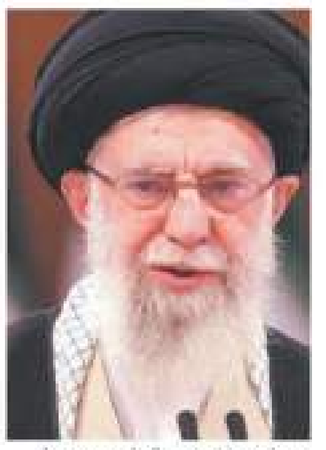

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने देश महिलाओं के लिए लागू सख्त ड्रेस कोड का पुरजोर समर्थन करते हुए इसे जायज ठहराया है। इस दौरान खामेनेई ने पश्चिमी देशों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पश्चिमी संस्कृति को महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि इस्लाम महिलाओं को आजादी के साथ जीने का अवसर देता है, वहीं पश्चिमी देशों में औरतों को महज भोग की वस्तु समझा जाता है। इससे पहले हाल ही में ईरान की संसद के आधे से अधिक सदस्यों ने न्यायपालिका पर हिजाब कानून को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। एक दिन बाद अयातुल्लाह अली खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स इससे जुड़े कई पोस्ट किए। खामेनेई ने यह बताने की कोशिश की है कि अनिवार्य हिजाब कानून और ड्रेस-कोड नैतिक रूप से पश्चिम से बेहतर है।

पश्चिमी संस्कृति पर हमला

खामेनेई ने हिजाब कानून के समर्थन में तर्क देते हुए कहा कि किसी भी समाज का पहला दायित्व है कि वह सामाजिक व्यवहार और परिवार के भीतर न्याय सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि इसीलिए सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे एक महिला की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान की रक्षा करें। खामेनेई ने दावा किया कि पश्चिमी पूंजीवादी व्यवस्था महिलाओं को वस्तु में बदल देती हैं और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती है। उन्होंने लिखा, 'पूंजीवादी तर्क महिलाओं की गरिमा को रौंद डालता है और नष्ट कर देता है।' अयातुल्लाह खामेनेई ने आगे कहा कि पश्चिम में, महिलाओं का उपयोग भौतिक शोषण के लिए किया जाता है और उन्हें अक्सर समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम भुगतान किया जाता है। खामेनेई के मुताबिक इस्लाम में महिलाओं के पास आजादी, आगे बढ़ने और प्रगति करने की क्षमता और एक पहचान बनाने का मौका है, जो पूंजीवादी समाजों में नहीं है।

महिलाएं फूलों की तरह...

खामेनेई ने इस्लामी ग्रंथों और हदीसों का हवाला देते हुए कहा कि महिलाएं घर में एक फूल की तरह हैं, जिन्हें घरेलू मजदूरी की तरह माने जाने के बजाय देखभाल और सम्मान की जरूरत है उन्होंने लिखा, 'एक महिला सेविका नहीं है। उनकी फूल की देखभाल और रक्षा की जानी चाहिए और वह अपने रंग, खुशबू और गुणों से आपको समृद्ध करेगी।'

पाकिस्तान बेचेगा सरकारी एयरलाइंस, 'इज्जत नीलामी' में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा। डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा।

बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्लू लिमिटेड। बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शख्सियत आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं। पीआईए का विनिवेश पाकिस्तान के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज लेता रहता है। 2023 में वर्षों की वित्तीय कुप्रबंधन की वजह से वह डिफॉल्ट के मुहाने पर खड़ा था।

उसका सबसे बड़ा खर्च रक्षा बलों पर होता है। आईएमएफ का 7 अरब डॉलर का नया प्रोग्राम सितंबर 2024 में मंजूर हुआ था, इसमें 1 अरब डॉलर तुरंत मिला, बाकी राशि तीन साल में मिलनी है। अपनी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के साथ पाकिस्तान आज आईएमएफ का पांचवां सबसे बड़ा कर्जदार देश है और 1958 से अब तक उसने आईएमएफ से 20 से ज्यादा बार कर्ज लिया है।

गौरतलब है कि पीआईए कई सालों से गहरे वित्तीय संकट में है। 2023 में नवंबर महीने के 7000 कर्मचारियों को वेतन तक नहीं मिला था। उससे पहले 2020 में यूरोपीय संघ ने सुरक्षा मानकों में खामियों की वजह से पीआईए की उड़ानों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

विदेश मंत्री रूबियो बोले- अधिक क्षेत्रों पर नियंत्रण चाहता है इस्लामी कट्टरपंथ, अमेरिका के लिए तत्काल खतरा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को चेतावनी दी कि इस्लामी कट्टरपंथ का मकसद अधिक क्षेत्र और लोगों पर नियंत्रण पाना' है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के लिए 'तत्काल खतरा' है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए वीजा पर प्रतिबंध लगाएगा, जो नाइजीरिया और दुनियाभर के ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को समर्थन या वित्तीय मदद देते हैं।

'अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण चाहता है इस्लामी कट्टरपंथ' : रूबियो ने फॉक्स न्यूज को साक्षात्कार दिया। इसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका को सबसे बड़ा खतरा इस्लामी कट्टरपंथ से है। उनके

मुताबिक, ये लोग अमेरिका को धरती पर बुराई का सबसे बड़ा स्रोत मानते हैं। उन्होंने आगे कहा, कट्टरपंथी इस्लाम दिखा चुका है कि उनकी इच्छा केवल दुनिया के एक हिस्से पर कब्जा करके अपनी छोटी सी खिलाफत से खुश रहना नहीं है, वह विस्तार करना चाहता है। यह उनकी प्रकृति में क्रांतिकारी कदम है। वह विस्तार चाहता है और ज्यादा क्षेत्रों व लोगों पर नियंत्रण चाहता है।

'इस्लामी कट्टरपंथ दुनिया और पश्चिम के लिए तत्काल खतरा' : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, यह दुनिया और पश्चिम के लिए, खासतौर पर अमेरिका के लिए एक स्पष्ट और तत्काल खतरा है। कट्टरपंथी आतंकवाद, हत्या और जानलेवा हमलों के लिए तैयार रहते हैं, ताकि विभिन्न संस्कृतियों और समाजों पर अपना दबदबा बना सकें। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी इस्लाम का लक्ष्य पश्चिम, अमेरिका और यूरोप है। रूबियो ने कहा, इस्लामी कट्टरपंथ का उद्देश्य खुलेआम पश्चिम, अमेरिका और यूरोप पर प्रभुत्व जमाना है। हमने इसमें प्रगति भी देखी है। वे आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देनेके लिए तैयार हैं। ईरान के मामले में, यह राज्य आधारित कार्रवाई, हत्याएं, जैसी चीजें हो सकती हैं। उन्होंने कहा, अपना प्रभाव बढ़ाने और आखिरकार विभिन्न संस्कृतियों व समाजों पर अपना प्रभुत्व बनाने के लिए उन्हें जो भी करना पड़े, वे करेंगे।

ईसाइयों को निशाना बनाने वालों को नहीं देंगे वीजा : इसके अलावा, रूबियो ने घोषणा की कि अमेरिका उन लोगों के लिए वीजा पर रोक लगाएगा, जो जानबूझकर ईसाइयों के खिलाफ हिंसा और अत्याचार को समर्थन या वित्तीय मदद देते हैं। उन्होंने कहा कि यह नीति नाइजीरिया और अन्य देशों या व्यक्तियों पर लागू होगी, जो धार्मिक विश्वास के कारण लोगों को परेशान करते हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका नाइजीरिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर सकता है, क्योंकि वहां के ईसाइयों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। उनके इस बयान का अमेरिका में कई दक्षिणपंथियों और ईसाई धर्मावलंबियों ने समर्थन किया था। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने एक दिन पहले नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नूहू रिबाडु और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत में 'देश में ईसाइयों के खिलाफ भयावह हिंसा' पर फोकस किया गया।

अल्जीरियाई कोर्ट ने फ्रेंच पत्रकार क्रिस्टोफ ग्लेज की 7 साल की सजा बरकरार रखी

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया की एक अपील कोर्ट ने बुधवार को एक फ्रेंच स्पोर्ट्स राइटर को सात साल की जेल की सजा बरकरार रखी, जिसे 'आतंकवाद का महिमामंडन' करने का दोषी पाया गया था, जिससे उसकी जल्दी रिहाई की उम्मीदें खत्म हो गईं। क्रिस्टोफ ग्लेजेस को छह महीने पहले एक फुटबॉल अधिकारी के साथ इंटरव्यू के लिए सजा सुनाई गई थी, जिस पर एक बैन अलगाववादी आंदोलन से संबंध होने का आरोप था। उन्हें अल्जीरिया के आतंकवाद-रोधी कानूनों का उल्लंघन करने और प्रोपेगैंडा के लिए पब्लिकेशन रखने का दोषी पाया गया था, इस मामले की राइट्स ग्रुप्स और फ्रेंच मीडिया ने कड़ी आलोचना की थी।

एसआईआर को लेकर अखिलेश की योगी से मांग... किसी भी बीएलओ पर दबाव नहीं डाले

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अब तक हुए काम को प्रकाशित करने और सुनिश्चित करने की मांग की कि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर 'जानलेवा दबाव' न डाला जाए। अखिलेश यादव ने मांग की कि राज्य में एसआईआर का जितना भी काम हुआ है, उसका आंकड़ा प्रकाशित करें। उन्होंने कहा, बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप काम पर लगाया जाए।' यादव ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाजे से इस काम में अब नहीं है और न आगे कभी होने वाले है।

बेंगलुरु के मेट्रो स्टेशन पर व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के हेगोरी मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या की। जिससे पर्पल लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ देर के लिए रुक गई। मेट्रो अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान 38 वर्षीय शांतगौड पुलिसपाटिल के रूप में हुई है। यह घटना सुबह सवा आठ बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शांतगौड़ ने ट्रेन से टकराने के लिए सही समय पर छलांग लगाई थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पैरामेडिकल टीम के साथ मिलकर शव को तुरंत पटरियों से हटाया। इस घटना के बाद पर्पल लाइन पर मैसूर रोड से व्हाइटफील्ड तक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बाद में सेवाओं को बहाल किया गया। बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने कहा, ''सुबह 9:40 बजे तक ज्ञान भारती और चल्लघट्टा के बीच की सेवाएं पूरी तरह से बहाल कर दी गई है। अब पूरे पर्पल लाइन पर ट्रेन परिचालन सामान्य समय-सारणी के अनुसार हो रहा है।''

राहुल गांधी की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव से अयोग्य करार देने के आग्रह वाली याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह फैसला स्थानीय अधिवक्ता अशोक पांडेय की याचिका पर दिया। याची ने इस आधार पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने का आग्रह किया था कि गुजरात की एक अदालत से मानहानि के केस में उन्हें सजा सुनाई गई थी, इसलिए वह सांसद के रूप में अयोग्य थे। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में ही रोक लगा दी थी। ऐसे में राहुल की अयोग्यता अमल में नहीं है। ऐसे में याचिका खारिज की जाती है।

तीन वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को आजीवन सश्रम कारावास

कुशीनगर (एजेंसी)। कुशीनगर की एक विशेष 'पॉक्सो' अदालत ने एक व्यक्ति को पांच साल से अधिक समय पहले 3 साल की बच्ची से बलात्कार करने के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत विशेष अदालत ने दोषी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फूलचंद व अजय गुप्ता ने बताया कि अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार ने मामले में सत्येंद्र को दोषी करार देकर कहा कि आरोपी को सभ्य समाज में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि मौका मिलने पर वह किसी अन्य मासूम बच्चे को भी अपना शिकार बना सकता है। अदालत ने कहा कि तीन साल की बच्ची से ऐसा जघन्य कृत्य करने वाला व्यक्ति अधिकतम सजा का हकदार है। सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि वादी ने 23 जून 2020 को नेबुआ नौरंगिया थाने में सूचना दी कि आरोपी आम खिलाने के बहाने उनकी तीन वर्ष की बच्ची को अपने घर ले गया। घर में कोई नहीं था, जहां उसने बच्ची से दुष्कर्म किया। इधर बच्ची को ढूंढने निकली उसकी मां को लोगों ने बताया कि उन्होंने बच्ची को सत्येंद्र संग जाते देखा था।

गूगल पर 2025 में सबसे ज्यादा कुंभमेले के बाद धर्मेंद्र को किया गया सर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने 2025 के सबसे ज्यादा सर्च किए गए न्यूज इवेंट की सूची जारी की है। इस लिस्ट में कुंभ मेले के बाद धर्मेंद्र सबसे ज्यादा सर्च किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले नंबर पर सबसे ज्यादा महाकुंभ मेला सर्च किया गया। इसके बाद दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र, तीसरे नंबर पर बिहार इलेक्शन, चौथे पर भारत-पाकिस्तान न्यूज और पांचवें नंबर पर दिल्ली इलेक्शन रिजल्ट सर्च किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र को लेकर पांच चीजें सबसे ज्यादा सर्च गई। सबसे पहले तो लोग ये जानना चाहते थे कि धर्मेंद्र जिंदा है या नहीं। दरअसल, धर्मेंद्र के निधन से 10-15 दिन पहले ही उनकी मौत की खबरें आई थी, जिसे हेमा मालिनी और ईशा देओल ने खारिज कर दिया था। दूसरे नंबर पर धर्मेंद्र की हेल्थ अपडेट सर्च की गई। तीसरे नंबर पर धर्मेंद्र की न्यूज अपडेट सर्च किया गया। चौथे नंबर पर लोगों ने सर्च किया कि क्या धर्मेंद्र आज जिंदा हैं। इसके अलावा लोगों ने धर्मेंद्र की मौत का कारण भी सर्च किया। बता दें धर्मेंद्र अपने आखिरी समय में काफी बीमार थे। उन्हें मुंबई में अस्पताल में रखा गया था। उन्हें वेंटीलेटर पर भी शिफ्ट किया गया था। जब वो हॉस्पिटल में थे तभी उनकी डेथ की फेक खबरें आई थीं। हालांकि, परिवार ने इन खबरों को गलत बताया था।

उत्तर भारत में ठंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के इलाके शीतलहर की चपेट में

-जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरा उत्तर भारत ठंड की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और आसपास के इलाकों में शीतलहर चल रही है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। मौसम विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब-हरियाणा तक बने पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, यूपी के भी कई इलाके शीतलहर के चपेट में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में सुबह कोहरे के साथ तापमान 5 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में अभी न्यूनतम तापमान 11-12 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों समेत पंजाब, हरियाणा से लेकर आसपास के क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि इन हिस्सों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आसमान में बादल घिरे हुए हैं, हालांकि, किसी प्रकार के बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। वहीं इसकी वजह से पहाड़ों से मैदानी इलाकों की ओर चलने वाली तेज हवाएं शीतलहर की स्थिति को और भी गंभीर बना रही है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 4-5 डिग्री सेल्सियस नीचे है, जिसके कारण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इस वजह से आसपास के इलाकों में बादल छाए हैं। हालांकि, पहाड़ी या मैदानी इलाकों में बारिश या बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। एक और कमजोर पश्चिमी विक्षोभ 5 दिसंबर को पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहा है और पहाड़ों को पार करने में इसे करीब 24 से 36 घंटे लगेंगे। इस दौरान निचले इलाकों पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के आसपास ठंड का असर बढ़ने की संभावना है।

पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर और ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक इंड्यूस्ड साइक्लोनिक सर्कुलेशन की स्थिति से कोहरे और ठंड की संभावना बढ़ गई है। मौसम विभाग ने बताया कि नॉर्थ ईस्ट के राज्यों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा पड़ सकता है। वहीं, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

यूपी के कई इलाके शीतलहर की चपेट में है। वहीं, राज्य के कई हिस्से घने कोहरे से घिरे हैं। सुबह शाम कड़ाके की ठंड से लोगों का हाल बेहाल है, हालांकि, दिन निकलने के बाद धूप खिलने की वजह से लोगों को राहत है। वहीं, बिहार में मौसम अभी शुष्क बना हुआ है। राज्य में न्यूनतम तापमान 11 से 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। वहीं, अधिकतम तापमान 22 से 27 डिग्री के आसपास बना है। पहाड़ों पर एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ का असर जल्द ही दिखेगा। गलन वाली सर्दी पड़ सकती है।

बिहार की 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार राज्य के सभी जेलों के चप्पे-चप्पे पर अब खुफिया निगरानी रहेगी। उप मुख्यमंत्री सह गृहमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 53 जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने 9,073 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। राज्य की आठ जेलों में पहले लगे कैमरों को नए लगाने वाले कैमरों से इंटीग्रेट किया जाएगा। इसके लिए 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना से बिहार की जेल सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। गृहमंत्री सम्राट ने बताया कि कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय को बेल्ट्रान द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित विस्तृत प्राक्कलन के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में सीसीटीवी कैमरों, सॉफ्टवेयर, फील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइबर नेटवर्क, स्थानीय मॉनिटरिंग व्यवस्था, पांच वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव के लिए मैनपावर लागत, परामर्श शुल्क, आकस्मिक व्यय तथा बेल्ट्रान मार्जिन को भी सम्मिलित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। मालूम हो कि गृह मंत्री का पदभार लेते ही सम्राट ने जेलों की निगरानी बढ़ाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। जेलों में कैदियों के पास से मोबाइल और बिना अनुमति बाहरी खाना मिलने की शिकायत पर सख्त एक्शन लेने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की किताब पर रोक लगाने की मांग को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अरुंधति रॉय की नई किताब मदर मैरी कम्स टू मी की बिक्री और प्रचार पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज किया है। याचिकाकर्ता ने किताब के कवर पेज पर अरुंधति रॉय को सिगरेट पीते हुए दिखाए जाने पर आपत्ति जाहिर की थी। यह सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (सीओटीपीए, 2003) का उल्लंघन है और धूम्रपान को बढ़ावा देता है, जबकि कानून के अनुसार चेतावनी के बिना इसतरह के चित्र का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका खारिज की। अदालत ने कहा कि अरुंधति रॉय एक जानी-मानी लेखिका है और उन्होंने किसी भी प्रकार से धूम्रपान का प्रमोशन नहीं किया है।

किताब में आवश्यक चेतावनी भी मौजूद है, और किसी साहित्यिक कृति के कवर पेज को धूम्रपान के प्रचार के बराबर नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के पहले के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसने भी रोक लगाने से मना कर दिया था। यह जनहित याचिका अधिवक्ता राजसिंहन ने दायर की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपत्ति केवल कवर पर सिगरेट वाले चित्र से थी, क्योंकि यह धूम्रपान को बौद्धिकता और रचनात्मकता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करता है और युवा पाठकों को गुमराह कर सकता है। अदालत ने यह भी माना कि सीओटीपीए, 2003 का नियम (पैकेज पर चेतावनी छापना) विशुद्ध रूप से तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर लागू होता है, किताबों पर नहीं।

वक्फ संपत्ति : केंद्र सरकार ने पंजीकरण को लेकर दी तीन महीने की राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने की छह महीने की अवधि शुक्रवार को समाप्त हो रही है, लेकिन अभी भी लाखों संपत्तियां रजिस्ट्रेशन से बाहर है। इसके बाद उन्हें राहत देकर केंद्र ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए 3 महीने की राहत देने का निर्णय लिया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, आज वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन है। पूरे देश में अब भी लाखों संपत्तियां पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सकी हैं। कई सांसद, सामाजिक नेता और वक्फ से जुड़े प्रतिनिधि मुझसे मिले और समय बढ़ाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण हम इस समय सीमा को सीधे बढ़ा नहीं सकते, लेकिन जिन लोगों ने कोशिश की और किसी कारण रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, उनके खिलाफ तीन महीने तक कोई कठोर कार्यवाई नहीं होगी। न कोई पेनल्टी लगेगी, न कोई जुर्माना। उन्होंने बताया कि अब तक 151,000 से अधिक वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जिसमें कर्नाटक (50,800), पंजाब, जम्मू-कश्मीर और कई अन्य राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं कुछ बड़े राज्यों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया धीमी रही।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि कई क्षेत्रों से शिकायतें मिलीं कि उम्मीद पोर्टल धीमा चल रहा था या लोगों के पास आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति बिना परेशान हुए अपनी वक्फ संपत्ति रजिस्टर करा सके। इसलिए तीन महीने तक हम किसी पर कोई सख्ती नहीं करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि 6 महीने की समयसीमा के बाद सरकार तारीख नहीं बढ़ा सकती, लेकिन ट्रिब्यूनल के पास अधिकार है कि वह आपकी स्थिति समझकर 6 महीने तक की अतिरिक्त राहत दे सकता है। इसलिए जिन्हें परेशानी हो, वे वक्फ ट्रिब्यूनल से संपर्क करें। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा लोगों की मदद करने के लिए तैयार है, लेकिन वक्फ संशोधन कानून संसद ने पास किया है, इसलिए उसमें बदलाव केंद्र स्वयं नहीं कर सकता।

होटल धौलाधार में भीषण आग, 15-20 करोड़ के नुकसान की आशंका ; कई अधिकारी बाल-बाल बचे

धर्मशाला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला शहर में बिगत देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टूरिज्म विभाग के प्रसिद्ध होटल धौलाधार में अचानक आग भड़क उठी। कोतवाली बाजार स्थित इस होटल के किचन से आग की शुरुआत हुई और देखते ही देखते उसने पूरे होटल के हॉल, किचन और रेस्तरां क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। घटना के समय होटल में शीतकालीन सत्र के कारण कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ठहरे हुए थे। तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किए गए और सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटनास्थल पर एचपीटीडीसी के चेयरमैन (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली और डीसी कांगड़ा हेम राज बैरवा भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने मौके पर हालात का निरीक्षण किया और फायर ब्रिगेड से पल-पल की जानकारी ली। प्रशासन का कहना है कि आग लगने की वजह का अभी तक कोई पुख्ता कारण सामने नहीं आया है। जांच टीम को गठित कर दिया गया है, जो आग के कारणों और कुल नुकसान का विस्तृत आकलन करेगी।

संचार साथी' ऐप बना चैंपियन, डाउनलोड में एप्पल, गूगल ऐप को पीछे छोड़ बना नंबर वन

-विरोध के बावजूद दूरसंचार विभाग ने ऐप इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस लिया

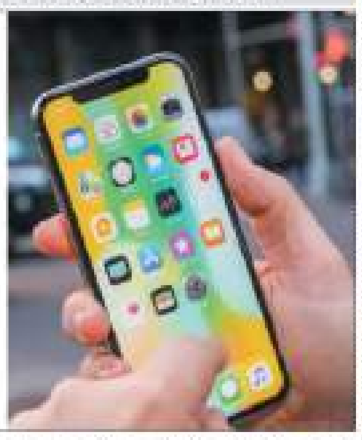

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष, मोबाइल कंपनियों और नागरिक समाज के विरोध के बाद, दूरसंचार विभाग ने सभी मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करने का अपना आदेश वापस ले लिया है, लेकिन इसका नतीजा यह हुआ कि जिस ऐप को पहले नजरअंदाज किया जाता था वह अचानक सुर्खियों में आ गया।

मीडिया रिपोर्ट में सेंसर टावर के आंकड़ों के मुताबिक संचार साथी ऐप जो 29 नवंबर को भारत में सबसे ज्यादा डाउनलोड किया गया ऐप में 127वें स्थान पर था वह 2 दिसंबर को ऐपल ऐप स्टोर पर गूगल जेमिनाई और चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए पहले पायदान पर पहुंच गया। सरकार द्वारा 3 दिसंबर को आदेश वापस लेने के बाद भी यह शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। ऐप शुक्रवार तक उस स्थान पर बना रहा। उपयोगिता श्रेणी के भीतर, यह 1 दिसंबर के 15 वें स्थान से बढ़कर 3 दिसंबर को दूसरे पायदान पर पहुंच गया और अब शीर्ष स्तर पर बना हुआ है।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि ऐप के बारे में जिज्ञासा तब बढ़ी जब गोपनीयता से जुड़ी संभावित चिंता पर बहस शुरू हुई और इसके कारण ही डाउनलोड में वृद्धि हुई। कुछ विपक्षी नेताओं का दावा है कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निर्देश को समर्थन देने की बात दिखाने के लिए बड़ी संख्या में ऐप डाउनलोड किए, और उनका यह तर्क है कि डाउनलोड में यह तेजी अस्थायी साबित हो सकती है।

मोबाइल उपकरण निर्माताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की चीजें लागू करने से एक मिसाल कायम हो सकती है, जिससे अन्य मंत्रालय या राज्य सरकारें भी अपने संबंधित ऐप इंस्टॉल के लिए यही मांग करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। कंपनियों ने यह भी बताया कि भारत बड़ी संख्या में फोन निर्यात करता है जिसका अर्थ यह है कि अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के लिए घरेलू और निर्यात वाले उपकरणों के लिए अलग-अलग उत्पादन की जरूरत हो सकती है जिससे निर्माण प्रक्रिया और जटिल हो सकती है। हालांकि, डीओटी ने 3 दिसंबर को निर्देश वापस लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उसने डाउनलोड में वृद्धि देखने के बाद कार्रवाई की।

आने वाले सालों में हम ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में दुनिया में पहले नंबर पर होंगे

-गडकरी बोले- हमारी सरकार की प्राथमिकता है वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले सालों में यह दुनिया में पहले नंबर पर होगी। उन्होंने लोकसभा में कहा कि जब मैंने मंत्री पद संभाला था, हमारी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दुनिया में सातवें नंबर पर थी, लेकिन अब जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गई है।

भारत के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पर गडकरी ने कहा कि मेरे सह मंत्री हरदीप पुरी वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहे हैं। वहीं प्रल्हाद जोशी ग्रीन हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहे हैं। इससे देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के आकार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। गडकरी के मुताबिक अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपए के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है। चीन 49 लाख करोड़ के साथ दूसरे नंबर पर है। अब 22 लाख करोड़ रुपए के आकार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री है। गडकरी ने कहा कि हमारा देश करीब 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है। इस कारण हमारी सरकार की प्राथमिकता वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल है। यह आयात का अच्छा विकल्प है। साथ ही लागत प्रभावी और प्रदूषण से मुक्त है, जिसका सामना आज के समय दिल्ली कर रही है।

गडकरी के मुताबिक देश में फास्ट चार्जिंग पर तेजी से काम किया जा रहा है। हमें एक ऐसे चार्जिंग सिस्टम की जरूरत है जो ट्रक, बस, स्कूटर्स, तिपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए उपयोगी हो। मौजूदा समय में चार्जिंग सिस्टम पर रिसर्च चल रही है और नए इनोवेशन किए जा रहे हैं और अकेले दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में 400 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने हाल में किए जीएसटी सुधार में कर दर में भारी कटौती की है, जिससे देश में वाहनों की बिक्री को बढ़ाने में मदद मिली है।

पुतिन के भारत दौरे पर थरूर ने दिया संदेश बोले- अब किसी को कोई गलतफहमी नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को चार साल बाद पहली बार दो दिवसीय राज्य यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से गर्मजोशी से स्वागत किया, जो कूटनीतिक रस्मों से इतर एक विशेष इशारा था। यह यात्रा 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए है, जो शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में आयोजित होगा। पुतिन का यह दौरा यूक्रेन युद्ध के बाद उनका पहला भारत प्रवास है, जो वैश्विक अस्थिरता के बीच दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रहा है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस दौरे की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और सामरिक क्षेत्रों में रूस भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार रहा है। थरूर ने एक साक्षात्कार में जोर दिया, यह बहुत महत्वपूर्ण यात्रा है। वैश्विक राजनीति के उथल-पुथल भरे दौर में पुराने और विश्वसनीय साझेदारों के साथ रिश्ते और मजबूत करना जरूरी है। रूस के साथ हमारा संबंध दशकों पुराना है, जो हाल के वर्षों में और प्रासंगिक हो गया। तेल-गैस आपूर्ति में रूस प्रमुख स्रोत है, जबकि रक्षा सहयोग का महत्व मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में एस-400 सिस्टम के जरिए पाकिस्तानी मिसाइलों से दिल्ली जैसे शहरों की रक्षा करते हुए साफ दिखा।

थरूर ने भारत की विदेश नीति की रणनीतिक स्वायत्तता पर फिर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रूस के साथ मजबूत बंधन अमेरिका या चीन जैसे किसी अन्य देश के साथ संबंधों को प्रभावित नहीं करते। भारत अपनी संप्रभुता के आधार पर हितों और साझेदारियों का चयन करता है। किसी को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि रूस के साथ निकटता किसी अन्य राष्ट्र के खिलाफ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन में रक्षा उत्पादन, व्यापार, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संस्कृति और मानवीय सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई समझौते होंगे, जो द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देंगे।

पूर्व भारतीय राजनयिक अरुण सिंह ने भी भारत-रूस संबंधों की निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दशकों से मॉस्को ने राजनीतिक और रक्षा क्षेत्र में भारत का साथ दिया है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में भी रूस भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं में अहम स्थान रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा वैश्विक ध्रुवीकरण के बीच संतुलित कूटनीति और नई साझेदारियों की जरूरत को रेखांकित करता है।

शुक्रवार को पुतिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे, राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देंगे और रूसी चैनल आरटी का भारत संस्करण लॉन्च करेंगे। शाम को रवाना होने से पहले मोदी के साथ व्यापक वार्ता होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष एंड्री बेलौसोव भी सैन्य सहयोग पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी दबाव और यूक्रेन शांति प्रयासों के बीच यह यात्रा रूस के लिए अलगाव कम करने का मौका है, जबकि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा और हथियार आपूर्ति सुनिश्चित करने का। 2000 से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने पर यह दौरा विशेष महत्व रखता है, जो दोनों देशों के बीच विश्वास को और गहरा करेगा।